@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 30 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 236 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एक अरब का स्कैम, 59 साल पुराना फर्जीवाड़ा

संभल में सरकार ने कब्जा मुक्त कराई 38 बीघा जमीन

एजेंसी

विक्टोरिया। संभल पालिका क्षेत्र में मुरादाबाद मार्ग पर स्थित तख्त गुसाई में ग्राम सभा की 38 बीघा जमीन कब्जा मुक्त कराकर ग्राम सभा को सौंपी गई है। यह आदेश उपसंचालक चकबंदी न्यायालय से किया गया है। डीएम अंकित खंडेलवाल का कहना है कि लगभग 101 करोड़ रुपये की कीमत इस जमीन की है। यह जमीन करीब 59 साल से निजी कब्जे में थी। ज्यादातर जमीन खाली पड़ी थी जिस पर कब्जा लेकर बोर्ड लगवा दिए गए हैं। जितनी जमीन का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है उनके कब्जाधारकों को नोटिस जारी कर खाली कराने के निर्देश दिए जाएंगे। डीएम और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया और कब्जा मुक्त किए जाने के निर्देश दिए हैं। डीएम को शिकायत मिली थी कि तहसील संभल

के तख्त गुसाईं में सरकारी जमीन पर सईदुल रहमान और उनके वारिसों का वर्षों से कब्जा था। इस भूमि का अनुमानित मूल्य लगभग 101 करोड़ रुपये है। डीएम ने इसका तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने उपसंचालक चकबंदी न्यायालय में पुनर्स्थापना अपील दायर करने का निर्देश दिया। तीन जून 2026 को यह अपील दायर की गई। उपसंचालक चकबंदी न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई करते हुए 27 जून 2026 को भूमि को ग्राम सभा के नाम दर्ज करने का आदेश दिया गया। डीएम ने बताया कि इस आदेश के बाद ग्राम सभा को यह भूमि पुनः प्राप्त हुई है। आदेश में गाटा संख्या 206, 207, 233, 242/378 और 279 सम्मिलित हैं। भूमि को सरकारी अभिलेखों में दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

पालिका अध्यक्ष द्वारा पट्टा दिए जाने का दावा किया गया, जो नियम विरुद्ध था

शासन के 11 अगस्त 1954 के गजट के अनुसार, मौजा तख्त गुसाईं को गैर आबाद घोषित किया गया था। इसका प्रबंधन नगर पालिका संभल को सौंपा गया था, हालांकि यह क्षेत्र उसकी सीमा से बाहर था। सईदुल रहमान ने दावा किया कि 1967 में तत्कालीन पालिका अध्यक्ष साहू चिरंजीलाल ने उन्हें इस भूमि का पट्टा दिया था।

नगर पालिका अधिनियम 1916 के तहत बिना शासन की अनुमति के संपत्ति का अंतरण नहीं हो सकता। इस मामले में शासन की कोई अनुमति उपलब्ध नहीं थी। अधिनियम के अनुसार, पट्टे की अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं हो सकती। कथित पट्टा दिनांक 12 जुलाई 1967 विधि शून्य पाया गया।

तृणमूल के 440 करोड़ रुपये के फंड पर घमासान

●हाईकोर्ट ने पुलिस और राज्य सरकार को भेजा नोटिस

एजेंसी

विक्टोरिया। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर शुरू हुआ संगठनात्मक विवाद अब पार्टी के वित्तीय संसाधनों तक पहुंच गया है। पार्टी के तीन बैंक खातों में जमा करीब 440 करोड़ रुपये के संचालन और उस पर अधिकार को लेकर पैदा हुए विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और तत्काल सुनवाई की मांग की है।

ममता बनर्जी गुट ने की जल्द सुनवाई की मांग

सोमवार को मामले का उल्लेख न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की अदालत में किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने जल्द

सुनवाई का अनुरोध किया। अदालत ने कहा कि मामले में पुलिस, संबंधित बैंक और राज्य सरकार सहित सभी पक्षों को पहले नोटिस देना जरूरी है। इसके बाद ही सुनवाई की तारीख तय की जाएगी। अदालत ने संकेत दिया कि नोटिस की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार या मंगलवार को मामले पर विचार किया जा सकता है।

ऋतब्रत बनर्जी गुट ने भी पार्टी फंड पर किया दावा

यह विवाद उस समय गहरा गया जब चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए। ऋतब्रत बंद्योपाध्याय के नेतृत्व में एक गुट ने खुद को पार्टी का वास्तविक संगठन बताया, जबकि ममता बनर्जी का खेमा संगठन और उसके वित्तीय अधिकारों पर अपना दावा बनाए हुए है। इसी खींचतान के बीच पार्टी के बैंक खातों के संचालन का मुद्दा भी विवाद का कारण बन गया। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष अरूप विश्वास ने बैंक को पत्र लिखकर खातों के संचालन पर आपत्ति जताई थी।

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य हुए शामिल

लखपति दीदी डेस्कबोर्ड का शुभारम्भ

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, लखनऊ7 29 जून, 2026, आज दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के भव्य शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ विकास योजनाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण पुस्तिका का विमोचन से किया। सम्मेलन का आयोजन ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचार, जनभागीदारी, सुशासन तथा सतत विकास के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय ग्राम्य विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज चौहान जी द्वारा की गई। इस अवसर पर लखपति दीदी डेस्कबोर्ड का शुभारम्भ किया गया। यह डेस्कबोर्ड स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की प्रगति की निगरानी, उनकी आय में वृद्धि, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा वास्तविक समय में उपलब्ध आंकड़ों के माध्यम से बेहतर योजना निर्माण एवं नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सतत आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण विकास को नई गति मिली है। सरकार का उद्देश्य केवल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं, युवाओं और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना भी है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा

प्रदान की है और लखपति दीदी अभियान महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे के विकास, ग्रामीण संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण, रोजगार सृजन तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से लागू करते हुए ग्रामीण विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। उत्तर प्रदेश के युवाओं का बढ़ा मान-सम्मेलन का मुख्य आकर्षण विभिन्न डिजिटल प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान समारोह रहा। माई जीओवी (स्ब्लत्थ1) पोर्टल पर आयोजित लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता तथा माई भारत पोर्टल के माध्यम से आयोजित विभिन्न रील्स और क्विज़ प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से 60 सेकंड फॉर माई विलेज (60 स्द्गष्ठ्ठ्रह्य द्धश्ह्ल स्ब4 ड्डद्बद्यद्यड्डद्गद्ग) नेशनल रील और वीडियो चैलेंज कम्पटीशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के गौरवशाली युवाओं श्री अभय गुप्ता जी एवं सुश्री झील गौतम जी को उनकी उत्कृष्ट रचनात्मकता और ग्रामीण विकास के प्रति उनके दृष्टिकोण के लिए केंद्रीय मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्मानित विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा आज न केवल तकनीक का सही उपयोग कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीण भारत की समस्याओं और समाधानों को दुनिया के सामने लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह सम्मान प्रदेश के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों, नीति-निर्माताओं, विशेषज्ञों एवं ग्रामीण विकास से जुड़े अनेक हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं, नवाचारों तथा सफल मॉडलों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा राज्यों के बीच श्रेष्ठ अनुभवों के आदान-प्रदान पर बल दिया गया। ग्रामीण विकास से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता और देश भर के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मल्लिकार्जुन खरगे ने ली राज्यसभा के सदस्य की शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। वे कर्नाटक से लगातार दूसरी बार राज्यसभा सदस्य बने हैं। राज्यसभा के सभापति सीपी

राधाकृष्णन ने सोमवार को उन्हें अपने चैंबर में शपथ दिलाई। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी मौजूद रहे। मल्लिकार्जुन खरगे 2022 से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्यरत हैं ।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने सोमवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सदन में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मध्य प्रदेश से निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद उन्होंने उच्च सदन के सदस्य के रूप में अपना कार्यभार संभाला। उनके साथ छह अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण से पहले तरुण चुग ने संसद भवन के प्रवेश द्वार पर नमन कर लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इससे पूर्व उन्होंने नई दिल्ली स्थित गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अगरतला के महाराजा बीर बिक्रम हवाईअड्डे पर आठ बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा पुलिस और हवाईअड्डा सुरक्षा बल ने विशेष खुफिया सूचना के आधार पर अगरतला स्थित महाराजा बीर बिक्रम हवाईअड्डे पर दो अलग-अलग अभियानों में आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों द्वारा सोमवार को दी गई जानकारी के अनुसार, दोनों अभियानों में चार-चार बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी ने त्रिपुरा सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और गुवाहाटी जाने की योजना बना रहे थे।

सिया ने केतन से 1 करोड़ रुपये लेकर चेतन को दिए

कैब ड्राइवर का दावा- सिया बाली नहीं जाना चाहती थी, केतन का पासपोर्ट गायब किया

एजेंसी

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सिया ने केतन

से शादी की शॉपिंग के नाम पर 1 करोड़ रुपये लिए थे। इन पैसों से शॉपिंग नहीं की, बल्कि पूरी रकम प्रेमी चेतन चौधरी को दे दी थी।

केतन-सिया की बाली प्री-वेडिंग ट्रिप के लिए 6 जून को उन्हें एयरपोर्ट छोड़ने वाले कैब ड्राइवर वैभव जाधव का बयान सामने आया। उसके मुताबिक सिया बाली नहीं जाना चाहती थी। रास्ते में उसकी अपने भाई साहिल से किसी बात को लेकर बहस हो रही थी। वैभव ने बताया- कुछ देर बाद गाड़ी एक स्थान पर रुकी, जहां 4 अन्य लोग सवार हुए। बाद में गाड़ी फूड कोर्ट पर रुकी। सभी लोग खाने-पीने चले गए। कुछ देर बाद सिया आई।

गाड़ी से कुछ सामान निकालकर अपने बूट में छिपा लिया और वापस चली गई

वैभव ने कहा कि मैंने सभी लोगों को एयरपोर्ट छोड़ा। बाद में कॉल आया कि केतन का पासपोर्ट कैब में छूट गया है। मैं एयरपोर्ट पहुंचा। गाड़ी की सभी ने तलाशी ली, लेकिन गाड़ी में पासपोर्ट नहीं मिला।

सिया के वकील बोले- पुलिस हिरासत में दिया बयान सबूत नहीं

सिया गोयल के वकील आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस हिरासत में आरोपी का दिया बयान अदालत में सबूत नहीं माना जाता। उन्होंने कहा कि कोर्ट में यह सवाल उठाएंगे कि पहले इस मामले को हादसा क्यों माना गया और बाद में हत्या का केस कैसे बना। उनका कहना है कि पुलिस सिया से पूछताछ के लिए काफी समय ले चुकी है। अब उसे और पुलिस रिमांड में रखने की जरूरत नहीं है।

●पुणे नाबालिग दुष्कर्म-हत्या केस में कोर्ट का फैसला

65 वर्ष के भीमराव कांबले को सुनाई मौत की सजा

'आरोपी किसी भी तरह की नरमी या कम सजा का हकदार नहीं है।'

एजेंसी

पुणे । महाराष्ट्र के पुणे जिले के नसरापुर में तीन वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के दोषी को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई है। 65 वर्षीय भीमराव कांबले दुष्कर्म और हत्या के मामले में कोर्ट ने दोषी ठहराया है। पुणे जिला और सेशन कोर्ट के जज एस.आर. सालुंखे ने दोषी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष ने अपनी दलीलों में ऐसे मामलों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के 12 अहम फैसलों का जिक्र किया, जिनमें यह बात भी शामिल थी कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट की ओर से परिभाषित 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' मामलों की श्रेणी में आता है। वारदात की प्रकृति और बरती गई क्रूरता को देखते हुए जज ने कांबले को दोषी ठहराते हुए कहा कि आरोपी किसी भी तरह की नरमी या कम सजा का हकदार नहीं है। जज ने यह

भी कहा कि पीड़िता के शरीर पर लगी चोटें इस घटना की क्रूरता को साबित करने के लिए काफी थीं।

दोषी कांबले के खिलाफ पहले से दर्ज यौन उत्पीड़न के एक मामले को ध्यान में रखते हुए, कोर्ट ने कहा कि उसे कानून की जानकारी है और पूरे ट्रायल के दौरान उसने अपने किए पर कोई पछतावा नहीं दिखाया। कोर्ट की ओर से यह फैसला दो महीने के अंदर सुनाया गया है। दोषी ने वारदात को एक मई को अंजाम दिया था।

पुलिस ने घटना के 15 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी थी। 28 मई को आरोप तय किए गए और 21 जून को अंतिम बहस पूरी हुई।

बता दें कि एक मई को पुणे का भोर तालुका इस सनसनीखेज वारदात से दहल उठा था। 65 वर्षीय दोषी भीमराव कांबले ने मासूम की बेरहमी से हत्या की थी। बताया जाता है कि दोषी ने पत्थर से कुचलकर उसकी जान ली थी। यह घटना उस वक्त सामने आई थी, जब दोपहर में बच्ची लापता हो गई और उसके परिवार वालों ने उसे हर जगह खोजना शुरू किया। खोजबीन के दौरान, उसका क्षत-विक्षत और खून से लथपथ शव मिला था।

प्रधानमंत्री मोदी ने विक्टोरिया में श्री गणेश मंदिर के किए दर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया स्थित एकमात्र मंदिर 'अरुलमिगु नवशक्ति विनायक' में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, ' मैंने विक्टोरिया स्थित प्रमुख हिंदू मंदिर 'अरुलमिगु नवशक्ति विनायक' में प्रार्थना की। भगवान श्री गणेश सभी को बुद्धि, शक्ति और समृद्धि का आशीर्वाद दें।

सीएम योगी बोले- 'साइकिल' चलेगी तो दंगे होंगे

●इसलिए जनता ने पंचर कर दी; सपा-कांग्रेस पर जमकर बरसे

एजेंसी

पीलीभीत। पीलीभीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के पतरासा कुंवरपुर गांव में 569.11 करोड़ रुपये की 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने करीब ढाई हजार विस्थापित परिवारों को भूमि अधिकार पत्र सौंपे। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर निशाना साधा। कहा कि सपा और कांग्रेस को सिर्फ मुसलमानों की चिंता है।

सपा-कांग्रेस ने वंचितों की कभी चिंता नहीं की: योगी

मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने वर्षों तक शासन किया,

लेकिन बांग्लादेश से आए प्रताड़ित हिंदू परिवारों, गरीबों, दलितों और वंचितों की चिंता कभी नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों की राजनीति केवल तुष्टिकरण तक सीमित रही, जबकि भाजपा सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है।

देश के विभाजन का दर्द आज भी झेल रहे बंगाली परिवार: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का विभाजन दुर्भाग्यपूर्ण था और उसी का परिणाम है कि हजारों परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बाद में बांग्लादेश में प्रताड़ना झेलने वाले हिंदू परिवारों को अब भारत में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिला है। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन के माध्यम से इन परिवारों को न्याय मिला है।

ढाई हजार विस्थापित परिवारों को मिला अधिकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत में लगभग 2,500 विस्थापित परिवारों यानी करीब 15 हजार लोगों को नागरिकता और भूमि अधिकार का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऐसे करीब 55 हजार परिवारों को चरणबद्ध तरीके से अधिकार दिलाने का अभियान चल रहा है। इसकी शुरुआत पीलीभीत से हुई। बाराबंकी, बहराइच में भी यह क्रम चल रहा है। अभी कुछ मामलों में वन विभाग और केंद्र सरकार की अनुमति मिलते ही अन्य परिवारों को भी लाभ दिया जाएगा।

जान जोखिम में डाल बुलडोजर से नाला पार, हेल्थ वर्कर ने बच्चों तक पहुंचाई पोलियो खुराक

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल के जनजातीय जिला लाहुल स्पीति में स्वास्थ्य कार्यकर्ता पलजोम बुट्टी ने कर्तव्यनिष्ठा और साहस की अनूठी मिसाल पेश की है। बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाने के लिए, उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर एक उफनते नाले को पार किया। यह घटना राष्ट्रीय सघन पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के दौरान तिगरट बूथ पर घटी, जहां पलजोम ने विषम परिस्थितियों में भी अपना दायित्व निभाया। पहाड़ों में बढ़ते तापमान के कारण लाहुल घाटी के नदी-नाले इन दिनों पूरे उफान पर हैं, और तिगरट का नाला भी इसी कारण पार करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। कोई सुरक्षित साधन न होने पर, पलजोम ने हिम्मत दिखाई और एक बुलडोजर की मदद से उफनते नाले को पार किया। इस असाधारण प्रयास का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ, जिसने पूरे देश व प्रदेश में उनकी सराहना की लहर पैदा कर दी। कठिनतम परिस्थितियों में भी बच्चों तक समय पर पोलियो की खुराक पहुंचाने का उनका समर्पण प्रेरणादायक है। स्थानीय निवासियों, जिनमें नोरबू, दीपक, टशी और तेंजिन डोलमा शामिल हैं, ने उनके जज्बे को सलाम किया और उनके समर्पण को सराहा। लाहुल स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने भी पलजोम बुट्टी को समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद, पलजोम ने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया है, जो हम सभी के लिए एक बड़ी सीख है।

पुलिस की सक्रियता से गुम हुआ बच्चा 48 घंटे के भीतर बरामद, परिजनों ने ली राहत की सांस

लोहरदगा (एजेंसी)। लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र के ननतिलो नावाटोली से पिछले 27 जुन को लापता हुए बच्चें को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सोमवार को कुडू व कैरो थाना क्षेत्र की सीमा से बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया ।बच्चें के बरामदगी होने से परिजनों ने राहत की सांस ली ।बताया जाता है कि ननतिलो नावाटोली निवासी सालोनी उरांव ने कुडू पुलिस को आवेदन देकर बताया था कि मेरा 13 वर्षीय पुत्र राज अनुप उरांव 27 जुन की सुबह 10 बजें घर मे किसी को कुछ बताएं बगैर कही चला गया है ।काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है ।आवेदन मिलने के बाद थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बच्चे की खोजबीन शुरू किया ।सोमवार को थाना प्रभारी अजीत कुमार को सूचना मिली कि इसी बच्चे की तरह दिखने वाला एक बच्चा तान पहाड़ी की तरफ देखा गया है ।थाना प्रभारी ने खोजबीन के लिए दो अधिकारियों के साथ परिजनों को लेकर स्वयं निकल पड़े। सोमवार दोपहर लगभग दो बजे तान व हुदू गांव के बीच बच्चे को बरामद किया गया। बच्चें को लेकर पुलिस थाना पहुंची व कागजी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंप दिया ।बच्चे की मां सालोनी उरांव ने बताया कि बच्चें के लापता होने के बाद दो दिनों से परिजन काफी परेशान थे ।थाना प्रभारी अजीत कुमार की सक्रियता के बाद लापता बच्चे को 48 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया गया।

पोलियो खुराक के बाद दो बच्चियों की संदिग्ध मौत, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के विदिशा और झाबुआ जिलों में पल्स पोलियो अभियान के दौरान खुराक देने के बाद दो मासूम बच्चियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का दुखद मामला सामने आया है। दोनों ही घटनाएं रविवार की हैं, जहां परिजनों ने पोलियो ड्रॉप्स को ही बच्चियों की मौत की वजह बताया है। हालांकि, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर बताया है कि पोलियो की दवा पूरी तरह सुरक्षित है और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। पहली घटना विदिशा जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम मैनखेड़ी की है, जहां अनिल अहिरवार की बेटी मानसी को सुबह पोलियो की खुराक दी गई थी, जिसके कुछ घंटों बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। विदिशा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. रामहित कुमार ने बताया कि उस बूथ पर मानसी के साथ उसकी बड़ी बहन सहित कुल 44 अन्य बच्चों को भी वही दवा पिलाई गई थी और सभी बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। मौत की असली वजह जानने के लिए विसरा जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। दूसरी घटना झाबुआ जिले के कल्याणपुरा ब्लॉक की है, जहां सुनील डामोर की 11 माह की बेटी पूजा ने भी पोलियो ड्रॉप्स लेने के कुछ समय बाद दम तोड़ दिया। झाबुआ के सीएमएचओ डॉ. एमएल चोपड़ा के अनुसार, जिस शीशी से पूजा को दवा दी गई थी, उसी से 19 अन्य बच्चों को भी खुराक दी गई थी, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्वास्थ्य विभाग दोनों मामलों की गहराई से जांच कर रहा है।

उत्तराखंड : धामी सरकार का श्रमिकों को बड़ा तोहफा, डीबीटी के माध्यम से खातों में 93 करोड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने राज्य के गरीब और श्रमिक परिवारों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने दलालों और बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त कर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सीधे मजदूरों के बैंक खातों में वित्तीय सहायता राशि भेजनी शुरू की है। पिछले एक साल के भीतर श्रम कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य के 24,323 पंजीकृत श्रमिकों के खातों में कुल 93.06 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो चुके हैं। हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी की मौजूदगी में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा 4,400 से अधिक श्रमिकों को करीब 11 करोड़ रुपये की राशि बिना किसी विलंब के सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई। यह आर्थिक मदद असंगठित क्षेत्र के निर्माण श्रमिकों की रोजमर्रा और आपातकालीन जरूरतों को ध्यान में रखकर दी जा रही है। इसमें बेटियों की शादी, परिवार के सदस्य की मृत्यु पर सहायता, महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप शामिल है, जिससे संकट के समय इन्हें ऊंचे ब्याज पर कर्ज न लेना पड़े। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों को देखकर मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि मजदूरों को पंजीकरण या लाभ के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, बल्कि प्रशासन खुद उनके पास पहुंचे। इसके लिए निर्माण स्थलों के पास वर्कप्लेस वेलफेयर कैंप लगाए जा रहे हैं, जहां श्रमिकों का पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही जगह मिल रहा है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आधुनिक तकनीक और सख्त डिजिटल वेरिफिकेशन सिस्टम लागू किया है, जिससे फर्जीवाड़ा पूरी तरह रुक गया है और सरकारी सहायता बिना किसी कटौती के सिर्फ वास्तविक हकदारों तक पहुंच रही है।

मनरेगा के नए मॉडल से राज्यों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

–जयराम ने वीबी जी–रामजी योजना को संघीय ढांचे पर प्रहार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर प्रस्तावित विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी-रामजी योजना को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि नई व्यवस्था से राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और इससे देश के संघीय ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि मनरेगा एक मांग-आधारित और अधिकार-आधारित रोजगार गारंटी योजना थी, जबकि नई व्यवस्था आवंटन-आधारित योजना के रूप में काम करेगी। उनके अनुसार प्रस्तावित मॉडल में कुल व्यय का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत खर्च राज्यों को उठाना होगा। जयराम रमेश ने कहा कि जिस आवंटन फार्मूले को अपनाया जा रहा है, वहीं 16वें वित्त आयोग द्वारा राज्यों के बीच करों के बंटवारे के लिए इस्तेमाल किया गया था। उनका तर्क है कि यह फार्मूला राजस्व वितरण के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन व्यय वहन करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि अनुदान व्यवस्था में कटौती और राज्यों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी डालने से पहले से ही कमजोर संघीय ढांचे पर दबाव बढ़ेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा किए बिना ही मनरेगा को समाप्त करने संबंधी विधेयक संसद से पारित कराया। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिशोध और जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बताया। जयराम रमेश ने दावा किया कि कई राज्यों ने भी नई योजना को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं। उनके अनुसार मध्यप्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों ने भी अतिरिक्त वित्तीय भार को लेकर चिंता व्यक्त की है। वहीं कुछ राज्यों ने कृषि सीजन के दौरान प्रस्तावित 'ब्लैकआउट अवधि' का विरोध किया है, जिसमें योजना के तहत काम उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि नई योजना के प्रभाव और उसके क्रियान्वयन को लेकर राज्यों की आशंकाओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

जयपुर महिला का पाकिस्तानी आतंकियों से कथित संपर्क : एटीएस जांच में चौंकाने वाले खुलासे

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के वाटिका क्षेत्र से गिरफ्तार 36 वर्षीय बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा के मामले में राजस्थान एटीएस की जांच में कई गंभीर और चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। महिला पर पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क रखने का आरोप है, जिसकी गहन पड़ताल हो रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, महिला के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया खातों की प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान सहित अन्य देशों से संचालित कई संदिग्ध प्रोफाइलों से संपर्क के संकेत मिले हैं। एटीएस का दावा है कि फेसबुक पर उसके अकाउंट की दोस्तों की सूची में बड़ी संख्या में विदेशी प्रोफाइल जुड़े हुए थे, जिसमें से कुछ की पहचान संदिग्ध खातों के तौर पर की जा रही है। जांच के दौरान कुछ इसतरह के नामों का खुलासा भी हुआ है, जिनका संबंध पूर्व में आतंकी गतिविधियों और प्रतिबंधित संगठनों से जोड़ा जाता रहा है। हालांकि, एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि इन संपर्कों की तकनीकी और फोरेंसिक जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे। राजस्थान एटीएस के अनुसार, बबीता बीते दो वर्षों से कुछ विदेशी संपर्कों के संपर्क में थी। साइबर विशेषज्ञ उसके मोबाइल, सोशल मीडिया चैट और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड की गहराई से जांच कर रहे हैं। कई डिलीट किए गए डेटा को पुन: प्राप्त करने के लिए फोरेंसिक साइंस लैब की मदद ली गई है, जो मामले की गंभीरता को दर्शाता है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि कहीं सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं को प्रभावित कर किसी संगठित 'लेडी स्लीपर सेल' नेटवर्क से जोड़ने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा था। संदिग्ध संपर्कों और मोबाइल नंबरों का मिलान राष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा डेटाबेस से कराया जा रहा है, साथ ही 100 से अधिक सोशल मीडिया प्रोफाइलों की भी जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी डिजिटल साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की मदद से इस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे का पता लगाया जा सके।

दिल्ली में नई ईवी नीति 2026 घोषित: 1 जुलाई से लागू, प्रदूषण घटाने पर केंद्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सोमवार को अपनी महत्वाकांक्षी नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2026 की घोषणा की है, जो 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होकर 31 मार्च, 2030 तक लागू रहेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद बताया कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छ परिवहन वाली राजधानी बनाना है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पूरे देश में ईवी पर सबसे अधिक सब्सिडी और अन्य सुविधाएं देने वाला राज्य है।

यह नीति अगले चार वर्षों में 7,000 करोड़ से अधिक का प्रत्यक्ष सरकारी निवेश आकर्षित करेगी, जबकि नागरिकों को कर छूट और ईवी अवसंरचना के माध्यम से लगभग 15,000 करोड़ का समग्र लाभ मिलेगा। नीति के तहत, सभी प्योर ईवी वाहनों पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट दी जाएगी। हालांकि, चार पहिया वाहनों के लिए यह छूट 30 लाख तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले वाहनों पर लागू होगी।

इस नीति में दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया और ग्रामीण सेवा वाहनों सहित छोटे व्यावसायिक वाहनों को शामिल किया गया है। परिवहन आयुक्त निहारिका राय ने बताया कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े स्तर पर विकसित किया जाएगा, जिसके पहले चरण में मुख्य मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। निजी तौर पर चार्जिंग सुविधा विकसित करने के लिए डिस्कॉम को भी प्रोत्साहित किया गया है। नीति के तहत, ईवी पर ली जाने वाली सब्सिडी का लाभ उठाने के बाद वाहन को तीन साल तक किसी अन्य राज्य में पंजीकृत नहीं कराया जा सकेगा। दिल्ली सरकार के मंत्रियों, मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद ने इस नीति को प्रदूषण कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि देश के बड़े विशेषज्ञों से राय लेकर तैयार किया गया है ताकि हर मुद्दे पर गंभीरता से काम हो सके। यह नीति दिल्ली को देश में ईवी अपनाने में अग्रणी राज्यों में से एक बनाने के सरकार के प्रयासों को और गति देगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सिब्बल की कविता से गरमाई सियासत

–'राम को लूटा, देश को लूटा' शीर्षक कविता से केंद्र सरकार पर साधा निशाना

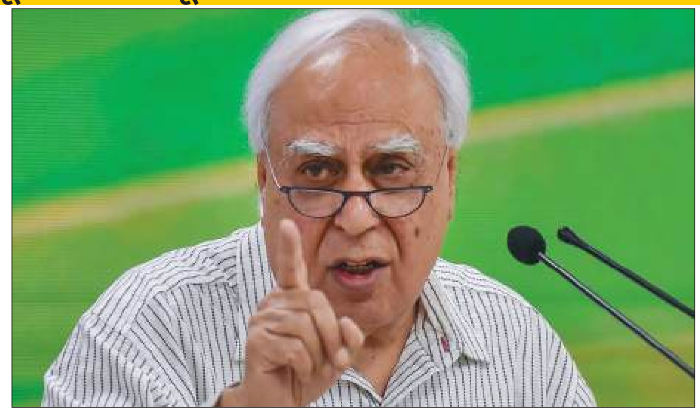

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक कविता साझा करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनकी टिप्पणी के बाद इस मुद्दे ने नया राजनीतिक रंग ले लिया है।

कपिल सिब्बल ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷राम को लूटा, देश को लूटा, अच्छे दिन का नारा झूठा। ऐसे शासन को तोड़ देंगे, मिलकर देश को जोड़ देंगे। न दिलों का होगा बंटवारा, सबका देश है देश हमारा।÷ उन्होंने कविता की शुरुआत ÷इस सरकार को सत्ता से बाहर करें÷ जैसे शब्दों से करते हुए सरकार की नीतियों और शासन व्यवस्था पर सवाल उठाए। सिब्बल की यह काव्यात्मक प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा जारी है। अपनी कविता के माध्यम से उन्होंने कथित भ्रष्टाचार, जवाबदेही और सामाजिक एकता जैसे मुद्दों को एक साथ जोड़ते हुए सरकार की आलोचना की। उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि देश में विभाजन की राजनीति के बजाय सामाजिक सद्भाव और एकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिब्बल की यह टिप्पणी केवल एक साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि विपक्ष की ओर से सरकार के खिलाफ एक व्यापक राजनीतिक संदेश भी है। उनकी कविता में 'अच्छे दिन' के नारे और शासन की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल उठाए गए हैं। इधर, राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच भी जारी है। पुलिस इस प्रकरण में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच एजेंसियों ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का बयान दर्ज किया है, जबकि आवश्यकता पड़ने पर ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है।

इस बीच, मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा है कि मामले पर निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार ही विचार किया जाएगा।

आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी: बेंगलुरु कोर्ट ने कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे को भेजा समन

–21 जुलाई, 2026 तक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे और युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपद को समन जारी कर दिया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप पाटिल ने इस आपराधिक मानहानि शिकायत पर संज्ञान लेकर माना कि दोनों नेताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 356 के तहत मामला चलाने के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। कोर्ट ने मामले को आपराधिक केस के रूप में दर्ज करने का आदेश देकर दोनों आरोपियों को 21 जुलाई, 2026 तक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। हालांकि, पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में अदालत ने राज्य के पूर्व मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ आगे की कार्रवाई बंद की है।

यह मामला बेंगलुरु निवासी आरएसएस कार्यकर्ता ए. तेजस द्वारा दायर की गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अक्टूबर 2025 में आरोपियों ने जानबूझकर आरएसएस और उसके सदस्यों को निशाना बनाकर सोशल मीडिया और मीडिया बयानों के जरिए संगठन की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया था। शिकायत के अनुसार, खड़गे ने मंत्री पद पर रहते हुए पत्र लिखकर आरएसएस को सरकारी खेल के मैदानों और शैक्षणिक संस्थानों का उपयोग करने से रोकने की मांग की थी, जिसे बाद में जानबूझकर मीडिया और सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। इसके अतिरिक्त, खड़गे द्वारा किए गए कुछ अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में संगठन के सदस्यों के खिलाफ अत्यधिक आपत्तिजनक और गरिमाहीन टिप्पणियां की गई थीं।

वहीं शिकायत में युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद के उस बयान का उल्लेख है, जिसमें उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान आरएसएस कार्यकर्ताओं पर अमर्यादित और अश्लील टिप्पणी की थी।

शिकायतकर्ता ने दलील दी कि ये सभी बयान पूरी तरह से झूठे, दुर्भावनापूर्ण और संगठन तथा उसके समर्थकों के सम्मान को ठेस पहुंचाने के इरादे से दिए गए थे। आरोपियों द्वारा अपने बयानों पर माफी न मांगने और उनके ऑनलाइन मौजूद रहने से संगठन की प्रतिष्ठा को लगातार नुकसान पहुंच रहा है, जिसके बाद अदालत ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है।

बिजली संकट: प्लांट ठप, 10 रुपये यूनिट के हिसाब से बिजली खरीद रही मान सरकार

लुधियाना (एजेंसी)। दशकों तक देश की हरित क्रांति में अग्रणी रहा पंजाब आज भीषण बिजली संकट से जूझ रहा है। गर्मियों के मौसम और धान की रोपाई के चरम पर पहुंचने के साथ ही राज्य की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सरकारी बिजली संयंत्रों की 6 इकाइयों के ठप होने से राज्य को नेशनल ग्रिड से 10 रुपये प्रति यूनिट तक की अत्यधिक महंगी बिजली खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस स्थिति ने किसान, उद्योग और आम जनता सभी को बेहाल कर दिया है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है।

इस गंभीर संकट का मुख्य कारण सरकारी थर्मल प्लांटों की छह इकाइयों में आई तकनीकी खराबी है, जिससे राज्य में तत्काल 1,800 मेगावाट बिजली की कमी हुई है। लेहरा मोहब्बत स्थित गुरु हरगोबिंद थर्मल प्लांट, जिसकी 920 मेगावाट क्षमता वाली चारों इकाइयां ठप पड़ी हैं, इस संकट का केंद्र बन गया है। यहां राख के अधिक जमाव और पुरानी तकनीकी कमियों को इसका जिम्मेदार माना जा रहा है। इसके अलावा, रोपड़ प्लांट की 30 साल से अधिक पुरानी इकाइयां भी अपनी तय उम्र पूरी कर चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समस्या वर्षों से रखरखाव और आधुनिकीकरण पर ध्यान न देने का परिणाम है, जिसने धीरे-धीरे राज्य को इस कगार पर ला खड़ा किया है।

मशीनी खराबी के साथ-साथ, मानवीय मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। बिजली निगम के लगभग 1,852 आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल ने मरम्मत और बहाली के कार्यों को धीमा किया है, जिससे संकट और गहरा गया। कृषि प्रधान पंजाब के लिए समय अत्यंत नाजुक है, क्योंकि धान की रोपाई के लिए निरंतर बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। कई जिलों में हो रही भारी कटौती से किसानों की फसल उत्पादन और आय पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। वहीं, उद्योग जगत भी महंगी और अनिश्चित बिजली आपूर्ति से परेशान है। बढ़ती उत्पादन लागत और पड़ोसी राज्यों के मुकाबले बिगड़ती औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के कारण पंजाब में नए निवेश आकर्षित करना मुश्किल हो गया है।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले एलजी सिन्हा ने की बाबा बर्फानी की पूजा

–3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से यात्रा होगी शुरू

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा में शामिल हुए। इस साल 3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को खत्म होगी। कुल 57 दिनों तक यह यात्रा चलेगी। अधिकारियों के मुताबिक 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से यात्रा रूट के लिए रवाना होगा।

प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी ज्यादातर तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर महागणेश टॉप के पास बर्फ हटाने का काम जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इसे अगले दो से तीन दिनों में काम पूरा कर लिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरनाथ यात्रा के लिए दो रुट हैं, पहला 41 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम रुट और दूसरा 7 किलोमीटर लंबा बालटाल रुट। पहलगाम रुट अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक रुट है। यहां से पवित्र गुफा तक पहुंचने में आमतौर पर 3 से 4 दिन लगते हैं। इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण के अनुकूल हो जाता है। साथ ही रास्ते में शेषनाग और पंचतरणी जैसे पौराणिक और धार्मिक महत्व वाले मंदिर के दर्शन भी होते हैं।

कैबिनेट फेरबदल की चर्चा के बीच पीएम मोदी की शीर्ष नौकरशाहों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट फेरबदल की तेज होती अटकलों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को विभागीय सचिवों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। इस महामंथन का मुख्य उद्देश्य नियमों में ढील, उदारीकरण और सुधारों को गति देना है, ताकि व्यापार करने में आसानी और जीवन जीने में आसानी के एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके।

यह दो माह से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी अहम बैठक होगी। पीएम मोदी सोमवार को सेशेल्स की आधिकारिक यात्रा समाप्त कर दिल्ली लौट रहे हैं, और मंगलवार को इस ब्रीफिंग में शामिल होने वाले है। इसके पहले 21 मई को उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए नियामक रोडमैप तैयार करने हेतु केंद्रीय मंत्रिपरिषद और केंद्रीय सचिवों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की थी।

बताया जा रहा है कि इस आगामी बैठक में उदारीकरण और सुधारों के अलावा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर खास ध्यान केंद्रित रहेगा। प्रत्येक सचिव को प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष अपनी प्रस्तुति के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा। उनसे पूछा जाएगा कि व्यापार और नागरिक जीवन को आसान बनाने के लिए उन्होंने उदारीकरण और सुधार एजेंडा लागू करने में क्या कदम उठाए हैं, आगे क्या कर सकते हैं और उनके क्या सुझाव हैं।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार केंद्र और राज्यों दोनों स्तरों पर विनियमन में ढील तथा सुधारों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इस दिशा में दो अहम समितियां कार्यरत हैं। इसमें से एक उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट सचिव और नीति आयोग सदस्य राजीव गाबा कर रहे हैं, जिसका गठन 19 अगस्त 2025 को किया गया था। यह समिति गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों, प्रमाणपत्रों, लाइसेंसों और अनुमतियों की समीक्षा कर एक आधुनिक और जनहितैषी नियामक ढांचा तैयार करने का काम कर रही है। दूसरी समिति, एक टास्क फोर्स है, जिसका नेतृत्व बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केके पाठक कर रहे हैं, जिसका गठन पिछले वर्ष हुआ था। कैबिनेट सचिवालय ने कुछ राज्यों में विनियमन सुधारों को बढ़ावा देने के लिए चयनित सचिवों की भी नियुक्ति की है।

बाइकों की आमने-सामने टक्कर, किसान समेत दो की मौत, एक की हालत नाजुक

कानपुर। कानपुर देहात में डेरापुर-रूरा मार्ग पर रविवार सुबह गलुवापुर गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में किसान समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। बलादीपुरवा गांव निवासी जयप्रकाश (60) पुत्र रूपलाल रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे बाइक से शाहजादेपुर (जालौन) से वापस लौट रहे थे। गलुवापुर गांव के पास आम के बाग के सामने उनकी बाइक की सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर बदनपुर गांव, थाना राजपुर निवासी चिंटू नायक (40) पुत्र रघुनाथ सिंह और जगदेव (23) पुत्र जगराम सिंह सवार थे, जो अपनी बहन के यहां से लौट रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी डेरापुर पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. वरुण द्विवेदी ने जयप्रकाश और चिंटू नायक को मृत घोषित कर दिया। घायल जगदेव की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार हादसे के समय किसी भी बाइक सवार ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। घटना के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। मृतक जयप्रकाश खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके दो बेटे हैं, जिनमें सरदार बीएसएफ में जवान हैं, जबकि शिवम खेती में उनका हाथ बंटाता है। हादसे की सूचना मिलते ही पत्नी फूलकली और बेटे शिवम का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। दो मौतों से गांव में भी मातम पसर गया है।

बाइक सवार को बचाने में खंभे से टकराई अनियंत्रित कार

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) परिसर में 21 जून को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। स्टाफ क्लब के पास बाइक सवार को बचाने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और स्टीयरिंग के सामने लगे एयरबैग भी खुल गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्टाफ क्लब के समीप अचानक सामने आए एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में चालक ने कार को मोड़ दिया। इसी दौरान कार का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

नेशनल अकाली दल के 30वें स्थापना दिवस पर भव्य सम्मान समारोह

51 विशिष्ट हस्तियों को मिला NAD देश रत्न अवार्ड 2026, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वालों का हुआ सम्मान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। नेशनल अकाली दल के 30वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आईटीओ स्थित उर्दू घर ऑडिटोरियम में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने की। इस अवसर पर समाज सेवा, चिकित्सा, शिक्षा, न्याय, व्यापार एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 51 विशिष्ट हस्तियों को देश रत्न अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आर. एन. कालरा, सीईओ एवं मेडिकल डायरेक्टर, कालरा हॉस्पिटल रहे। चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं आजीवन योगदान को सम्मानित करते हुए उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया। मुख्य अतिथियों में श्रीमती सुज़ैन आनंद सदस्य, भारतीय खाद्य निगम, भारत सरकार एवं पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ. आदित्य सिंह भाटी सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जन, अपोलो हॉस्पिटल, आचार्य जीतू सिंह सेलिब्रिटी वैदिक ज्योतिषी, मोहम्मद अली निज़ामी चेयरमैन, निज़ामी चैरिटेबल ट्रस्ट तथा फ्लास्क लेडी डॉ. उर्वशी मित्तल संस्थापक, द फ्लास्क क्लब, गुरचरण सिंह राजू प्रमुख समाजसेवी सहित अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय सचिव विक्रांत मोहन, महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष भावना धवन, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप सिंह मारवाह, सोशल विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रश्मीत कौर बिंद्रा तथा एजुकेशन विंग (दिल्ली प्रदेश) की अध्यक्ष रिदम चड्ढा द्वारा पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि नेशनल अकाली दल पिछले 30 वर्षों से बिना किसी राजनीतिक स्वार्थ के राष्ट्र और समाज की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि दल का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को सरकार एवं प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना तथा उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना है। परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि नेशनल अकाली दल ने समय-समय पर महंगाई, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, महिलाओं की सुरक्षा, बच्चों के स्कूलों में प्रवेश, ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती समस्या, व्यापारियों की समस्याओं, कानून-व्यवस्था तथा अन्य जनहित के मुद्दों पर लगातार आवाज बुलंद की है। भविष्य में भी दल समाज के प्रत्येक वर्ग के अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा। समारोह में बड़ी संख्या में समाजसेवी, चिकित्सक, अधिवक्ता, व्यापारी, शिक्षाविद्, उद्योगपति, विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नेशनल अकाली दल के 30 वर्षों की जनसेवा एवं सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए सम्मानित हस्तियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से , देवराज बावेजा अध्यक्ष, दिल्ली व्यापार महासंघ, राजेंद्र कपूर अध्यक्ष, ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, चंदर भूषण गुप्ता चेयरमैन, भोला राम मार्केट ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन, राकेश यादव अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन, विनय नारंग अध्यक्ष, एपीएमए ऑटोमोटिव पार्ट्स मर्चेंट्स एसोसिएशन, कश्मीरी गेट, दविंदर जैन महासचिव, फेडरेशन ऑफ दिल्ली ट्रेड एसोसिएशन्स, प्रवीण कुमार बॉबी प्रमुख समाजसेवी। दविंदर सिंह (काका) महासचिव, ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन तथा अरविंदर सिंह कोषाध्यक्ष, ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन सहित अनेक गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं।

NAME CHANGE
I SADHANA RANA W/O RANBIR SINGH RANA R/O 345/9-C, NAATAN PANA, MUNGESH PUR, PO : QUTABAGARH, DIST: NORTH WEST DELHI, DELHI-110039 HAVE CHANGED MY NAME TO SADHNA RANA

NAME CHANGE
I RAMESH S/O Khimman, R/O H.NO-188, Near Post Office, Gudadiya Mohalla Village Sabhapur, KARAWAL NAGAR, North East, Delhi - 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO RAMESH CHAND

NAME CHANGE
I, FAKRUDEEN S/o JUME KHAN, R/o Village UMRI, P.O. Nagina, District Nuh, Haryana-122108 have changed my name to FAKHRUDIN for all future purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as PUSHPA SINGHAL, W/o SHYAM PRAKASH SINGHAL, residing at House No. 139, Pocket-10, Sector-20, Rohini, Delhi-110086, have changed my name and shall hereafter be known as PUSHPA DEVI.

NAME CHANGE
I SHAHEEN BI D/o Jishan Ali Residence of E12/103A, Hauz Rani, Malviya nagar, Delhi 110017 Changing my name to SHAHEEN.

नाम परिवर्तन
मैं, कमल मित्तल, पुत्र खजांची लाल, निवासी A-1/152A, यू.जी. फ्लोर, हस्तसाल रोड, WZ-210, दाल मिल रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059, यह घोषणा करता हूँ कि मेरी नाबालिग पुत्री पूर्वांशी, आयु 16 वर्ष, की कक्षा 10वीं की अंकतालिका/प्रमाणपत्र में मेरा नाम कमल अंकित किया गया है, जबकि मेरा सही नाम कमल मित्तल है, जिसे तदनुसार संशोधित किया जाए।

नाम परिवर्तन
मैं, नीलम मित्तल (पिता/पति श्री कमल मित्तल), निवासी A-1/152A, त्र फ्लोर, हस्तसाल रोड, WZ-210, दाल मिल रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059, यह घोषणा करती हूँ कि मेरी नाबालिग बेटी पूर्वांशी (उम्र 16 साल) की 10वीं कक्षा की मार्कशीट/सर्टिफिकेट में मेरा नाम केवल नीलम लिखा गया है, जबकि मेरा सही नाम नीलम मित्तल है; जिसे तदनुसार संशोधित किया जाए।

PUBLIC NOTICE
My Client Devdutt Sharma Son of Late Sh. Sua Lal Sharma R/O H. No. Plot No. 51, Khasra No. 420, 2nd Floor, Village Roshanpura Extn., Najafgarh Delhi-110043, have severed all relations and disowned his son Neeraj Kumar Jangid & his wife Neha Jangid, from all his Movable/Immovable properties due to his misconduct and insulting in public and manhandling by his wife. My client shall not be responsible for their acts in the future.
S.K.SHARMA
Advocate
Chamber No. 431
Saket Courts Complex,
New Delhi-110017
Ph: 9871470393

NAME CHANGE
I, Sarjeet S/o medi R/o Village Dhana, House No-115, Dhana(138), Mewat, Haryana-122508 have changed my name to Sarjil for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Hameed s/o Dalpat R/o House No-131, Ferozepur Jhirka, Mewat, Haryana-122104 have changed my name to Hamid for all future purposes.

NAME CHANGE
I PRIYANKA KAIN w/o PAWAN KUMAR r/o 4/B BLOCK DDA FLATS, PRIYADARSHINI VIHAR, DELHI-110092. Have changed my name to PRIYANKA GAUTAM.

NAME CHANGE
I,PRAYAS S/O BIJENDER R/O H.NO-480, VPO BAHU AKBARPUR ROHTAK HARYANA 124001, CHANGED MY NAME TO PRAYAS BALHARA.

NAME CHANGE
I, NO-2611905M Rank-HAV Name-BAJI BABU TUMMA residing at H NO-4-292, VILL-YETRAVARIPALEM, PO+TEHSIL-KARLAPALM, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522111 have changed my mother's name from T JAYALAXMI to TUMMA JAYA LAXMI for all future purposes vide Affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public Delhi.

Name Declaration
I dheera w/o Sumit Kumar R/o LS 29, MALIBU TOWNE, NEAR MALIBU ARCADE, SECTOR-47, SOUTH CITY-2, GURGAON, HARYANA 122018 Hereby declare that my full name is Dheera Sharma , and I am known by this name

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHAMSHAD SON OF ABDUL HAMID R/O H NO.B-123, GALI NO-5, BHAGIRATHI VIHAR, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME MOHD SHAMSHAD ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHAKIR SON OF MOHAMMAD TAKIUDDIN R/O H NO.B-66, GALI NO-3, PH-2, BHAGIRATHI VIHAR, GOKAL PUR, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME MOHD SHAKIR ALL FUTURE PURPOSE AND HAVE CHANGED MY FATHER NAME MOHD TAKIUDDIN ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SAJID SON OF TAKIUDDIN R/O H NO.B-66, GALI NO-3, PHASE-2, MAIN 33 FUTA ROAD, BHAGIRATHI VIHAR, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME MOHD SAJID ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MOHD SAFI SON OF FAJLU RAHMAN R/O H NO.106, GALI NO-2, KARDAMPURI EXTN, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME MOHD SHAFI ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, AAISHA BEGUM W/O MOHD AFTAR R/O House No-825 HAVELI AZAM KHAN CHITLI QABAR JAMA MASJID DELHI - 110006 Have Changed My Name To AYESHA BEGUM Permanentlty.

NAME CHANGE
I, Mohammad Muazzan Khan / Mohammad Moazzam S/O Mohd Aslam Khan R/O House No-3619 3rd Floor Khan Manzil Netaji Subhash Marg Darya Gang Delhi-110002 Have Changed My Name To Mohd Muazzam Khan Permanently

NAME CHANGE
I, ZAHID MALIK S/O MOHAMMAD AABID residing at H NO-116/2, FIRST FLOOR, GALI NO-1, ARAM PARK, SHASTRI NAGAR, DELHI-110031 have changed my name to MD ZAHID MALIK for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MD ABID MALIK S/O MOHAMMAD EBRAHIM residing at H NO-116/2, FIRST FLOOR, GALI NO-1, ARAM PARK, SHASTRI NAGAR, DELHI-110031 have changed my name to MOHAMMAD AABID for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAHJAHAN BEGUM / SHAH JAHAN W/O MOHAMMAD AABID residing at H NO-116/2, FIRST FLOOR, GALI NO-1, ARAM PARK, SHASTRI NAGAR, DELHI-110031 have changed my name to SHAHJAHAN for all future purposes.

Date of Birth Change
I SHARADA SHRAVAN CHAUDHARI legally mother of Army no - 2806251N Rank - NK, Name - CHOUDHARI KIRAN SHRAVAN, Presently Residing At - DORHALE Post-KORHALE, Teh - RAHATA, Dist - AHILYANAGAR, Pin - 423 107, State-MAHARASHTRA have changed my name from, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/09/1959 instead of my correct date of birth as 09/09/1960 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change
I SHRAVAN MADHAV CHOUDHARI legally father of Army no - 2806251N Rank - NK, Name - CHOUDHARI KIRAN SHRAVAN, Presently Residing At - DORHALE Post-KORHALE, Teh - RAHATA, Dist - AHILYANAGAR, Pin - 423 107, State-MAHARASHTRA have changed my name from, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/09/1954 instead of my correct date of birth as 01/01/1953 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I ANURADHA legally mother of Army No-2807527L, RANK- HAV, NAME-JANWEKAR SHYAM BABANRAO, Presently Residing At 91, Adarsh Pragati Coloney, Post - Umred Road, District - Nagpur, Tehsil - Nagpur, State Maharashtra have changed my name ANURADHA to ANURADHA BABAN JANWEKAR for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 24/02/1950 instead of my correct date of birth as 15/02/1951 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SALEEM KHAN S/O SAMSUDDIN R/O MEENA NAGAR KOSI KALAN BARHANA DIST MATHURA UTTAR PRADESH 281403 have changed my name to SALIM Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as KRISHANA DEVI W/O KARAN SINGH R/O Gandhi Nagar, Bisokhar, Modinagar, Po: Modi Nagar, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 have changed my name and shall hereafter be known as KRISHNA DEVI.

NAME CHANGE
I, Name- NAVEEN KUMAR legal father of VERONIC PANGHAL R/O VILL-KAJI KA BASS, PO-KAJI, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333031, have changed my minor son's name from VERONIC PANGHAL to VARNIK PANGHAL for all future purposes vide affidavit dated 29/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I (SHAHEEN BI) D/o Jishan Ali Residence of E12/103A, Hauz Rani, Malviya nagar, Delhi 110017 Changing my name to SHAHEEN.

NAME CHANGE
I, NIRANJAN, S/O CHIRANJI LAL, R/O HOUSE NO-493,WARD NO-11, ROHATA PATTI, HODAL, PALWAL, HARYANA-121106, HAVE CHANGED MY NAME TO NIRANJAN CHAUDHARY FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SHASHI BALA / SHASHI BALA BHATI / SHASHI, W/O ISHWAR BHATI, R/O RZF-610, SANJAY GANDHI MARG, RAJ NAGAR PARY-2, PALAM COLONY, SOUTH WEST DELHI,DELHI-110077, HAVE CHANGED MY NAME TO SHASHI BHATI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I,Chebrolu Sreekanth S/o Ch V Durga Nageswara Rao R/o 1303, Tower 8, Near Gate 1, Lotus Boulevard Sector 100 Noida, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed the name of my minor son Venkata Sai Naga Lakshit Chebrolu aged 13 years and he shall hereafter be known as Lakshit Chebrolu.

NAME CHANGE
I hitherto known as Kallu S/O: Ayyub, R/O VTC: Nirdhna, PO: Khusropur, Sub District: Muzaffarnagar, District: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 251311, have changed my name and shall hereafter be known as SHAHNAZAR.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Raj Singh S/O: Kadam Singh, R/O 149, Biralsi, Biralsi, Biralasi, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 247772, have changed my name and shall hereafter be known as MAMRAJ.

NAME CHANGE
I, LUQMAN S/O MOHAR KHAN residing at H NO-212, WARD NO-4, HIDAYAT COLONY, NUH MEWAT, HARYANA-122107 have changed my name to LUKMAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaraj raj s/o raju Residence of RZ V-74 sec A, bhagwati vihar uttam nagar, Delhi 110059 Changing my name to SWARAJ MANIKOTHE PATTOKARAN

NAME CHANGE
I MOHAMMAD SOHAIL S/0 Mohammad Samim R/0 RZ-59/350 Jagdamba Vihar Gali No12 West Sagarpur Delhi 110046 Changed my name to MOHD SOHAIL

NAME CHANGE
I, KANISH PAL S/O UDAYVIR SINGH PAL R/O A-27/13 C, MATA MANDIR GALI NO-4, MAUJPUR, NORTH EAST DELHI, DELHI-110053, I have changed my name from KANISH PAL TO KARTIKEYA PAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I SITABAI legally mother of Army No. -JC461552X, Rank - Subedar, Name - Chavan Navnath Ramachandra, Presently Residing, At - Awarde Post- Awarde, Teh - PATAN Dist - SATARA, State-MAHARASHTRA, Pin - 415014 have changed my name from SITABAI to SITABAI RAMCHANDRA CHAVAN for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 08/01/1954 instead of my correct date of birth as 01/01/1942 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I NAFEESA W/O SALIM R/O MEENA NAGAR KOSI KALAN MATHURA UTTAR PRADESH 281403 have changed my name to NAFIYA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I BHIM SINGH S/O MADAN LAL TANWAR R/O 85 A /1 NEAR PRIMARY SCHOOL KHIZRABAD NEW FRIENDS COLONY DELHI 110025 have changed my name to BHIM SINGH TANWAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I MADAN LAL S/O TAK CHAND R/O 85 A /1 NEAR PRIMARY SCHOOL KHIZRABAD NEW FRIENDS COLONY DELHI 110025 have changed my name to MADAN LAL TANWAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, LAXMI NARYAN PANDEY mother of No-15414151K, Rank-HAV, Name-PANKAJ KUMAR PANDEY residing at VILL-KASHIYARI, PO-KONI, TEHSIL-JAWA, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486447 have changed my name from LAXMI NARYAN PANDEY to LAXMI NARYAN PANDEY for all future purposes vide Affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MEENU SINGH CHAUHAN W/O BALJEET SINGH CHAUHAN residing at H.NO-7/28, SECOND FLOOR, BACK SIDE, EAST PATEL NAGAR, CENTRAL DELHI, DELHI-110008 have changed my name to MEENU SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I KAPIL DEV W/O RAMESH CHANDER R/o 23 ADHCHINI NEW DELHI AUROBINDO MARG, MALVIYA NAGAR-110017 have changed my name to KAPIL MANN For all purposes.

NAME CHANGE
I sonia Rani w/o jitender khanna address: block b9 House no 5 & 6 double storey Ramesh nagar delhi 110015 have changed my name to Sonia khanna for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Ajay Prasher S/O DeshRaj R/O 38/A Old Roshan Pura Najafgarh South West Delhi, Delhi 110043 I, Have Changed My Name To Ajay Parashar

NAME CHANGE
I, AJAY SINGH CHAUHAN, S/O BANI SINGH, R/O H.NO-108,GALI NO-9, TILPAT VISTAR, SURYA VIHAR PHASE-1, AMARNAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121003, HAVE CHANGED MY NAME TO AJAY KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, RUCHI GOEL W/O SUNIL GOEL, R/O HOUSE NO-142, SECTOR-4,URBAN ESTATE, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO RUCHI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I,SUHANI GOEL D/O SUNIL GOEL, R/O HOUSE NO-142, SECTOR-4, URBAN ESTATE, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO SUHANI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, NASIM AHMAD ANSARI S/o NOOR MOHAMMAD R/o D-76, Band Gali, Nr. Saeedia Masjid, Chauhan Banger, Delhi-110053, have changed my name from NASIM AHMAD ANSARI to NASEEM AHMED permanently

NAME CHANGE
I, SUNITA GHABRU W/o Dhruv Dev Ghabru R/o Flat No.2, Kalyani Apartment, Plot No.31, Sector-4, Dwarka, Delhi-110078, have changed my name to SUNITA KUMARI GHABRU permanently.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Ballu Kushwaha S/O Manik Lal Kushawaha, R/O 301/1, Masiha ganj, Jhansi, Uttar Pradesh - 284003, have changed my name and shall hereafter be known as MOHAN KUSHWAHA.

NAME CHANGE
I KU ANJANA MISRA W/O VIPIN KUMAR R/O K1/153 PEEPAL WALA ROAD NEAR VAISHNO DEVI MANDIR,MOHAN GARDEN UTTAM NAGAR DELHI 110059 have changed my name to ANJANA SHUKLA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I JAI KISHAN S/O SHANTI LAL VERMA R/O, D-1- 36 , MANSHA RAM PARK UTTAM NAGAR DELHI - 110059 have changed my name to JAI KISHAN VERMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, Sanna D/O Devendra Singh R/O H.No-99A G T Road, Bonjha Navyug Market, Ghaziabad, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001, have changed my name and shall hereafter be known as Sanna Singh

NAME CHANGE
I DEEPAK SINGH BHADOURIA S/0 Gopal Singh Bhadouria R/0 L.I.G Flat No 675 Second Floor Sanjay Enclave Adarsh Nagar Delhi 110033 Changed my name to DEEPAK SINGH

NAME CHANGE
I DINESH SINGH RAGHAV S/O RAJVEER SINGH RAGHAV R/O PLOT NO 262-A/1KH NO .18/14 VILLAGE BEGAMPUR CITY DELHI-110086 have changed my name to DINESH RAGHAV Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SAQIB S/O MOHD SHAFI residing at H NO-5323, GALI YAQOOB WALI, KUCHA REHMAN, CHANDNI CHOWK, DELHI-110006 have changed my name to MOHD SAQIB for all future purpose.

NAME CHANGE
I, AYESHA W/O MOHD SAQIB residing at H NO-5323, GALI YAQOOB WALI, KUCHA REHMAN, CHANDNI CHOWK, DELHI-110006 have changed my name to AYSHA HUSSAIN for all future purpose.

Lost & Found
I, Pradeep Nagaraj S/O K N Nagaraj R/O J1404 Aditya Celebrity Homes Sector -76 Noida Uttar Pradesh, have Lost my original House Sale Deed of our house 19 & 20, 7th Cross Malleswaram, Bangalore. A complaint in this regard has been registered, L.R .No. 20260000631065. If found request to return the same to the above mentioned address

NAME CHANGE
I DILRAJ legally father of Army no - 17013788A Rank - NK, Name - CHAUDHARI RAMESHWAR DILRAJ, Presently Residing At - KHADAKDEVA.BU Post- KHADAKDEVA.BU, Teh - PACHORA, Dist - JALGAON, Pin - 424201 State- MAHARASHTRA have changed my name DILRAJ to DILRAJ PANDURANG TELI for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1957 instead of my correct date of birth as 01/06/1953 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I UMA CHAUDHARY legally wife of Army no -17013788A Rank - NK, Name - CHAUDHARI RAMESHWAR DILRAJ, Presently Residing At - KHADAKDEVA.BU Post- KHADAKDEVA.BU, Teh - PACHORA, Dist - JALGAON, Pin - 424201 State- MAHARASHTRA have changed my name UMA CHAUDHARY to UMA RAMESHWAR CHAUDHARI for all future purposes, Vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi .

NAME CHANGE
I NIRMALA legally mother of Army no - 17013788A Rank - NK, Name - CHAUDHARI RAMESHWAR DILRAJ, Presently Residing At - KHADAKDEVA.BU Post- KHADAKDEVA.BU, Teh - PACHORA, Dist - JALGAON, Pin - 424201 State- MAHARASHTRA have changed my name NIRMALA to NIRMALABAI DILRAJ TELI for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/06/1969 instead of my correct date of birth as 01/01/1968 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I AATIFA W/O MOHD FARHAN JUMLANA R/O 2114 GALI QASIMJAN AHATA KALEY SAHIB , have changed my name to ATIFA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MAHI NIGAR W/O SHAHID ALI Residing at HOUSE NO E-74 E-BLOCK NEW SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to MAHE NIGAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Mohd Jubair S/O Nanhe Ansari R/O D-40 Masjid Parewali Ambedkar Colony Chattarpur South Delhi, Delhi 110074 I, Have Changed My Name To Juber Ansari

NAME CHANGE
I, RAHUL S/O CHHOTEY LAL SAGAR Residing at HOUSE NO 237 STREET NO-11 PHASE-09 SHIV VIHAR KARAWAL NAGAR North East Delhi 110094 have changed my name to RAHUL SAGAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHAHID MOHD S/O KAISHER ALI Residing at HOUSE NO E-74 E-BLOCK NEW SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to SHAHID ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I SANJU SHARMA W/O SANJAY KUMAR SHARMA R/O 158, Sarbhama, Chhatari, Sarbhanna, Sarbhanna, Po: Sahar, Dist: Bulandshahr, Uttar Preadesh-202397 have change the name of my minor son ANMOL SHARMA aged 16 years and he shall hereafter be known as ANSH KUMAR SHARMA.

NAME CHANGE
I, Sharad Kumar S/o Jagdish Narain Sharma R/o G-904, Aditya Celebrity Homes, Sector-76, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201301, have changed the name of my minor Son Anay Sanadhya aged 12 years and he shall hereafter be known as Adyant Sharma. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Tilak Raj Parjapati S/o Ram Deen Prajapati R/o B-835, Radha Ballabh Public School, Sadarpur Colony, Sector-45, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh (201301), have changed my name and shall hereafter be known as Tilak Raj Prajapati. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Saurav S/o. Ram Avtar Sharma R/o. H. No-1/3484, Street No-6, Ram Nagar Extension, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Saurav Sharma for all future purposes

NAME CHANGE
I Ravi Yadav S/o Raj Singh Yadav R/o House No.163, Ahir Mohalla, Post Office Wali Gali, Near Post Office, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041That I have changed the name of my minor son aged 4 years from Dravish Yadav to Dravish Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Vikas Vishvkarma s/o Sudarshan Vishwakarma R/o A-70, Dass Garden, Baprola, West Delhi-110043 have changed my name to Vikas Vishwakarma for all future purposes

NAME CHANGE
I, Veena Khanna w/o Rakesh Kumar R/o 3047/D, Ranjeet Nagar, New Delhi-110008 have changed my name to Sangeeta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAHNAZ FATMA W/o Ali Hasan R/o H.No.G-261, Gali NO.13/5, Bhagirathi Vihar, Delhi-110094, have changed my name from SHAHNAZ FATMA to SHEHNAZ FATMA permanently.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ABBAS S/o Ali Hasan R/o H.No.G-261, Gali NO.13/5, Bhagirathi Vihar, Delhi-110094, have changed my name from MOHAMMAD ABBAS to MD ABBAS permanently.

NAME CHANGE
I, SANJEEV S/o Kamlesh Prasad R/o Plot No.94, 2nd Floor, Block-E, Village Hastsal, Om Vihar, Phase-5, Uttam Nagar, D.K Mohan Garden, Delhi-110059, have changed my name from SANJEEV to SANJEEV KUMAR permanently

NAME CHANGE
I Akhilesh S/o Subhash Chandra Sachan, R/O H No - D-196/A, Block D, Gali No 10, Near Shiv Mandir , Ext 2, Nangloi, West Delhi, Delhi 110041 have changed my name to Akhilesh Kumar Sachan for all future purpose.

NAME CHANGE
I sonia Rani w/o jitender khanna address: block b9 House no 5 & 6 double storey Ramesh nagar delhi 110015 have changed my name to Sonia khanna for all future purpose.

NAME CHANGE
I Rashi Gupta D/O Shyam Pal Gupta, R/O H No- D-196/A, Block D, Gali No 10, Ext 2, Nangloi, West Delhi, Delhi 110041 have changed my name to Rashi Gupta Sachan for all future purpose.

NAME CHANGE
I Virean, S/O , R/O A-277, Dwarkadish Enclave, Sector-26, Rohini, Sector-7, Delhi-110085 have changed my name to Virean Chauhan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD AFZAAL SON OF : MOHD IRFAN ADDRESS : A-138,BLOCK-A, OLD SEEMAPURI, SHAHDARA, DELHI 110095, have changed my name to MOHD AFZAAL.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD IRFAN SON OF : ABDUL GAFUR ADDRESS : A-138,BLOCK-A, OLD SEEMAPURI, SHAHDARA, DELHI 110095, have changed my name to MOHD IRFAN.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD QASIM SON OF : MOHAMMAD ISMAIL ADDRESS : HOUSE NO.A-259, OLD SEEMAPURI, SHAHDARA, DELHI 110095, have changed my name to MOHD QASIM MALIK.

NAME CHANGE
I ANURADHA legally mother of Army No-2807527L, RANK- HAV, NAME-JANWEKAR SHYAM BABANRAO, Presently Residing At 91, Adarsh Pragati Coloney, Post - Umred Road, District - Nagpur, Tehsil - Nagpur, State Maharashtra have changed my name ANURADHA to ANURADHA BABAN JANWEKAR for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 24/02/1950 instead of my correct date of birth as 15/02/1951 vide affidavit dated 29/06/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Munni Devi W/o Late Ramesh Chander is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-Up Property Bearing no. 62, Land area measuring 75 Sq. Yards, Out of Khasra No. 38/6/1, 6/4, 7, 14 TO 17, 24 and 25, Situated in the area of Village Nangloi Jat, Delhi and Colony Known as Yadav Park, in Block-B, Nangloi, Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Relinquishment Deed dated 11.05.2026, Vide Doc No. 2026/6/I/3719, Book No. 1, Vol No. 7210, Page No. 51-72, on dated 11.05.2026 at SR-West Punjabi Bagh., in the chain documents below mentioned document not available i.e., (1) SMC of late Mr. Hazara Singh., (2) Death Certificate & SMC of late Ramesh Chander & (3) SMC of Late Mr. Harish Chander Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mrs. Shashi Sharma and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Narela New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Mrs. Maya Devi is the owner of House no. I-15/1394-A area measuring 45.98 sq. mtrs., out of Khasra No.1596, I-Block & Gali no.15, situated at Unauthorized Colony Sangam Vihar New Delhi. Initially, Mr. Vijay Pal Bhadana was the recorded owner of entire property falls under Khasra No. 1596. who executed Regd. GPA dated 24.05.2002 in favour of Mr. Suresh Chand in respect of the said property. Who executed GPA dated 18.04.2011 in favour of Mrs. Maya Devi in respect of the said property That Conveyance Deed (PM Uday Cell) dated 24.08.2022 executed by POI in favour of Mrs. Maya Devi in respect of the said property, duly Regd. Document No. 7978, in Book No.1, Volume No. 4853, Pages No. 8-15, on this dated 30.08.2022, SRO- V (A) Hauz Khas Delhi. Now our above mentioned clients intends to mortgage the said immovable property for his bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 29/6/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Ved Prakash (75% Share)** and 2) Smt. Anju (25% Share) is the owner of Property bearing Municipal No. XVI/10993, built upon Plot of Land bearing No.205, measuring about 62 Sq. Yds., in Block 5-A, Khasra No.4584/1818, situated at Basti Reghar, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi-110005 vide Sale Deed dated 05.01.2026 which is registered as Doc no. 2026/24/I/141, Book no. 1, Volume no. 23168, Pages no. 37-72, dated 06.01.2026,SRO- Central Asaf Ali. (III) and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
My clients Rakesh Mishra and his wife Smt Kushum Mishra both R/o H.No. D`-226, Gali No.6, Om Nagar, Meethapur Extn, Jaitpur, Delhi-110044 has disowned/debarred their son namely Anuj Mishra and daughter in law Srishti Dixit from all their moveable/immovable properties/assets and severed all their relations with them due to their misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with them in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My clients shall not responsible for any kind of acts done by their daughter in law and son.
MOHD TAHIR QIDWAI
Advocate
Chamber: 484, Lawyer Block,
Saket Court, New Delhi-110017

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अमित कुमार चौहान एवं श्री भोज राज चौहान संयुक्त रूप से तृतीय तल के फ्रंट राइट साइड भाग, प्राइवेट नं. D-2, एल-कॉर्नर, छत के अधिकार सहित, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, जो प्लॉट नं. 146, खसरा नं. 105/27/1/1 का भाग है, स्थित ग्राम बुराड़ी, दिल्ली, आबादी के नाम से प्रसिद्ध गली नं. 116, बी-ब्लॉक, संत नगर, बुराड़ी, दिल्ली-110084 के संयुक्त स्वामी हैं, उक्त संपत्ति उन्होंने दिनांक 23.05.2026 की विक्रय विलेख के माध्यम से, जो श्री नरेश कुमार एवं श्री हिमांशु गोयल द्वारा निष्पादित की गई थी, उप-पंजीयक कार्यालय (SRO-I), कश्मीरी गेट, दिल्ली में दस्तावेज संख्या 2026/19/I/6370, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 13788, पृष्ठ संख्या 101 से 120, दिनांक 23.05.2026 को विधिवत पंजीकृत कराकर प्राप्त की, तत्पश्चात, दिनांक 25.06.2026 को शुद्धिकरण विलेख निष्पादित एवं SRO-I, दिल्ली में दस्तावेज संख्या 2026/19/I/8063, बुक-I, वॉल्यूम संख्या 13948, पृष्ठ संख्या 165 से 172 पर पंजीकृत कराया गया, जिसके माध्यम से भुगतान संबंधी विवरण एवं प्लॉट संख्या में आवश्यक संशोधन किया गया, उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, मुकदमे, बंधक, ऋणभार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, कुर्की, अधिग्रहण अथवा किसी भी तृतीय पक्ष के अधिकार, हित या दावे से पूर्णत: मुक्त है, यह भी सूचित किया जाता है कि संपत्ति के स्वामी उक्त संपत्ति के विरुद्ध बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गुड़गांव शाखा, सुभाष नगर, दिल्ली से गृह ऋण प्राप्त करना चाहते हैं, यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था अथवा किसी अन्य प्राधिकारी को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, दावा, हित, बंधक, ऋणभार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, आपत्ति अथवा अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में आवश्यक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के निम्नलिखित पते पर पंजीकृत डाक एवं ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें, निर्धारित अवधि के भीतर यदि कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार, दावा या आपत्ति नहीं है तथा तत्पश्चात प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति अथवा दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मोबाइल की लत छुड़ा कर बच्चों को निपुण बना रहा शिक्षा विभाग का पेरेंट एप

एजेंसी

जींद। आधुनिक दौर में जहां स्मार्टफोन और मोबाइल की लत बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है, वहीं हरियाणा शिक्षा विभाग ने इस चुनौती को एक बड़े अवसर में बदल दिया है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़े रखने और उन्हें खेल-खेल में सिखाने के लिए शुरू किया गया निपुण पेरेंट एप प्रदेशभर में मील का पत्थर साबित हो रहा है। इस एप के माध्यम से प्राथमिक कक्षाओं के बच्चे न केवल तकनीकी का सही उपयोग सीख रहे है, बल्कि अपने माता-पिता के कार्यों में हाथ बंटाते हुए व्यावहारिक जीवन का ज्ञान भी हासिल कर रहे हैं। शिक्षा विभाग की इस अनूठी पहल से अभिभावकों के चेहरे पर खुशी साफ देखी जा सकती है। जिला समन्वयक (एफएलएन) राजेश वशिष्ठ ने बताया कि शिक्षा विभाग ने विशेष रूप से कक्षा दूसरी और तीसरी के छात्र-छात्राओं के लिए निपुण पेरेंट एप को लागू किया है। इस ऐप को तैयार करने के पीछे मुख्य उद्देश्य बच्चों को स्वयं करके सीखने के लिए प्रेरित करना है। इसके साथ ही बच्चों को किताबी ज्ञान से बाहर निकाल कर दैनिक जीवन की व्यावहारिक जानकारियों से अवगत करवाना है।

फर्जी सिम और खातों से साइबर ठगी करने वाला आरोपित गिरफ्तार

पलवल। साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पलवल पुलिस की साइबर अपराध थाना टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए फर्जी सिम और बैंक खातों के माध्यम से ऑनलाइन ठगी करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से दो फर्जी सिम कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस मामले में ठगी के नेटवर्क और अन्य आरोपितों की भूमिका की जांच कर रही है। साइबर अपराध थाना प्रभारी नवीन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य सिपाही निखिल कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए हथीन बाईपास क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि गांव चिल्ली निवासी जाफरान फर्जी सिम और खातों का इस्तेमाल कर गाय, पेपर और वाहन बेचने के नाम पर लोगों से ऑनलाइन ठगी करता है वह केएमपी पुल के पास मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसमें दो फर्जी सिम कार्ड मिले। जांच में पता चला कि एक सिम मध्य प्रदेश की महिला और दूसरी नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका निवासी व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत है।

चार नशा तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए जिले क्षेत्र से चार तस्करों को गिरफ्तार कर चूरापोस्त व हेरोइन बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी कमलेश, गुरलाल सिंह, विष्णु व भीमा सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सीआईए डबवाली पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव अहमदपुर दारेवाला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक व्यक्ति प्लास्टिक का थैला लेकर आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे रोका और तलाशी ली तो उसके कब्जे से साढ़े सात किलोग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान कमलेश के रूप में हुई। इसके अलावा पुलिस ने गांव केवल क्षेत्र से आरोपी गुरलाल सिंह को दो किलोग्राम चूरापोस्त सहित दबोचा है। सीआईए डबवाली पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर गांव पन्नीवाला मोरिका से एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को काबू कर उसके कब्जे से सात ग्राम हेरोइन बरामद की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान विष्णु के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे भीमा सिंह ने हेरोइन सप्लाई की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सप्लायर भीमा सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अनियंत्रित मोटरसाइकिल नहर में गिरा, एक की मौत, दूसरा सुरक्षित बाहर निकाला

सिरसा। जिले के डबवाली उपमंडल क्षेत्र में बाइक सवार दो युवक भाखड़ा मेन ब्रांच नहर में गिर गए, जिससे एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। मृतक युवक की पहचान गांव राजपुरा माजरा निवासी मनीष के रूप में हुई है। शव का गांव के श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। गांव राजपुरा निवासी मनीष व विनोद कुमार शनिवार रात को निकटवर्ती राजस्थान के संगरिया कस्बे में दिहाड़ी मजदूरी करने के बाद मोटरसाइकिल पर घर लौट रहे थे। गांव अबूबशहर के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर भाखड़ा मेन ब्रांच नहर में गिर गया। विनोद कुमार किसी तरह नहर से बाहर निकलने में सफल रहा। बाहर आने के बाद उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और विनोद की जानकारी के आधार पर मनीष की नहर में तलाश शुरू की गई, लेकिन मनीष का कोई पता नहीं चल पाया। रातभर ग्रामीण मनीष की तलाश करते रहे, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह गोताखोरों को मदद ली गई। तलाशी अभियान के दौरान गोताखोर मनीष को ढूंढने में कामयाब रहे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। गोताखोरों ने मोटरसाइकिल को भी बाहर निकाल लिया है।

भाजपा सरकार बनेगी उसी दिन नशा बेचने वाले पंजाब छोड़कर चले जाएगें : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज पंजाब में सबसे बड़ा संकट बढ़ता नशा है। नशे से अनेक घर बर्बाद और माताओं की गोद सूनी हो गई। जो युवा देश की सबसे बड़ी ताकत होता है, वह आज नशे की गिरफ्त में फंसता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनेगी उसी दिन से नशा बेचने वाले पंजाब छोड़कर चले जाएगें। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लुधियाना में धानक समाज द्वारा संत कबीर के 628वें प्रकट दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लुधियाना में संत कबीर भवन बनाने का ऐलान करते हुए 11 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के चरणों में कोटि-कोटि नमन करते हुए उनके प्रकट दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जब हमारा समाज अंधविश्वास, पाखंड, छुआछूत और रूढ़िवादिता के गहरे अंधकार में डूबा हुआ था। ऐसे में संत कबीर महाराज का जन्म ज्योति

स्वरूप हुआ जिन्होंने अपनी ओजस्वी वाणी से पूरे समाज को नई राह दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर दास समरसता, बराबरी, इन्सानियत के संदेश को घर घर पहुंचाने वाली मुहिम है। वह भारत की रूह और बड़े समाज सुधारक हुए हैं जिन्होंने समाज को जोड़ने का रास्ता और इन्सानियत का मंत्र दिया है। उनका जीवन सत्य की खोज और असत्य के निर्भिक खंडन में व्यतीत हुआ और उन्होंने सभी धर्मों की कुरीतियों और रूढियों पर कड़ा प्रहार किया। उनके क्रांतिकारी विचार आज भी समाज के मार्गदर्शक है। गुरू ग्रन्थ साहिब में भी संत कबीर की वाणी को सम्मान दिया गया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार संत कबीर की वाणी को साकार करने का कार्य कर रही है। हर जिला स्तर पर संत प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत कबीर का दिया हुआ समूचे कल्याण, बराबरी का संदेश तथा अंतिम व्यक्ति के विकास का मंत्र पं. दीन दयाल उपाध्याय ने अपनाया। भाजपा उसे आगे बढाने का कार्य कर रही है। हरियाणा में कांग्रेस कार्यकाल में प्लाट के नाम पर मिले केवल कागज को वर्तमान सरकार ने 20 हजार गरीब लोगों को कब्जा दिलवाने का काम किया है। इसके अलावा जो परिवार रह गए उन्हें 100-100 वर्ग गज के प्लाट देकर प्रधानमंत्री आवास योजना से जोड़कर उनके पक्के मकान बनाने का कार्य किया है। शहरी क्षेत्रों में गरीब लोगों को 30-30 वर्ग गज के प्लाट तथा सोनीपत, गुरूग्राम, फरीदाबाद में 7200 से अधिक फ्लेट दिए गए हैं। इसके अलावा लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपए, महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने के अलावा लोगों को आयुष्मान चिरायु योजना का लाभ दिया गया है।

बेटियों की शिक्षा में दूरी या संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बननी चाहिए: मनोहर लाल

एजेंसी

पानीपत। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने पानीपत के गांव नौलथा में आयोजित एक कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों की 276 जरूरतमंद और मेधावी छात्राओं को स्कूल आने-जाने की सुविधा के लिए साइकिलें वितरित कीं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तीन नए स्किल डेवलपमेंट सेंटरों का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बेटियों की शिक्षा में दूरी या संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में इससे पहले भी 500 साइकिलें वितरित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा होने के बाद भी ग्रामीण अंचल की कोई भी बेटी या गरीब परिवार की बच्ची ऐसी बचती है जिसे स्कूल जाने के लिए साइकिल की अति आवश्यकता है, तो उसे भी समाज और सरकार के सहयोग से साइकिल मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यही है कि किसी भी गरीब बच्चे की उच्च शिक्षा में कोई रुकावट न आए। ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नौलथा गांव में तीन महत्वपूर्ण स्किल (कौशल) सेंटरों का उद्घाटन किया। इन सेंटरों में एक सिलाई सेंटर, एक ब्यूटी पार्लर सेंटर और एक आधुनिक कंप्यूटर सेंटर शामिल है। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों के खुलने से गांव की बेटियों और युवाओं को घर के पास ही तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण मिल सकेगा, जिससे वे खुद का रोजगार शुरू कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी। उन्होंने बताया कि शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए गांवों में आधुनिक लाइब्रेरी भी बनाई गई हैं और कंप्यूटर सेंटर खोले जा रहे हैं।

मोदी सरकार ने ओबीसी वर्ग के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं : डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के स्वागत में पानीपत स्थित रोड भवन धर्मशाला में पिछड़ा वर्ग समाज की ओर से प्रदेश स्तरीय भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए समाज के प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान एवं भव्य स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने पिछड़ा वर्ग समाज के सभी लोगों का आभार जताया।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा, उत्तर प्रदेश से मंत्री नरेंद्र कश्यप, पूर्व जिला अध्यक्ष बैकवर्ड समाज गंगा राम स्वामी, आयोजक रफल कश्यप आदि उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने, नई पीढ़ी को प्रेरित करने और संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति राष्ट्र के विकास और खुशहाली की पहली सीढ़ी है। जब एक समाज प्रगति करता है, तो वह केवल आर्थिक रूप से नहीं, बल्कि वैचारिक और सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध

बनता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चलते हुए हर वर्ग के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। भारत आज वैश्विक मंच पर पहले से कहीं अधिक मजबूत और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है, आधारभूत ढांचे का अभूतपूर्व विकास हुआ है और गरीब, किसान, युवा, महिलाओं तथा पिछड़े वर्ग के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की है जिनका लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिल रहा है। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार ने ओबीसी वर्ग के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वरोजगार, कौशल विकास, वित्तीय सहायता और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

नारनौल में विधायक ने पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

एजेंसी

नारनौल। जिले में राष्ट्रव्यापी सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। सामान्य अस्पताल परिसर में विधायक ओमप्रकाश यादव ने बच्चों को 'दो बूंद जिंदगी की' पिलाकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की खुराक पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस गंभीर बीमारी की चपेट में न आए।

विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि भारत वर्ष 2014 से पोलियो मुक्त घोषित हो चुका है, लेकिन पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में देश में संक्रमण का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक भी बच्चा छूटने पर बीमारी दोबारा फैलने का खतरा बना रहता है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार और उप सिविल सर्जन डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि पोलियो एक वायरस जनित बीमारी है, जिससे बचाव का

सबसे प्रभावी उपाय बार-बार पोलियो की दवा पिलाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी बच्चे को पहले भी पोलियो की खुराक मिल चुकी है, तब भी अभियान के दौरान दोबारा दवा पिलाना आवश्यक है। इससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और सुरक्षा चक्र बना रहता है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवकों और आमजन से अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने की अपील की। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा में भी सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान को गति दी और अभिभावकों से अपने सभी पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाने का आग्रह किया। इस दौरान डॉ. हर्ष चौहान, डॉ. दिनेश कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

समाज को सकारात्मक दिशा वाला मंच बना 'मन की बात' कार्यक्रम : डॉ. आशा खेदड़

एजेंसी

हिसार। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला प्रेरणादायी मंच बन चुका है। यह कार्यक्रम देशवासियों को जनभागीदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार, स्वच्छता, आत्मनिर्भर भारत तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर जागरूक करता है। डॉ. आशा खेदड़ हिसार विधानसभा के सिटी मंडल बूथ 91 पर कार्यकर्ताओं व नागरिकों के साथ यह कार्यक्रम सुनने उपरांत बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक

पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन समाज के प्रत्येक वर्ग तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओंऔर सकारात्मक संदेशों को पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और इसमें पार्टी कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका है।जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि सिटी मंडल में जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में घनश्याम गोयल के आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम सुना गया। उन्होंने बताया की पूरे जिले में बूथ स्तर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मन की बात' कार्यक्रम का सुना। जिले के विभिन्न मंडलों और बूथों पर आयोजित कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रधानमंत्री के विचारों से प्रेरणा प्राप्त की।

इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा राजेन्द्र सपड़ा, नवीन कुमार, राकेश चोपड़ा, रंजीव राजपाल, नरेश कुमार, निर्मल गावड़िया, विजय गावड़िया, मुकेश गोयल, राजेश गोयल, पवन बिश्नोई सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर चलते ट्रक में लगी भीषण आग

एजेंसी

गुरुग्राम। गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर सेक्टर-66 स्थित आईएफसी बिल्डिंग के सामने देर रात सामान से लदे एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा ट्रक आग के गोले में तब्दील हो गया। घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद ट्रैफिक सामान्य हो सका। जानकारी के अनुसार ट्रक सामान लेकर गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से फरीदाबाद की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक सेक्टर-66 में आईएफसी बिल्डिंग के सामने पहुंचा, उसके केबिन और पिछले हिस्से से अचानक काला धुआं निकलने लगा। पीछे चल रहे वाहन चालकों ने लगातार हर्न बजाकर ट्रक चालक को इसकी सूचना दी। चालक ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रक को रोक दिया। ट्रक के रुकते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। खतरे को भांपते हुए चालक तुरंत ट्रक से बाहर निकल गया। चालक के सुरक्षित बाहर आते ही पूरा ट्रक आग की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग की लपटें कई मीटर ऊंचाई तक पहुंच रही थीं, जबकि आसमान में काले धुएं का घना गुबार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जज महाबीर सिंह सिंधु पंच तत्व में विलीन

एजेंसी

हांसी। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश जस्टिस महाबीर सिंह सिंधु का गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में देहांत हो गया। वह 59 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से गंभीर रूप से अस्वस्थ चल रहे थे। हाई कोर्ट प्रशासन की ओर से साझा की गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक उन्होंने तड़के दो बजकर 50 मिनट पर अपनी अंतिम सांस ली। जस्टिस सिंधु के इस आकस्मिक निधन की सूचना मिलते ही कानूनी गलियारे, बार काउंसिल और न्यायाधीशों व वकीलों के बीच शोक की लहर दौड़ गई। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव मसूदपुर में राजकीय सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। जस्टिस महाबीर सिंह सिंधु के बेटे समृद्ध सिंधु ने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस अवसर पर हरियाणा एवं पंजाब उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों तथा सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सदस्यों ने शव यात्रा में शिरकत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी। गांव से उच्च न्यायालय तक का गौरवमयी सफर

जस्टिस महाबीर सिंह सिंधु का जीवन संघर्ष और काबिलियत की एक अनूठी मिसाल रहा है। उनका जन्म 4 अप्रैल 1967 को हरियाणा के हांसी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण इलाके मसूदपुर में हुआ था। वह अपने पूरे कुनबे में वकालत के पेशे में कदम रखने वाले पहली पीढ़ी के सदस्य (फर्स्ट जनरेशन लॉयर) थे, यानी उनसे पहले परिवार में कोई भी कानूनी पृष्ठभूमि से नहीं जुड़ा था। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई अपने ही गांव के सरकारी हाई स्कूल से पूरी की। ग्रामीण परिवेश से निकलकर उन्होंने उच्च शिक्षा की तरफ रुख किया और साल 1992 में चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री हासिल की थी। डिग्री हासिल करने के बाद उन्होंने वर्ष 1992 में ही बार काउंसिल में एक वकील के तौर पर खुद को रजिस्टर्ड कराया। इसके तुरंत बाद उन्होंने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में वकालत शुरू की, जहां उन्होंने मुख्य रूप से दीवानी, आपराधिक और संवैधानिक मामलों में अपनी गहरी कानूनी समझ का लोहा मनवाया। हाईकोर्ट के सीटिंग जज सहित कई राजनेताओं ने की अंतिम संस्कार में शिरकत जज महाबीर सिंह सिंधु की अंतिम यात्रा में पीडब्ल्यूडी मंत्री रणवीर सिंह गंगवा, विधायक विनोद भयाना, डीसी राहुल नरवाल, एसपी विनोद कुमार, एसडीएम राजेश खोथ सहित हांसी कोर्ट, सैशन कोर्ट हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने पार्थिव शरीर को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

चानौत में हुई महापंचायत ने सरकार को दिया अल्टीमेटम

एजेंसी

हांसी। भाखड़ा पेयजल पाइपलाइन में टी लगाकर पानी की मांग पर चानौत गांव में चल रहे धरने के 44वें दिन रविवार गांव में महापंचायत का आयोजन किया गया। धरना स्थल पर आयोजित महापंचायत में भादरा से पूर्व विधायक बलवान सिंह पूनिया और पूर्व मंत्री छत्रपाल सिंह अपने समर्थकों सहित चानौत धरने पर समर्थन देने पहुंचे वहीं महा पंचायत में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के ग्रामीणों और विभिन्न खाप पंचायतों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। महापंचायत में सभी वक्ताओं ने सरकार से जल्द समाधान निकालने की मांग की। चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना कमेटी ने दोहराया कि पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित

होने तक आंदोलन जारी रहेगा। महापंचायत में मौजूद ग्रामीणों ने सरकार को जल्द सकारात्मक निर्णय लेने का अल्टीमेटम दिया और कहा कि मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। महापंचायत को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने सरकार पर निशाना साधा और कहा कि प्रदेश के कई गांव पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, चानौत के लोग पानी के लिए पिछले 44 दिन से धरने पर बैठे हैं और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राजस्थान को प्रदेश के अंदर से अंडरग्राउंड पाइपलाइन के द्वारा पानी देने पर समझौता किया है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा हरियाणा के लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता नहीं दी जा रही। वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि बजट में एसवाईएल नहर परियोजना के लिए कोई प्रावधान नहीं रखा गया। इसे प्रदेश के जल हितों की अनदेखी बताते हुए सरकार से नीति पर पुनर्विचार की मांग की।

संत कबीर दास ने समाज को एकता और सद्भाव की राह दिखाई : डा. कृष्ण मिड्ढा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि वर्तमान केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान अपने सरकारी आवास का नाम कबीर कुटिया रखा था, जो संत कबीर साहेब के आदर्शों के प्रति उनकी गहरी आस्था और प्रेरणा को दर्शाता है। यह केवल एक नाम नही बल्कि सादगी, सेवा, पारदर्शिता और जनकल्याण की भावना का प्रतीक था। कबीर कुटिया नामकरण के माध्यम से उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जीवन में दिखावे से अधिक महत्व सादगी, सत्य और लोकसेवा का है। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा संत शिरोमणि कबीर साहेब जी के 629वें प्रकटोत्सव दिवस पर रोहतक रोड स्थित कबीर चौक व रामराय गेट स्थित श्री संत कबीर आश्रम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने संत कबीर साहेब जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को

प्रकटोत्सव की शुभकामनाएं दी। समाज द्वारा रखी गई मांगों को पर आश्वासन देते हुए उन्होंने जींद विधानसभा क्षेत्र में समाज की चौपालों, भवनों व अन्य संस्थाओं पर लगभग 70 लाख रुपये की धन राशि से विकास करवाने की बात कही। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी संत कबीर साहेब सहित सभी महान संतों के विचारों को आत्मसात करते हुए बिना भेदभाव के विकास कार्य करवा रहे हैं। गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू की जा रही हैं ताकि समाज के हर वर्ग को समान अवसर और सम्मान मिले।

युवाओं की आवाज़ को दबाने के बजाय सरकार संवाद करे : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी.) की सदस्य, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने पंचकूला में एचपीएससी पीजीटी भर्ती से जुड़े ओबीसी एवं पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के धरने को लेकर हरियाणा सरकार के रवैये पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि अभ्यर्थी लंबे समय से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे थे, तो सरकार का पहला दायित्व उनसे संवाद स्थापित कर समाधान निकालना होना चाहिए था। कुमारी सैलजा ने कहा कि आधी रात पुलिस कार्रवाई कर धरना स्थल खाली कराना तथा महिला अभ्यर्थियों सहित प्रदर्शनकारियों के साथ कथित बल प्रयोग और हिरासत में लेने की घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे मामलों में सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए। सांसद ने कहा कि रोजगार, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और आरक्षण से जुड़े मुद्दे लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़े हैं। संविधान प्रदत्त अधिकारों का सम्मान करते हुए सरकार को अभ्यर्थियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और सभी पक्षों के साथ वार्ता कर समाधान निकालना चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी युवाओं, सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है और आगे भी उनकी आवाज़ को मजबूती से उठाती रहेगी। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पत्र लिखकर उनके द्वारा उठाई गई सड़क परियोजनाओं पर सकारात्मक आश्वासन दिया है। अपने पत्र में केंद्रीय मंत्री ने कुमारी सैलजा के पूर्व में भेजे गए पत्रों का उल्लेख करते हुए बताया कि सिरसा-ऐलनाबाद-रावतसर मार्ग को चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने तथा सिरसा-ऐलनाबाद-हनुमानगढ़ मार्ग की फिजिबिलिटी स्टडी एवं डीपीआर तैयार कर उसे बीकानेर-चंडीगढ़ कॉरिडोर और भारतमाला नेटवर्क से जोड़ने संबंधी प्रस्तावों पर मंत्रालय गंभीरता से विचार कर रहा है।

एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने लीगल रिव्यू पर उठाए सवाल, रिपोर्ट्स को बताया अनावश्यक

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक की ओर से पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के रिव्यू के लिए नियुक्त की गई लीगल फर्मों ने काफी नियम एवं शर्तों के साथ रिपोर्ट जमा की है। इसमें बैंक के इंटरव्यू और बोर्ड मीटिंग के मिनट्स पर फोकस किया गया है। यह जानकारी चक्रवर्ती के हवाले से एक रिपोर्ट में दी गई। एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में चक्रवर्ती ने कहा कि उनका इस्तीफा बैंक की कुछ बिजनेस प्रैक्टिस और पर्सनल वैल्यू में अंतर को लेकर था और इसके जरिए कोशिश बैंक को अंतरिक समीक्षा के लिए प्रेरित करना था। लेकिन उनका कहना है कि लॉ फर्मों ने इसके बजाय अनुपालन के पहलू पर ध्यान केंद्रित किया। चक्रवर्ती का कहना है कि उन्होंने कई बार बैंक से पूछा कि आखिर किस कानूनी प्रावधान और शर्तों के तहत इन लॉ फर्मों को नियुक्त किया गया, लेकिन बोर्ड ने यह जानकारी उन्हें कभी नहीं दी। इसी वजह से उन्होंने इस पूरी कानूनी कवायद को अनावश्यक बताया। एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामले पर चक्रवर्ती ने बताया कि दुबई का एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामला उनके कार्यकाल में सामने आया था। लेकिन बैंक ने उस समय तेजी से सुधारात्मक कदम उठाए थे। चक्रवर्ती ने यह बताने से इनकार कर दिया कि बैंक की कौन-सी कारोबारी प्रथाएं उनके मूल्यों के खिलाफ थीं। साथ ही कहा कि बोर्डरूम की बातें बोर्डरूम तक ही रहनी चाहिए। पार्ट-टाइम चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अतानु चक्रवर्ती ने अपने पद से 18 मार्च को इस्तीफा दिया था। 2021 में बैंक के बोर्ड में शामिल हुए चक्रवर्ती ने इस्तीफे में पिछले दो वर्षों में बैंक के भीतर हुए कुछ घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की थी इस दौरान उन्होंने कहा, ÷पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और कार्यप्रणालियां देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे उपरोक्त निर्णय का आधार है। मैं पुष्टि करता हूं कि मेरे इस्तीफे का उपरोक्त कारणों के अलावा कोई अन्य ठोस कारण नहीं है।

अमेरिकी कस्टम जांच की खबरों से वारी एनर्जीज के शेयरों में 5.7 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट, कंपनी ने दी सफाई

मुंबई।

सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयर सोमवार को 5.7 प्रतिशत से अधिक टूट गए। शेयरों में यह गिरावट कंपनी द्वारा अमेरिका में उसके निर्यात को लेकर चल रही कस्टम जांच से जुड़ी खबरों पर सफाई जारी करने के बाद भी देखने को मिली। सोमवार दोपहर 2 बजे तक के कारोबार में एनएसई पर कंपनी के शेयर 5.7 प्रतिशत से ज्यादा टूटकर 2,836 रुपए के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गए। अपने स्पष्टीकरण में वारी एनर्जीज ने कहा कि मीडिया में आई रिपोर्टों को गलत तरीके से समझा गया है और उन्हें जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। कंपनी के अनुसार, लगाए गए मुख्य आरोप अब तक साबित नहीं हुए हैं और इस मामले से उसके कारोबार पर कोई बड़ा जोखिम नहीं है। कंपनी ने कहा कि उसके अमेरिकी कारोबार, विनिर्माण, ग्राहकों को होने वाली आपूर्ति या व्यावसायिक गतिविधियों पर किसी तरह का कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, ÷अमेरिका में हमारा कारोबार पूरी तरह सामान्य तरीके से चल रहा है। विनिर्माण, ग्राहकों को डिलीवरी या व्यावसायिक संचालन पर इस मामले का कोई प्रभाव नहीं है।÷ कंपनी की यह सफाई उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आई, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिकी अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि कहीं वारी एनर्जीज ने चीन में बने सोलर सेल का इस्तेमाल करके उन्हें भारत में बने मॉड्यूल के रूप में अमेरिका निर्यात तो नहीं किया। यदि ऐसा होता, तो ग्राहकों को चीन से आने वाले उत्पादों पर लगने वाले अधिक आयात शुल्क से बचने का फायदा मिल सकता था। वारी एनर्जीज ने बताया कि अमेरिकी कस्टम अधिकारियों ने भारत स्थित उसके विनिर्माण संयंत्र का निरीक्षण किया और यह पुष्टि की कि जांच के दायरे में आने वाले शिपमेंट में किसी भी चीनी मूल के सोलर सेल का इस्तेमाल नहीं किया गया था। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल निष्कर्ष नहीं निकाला है और न ही उसे किसी तरह की गड़बड़ी का दोषी ठहराया है। कंपनी के अनुसार, अमेरिकी कस्टम की समीक्षा केवल कुछ पुराने आयात शिपमेंट तक सीमित है।

इवेको के अधिग्रहण से टाटा मोटर्स सीवी बनेगी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरर एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल (सीवी) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि इवेको के अधिग्रहण से कंपनी की वार्षिक बिक्री शुरुआत में करीब 6 लाख यूनिट्स तक पहुंच जाएगी। यह आंकड़ा कंपनी को दुनिया का चौथी सबसे बड़ा कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरर बनाएगा। चंद्रशेखरन ने कंपनी की दूसरी एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा मोटर्स सीवी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इस आंकड़े को 10 लाख यूनिट्स तक ले जाना है। चंद्रशेखरन ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब टाटा मोटर्स सीवी इवेको के कारोबार को अपने कारोबार में एकीकृत करने पर काम कर रही है।

चंद्रशेखरन ने आगे कहा कि प्रस्तावित इवेको अधिग्रहण से टाटा मोटर्स के ग्लोबल लक्ष्यों को तेजी मिलेगी। इस अधिग्रहण के लिए रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार है और उम्मीद है कि यह इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।

बेहतर प्रशासन के लिए प्रशासनिक डेटा को राष्ट्रीय संपत्ति बनाना आवश्यक पीएम के प्रधान सचिव

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा ने सोमवार को कहा कि भारत के अलग-अलग विभागों में बिखरे प्रशासनिक डेटा को एक रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति में बदलने की जरूरत है। उनका कहना है कि यदि सरकारी डेटा का बेहतर एकीकरण किया जाए तो इससे सुशासन, नीति निर्माण और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा, साथ ही गोपनीयता और सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। सांख्यिकी दिवस के 20वें समारोह को संबोधित करते हुए मिश्रा ने कहा कि भारत में तेजी से हो रहे डिजिटल परिवर्तन के कारण सरकारी योजनाओं, नियामक संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में प्रशासनिक डेटा तैयार हो रहा है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह मूल्यवान डेटा अभी भी अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों तक ही सीमित है, जिससे इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, ÷इन डेटा सेट्स में आर्थिक गतिविधियों, सामाजिक विकास, बुनियादी ढांचे के निर्माण, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मौजूद हैं। लेकिन इनकी समृद्धता और व्यापकता के बावजूद अधिकांश डेटा मंत्रालयों, विभागों और विभिन्न संस्थाओं में बिखरा हुआ है, जिससे नीति निर्माण और सुशासन में इसका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है।÷

पी.के. मिश्रा ने आगे कहा कि प्रशासनिक डेटा को अब केवल विभागीय कामकाज का उप-उत्पाद (बाय-प्रोडक्ट) मानकर नहीं चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस डेटा को एक रणनीतिक राष्ट्रीय संसाधन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिससे महत्वपूर्ण डेटा की कमी को दूर किया जा सके, बेहतर नीतियां बनाई जा सकें और सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

भारत का औद्योगिक उत्पादन मई में 5.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रही तेजी

नई दिल्ली।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि दर मई 2026 में सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत रही है। इससे यह बढ़कर 122.7 पर पहुंच गया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, बिजली और जल प्रबंधन क्षेत्रों ने प्रमुख योगदान दिया। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी डेटा में दी गई।

खास बात यह है कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। यह संशोधित आधार वर्ष के तहत डेटा का दूसरा सेट है। सरकारी डेटा के मुताबिक, मई में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का उत्पादन सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़ा है। इसे कई उद्योगों में वृद्धि का फायदा मिला है। हालांकि, खनन में मई में सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत की कमी देखी गई है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के 23 उद्योग समूहों में से 16 ने मई 2025 की तुलना में मई 2026 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। मई 2026 के दौरान सबसे अधिक सकारात्मक योगदान देने वाले तीन प्रमुख उद्योग समूह में मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर के निर्माण में वृद्धि दर 14.5 प्रतिशत, विद्युत उपकरण के निर्माण में वृद्धि दर 20.8 प्रतिशत और बेसिक मेटल के निर्माण में वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत रही। वहीं, बिजली और गैस का उत्पादन 9.9 प्रतिशत और पानी की आपूर्ति में सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

इसके अतिरिक्त पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में लगातार तेजी का संकेत है।

मई में इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सामान का उत्पादन 5.9 प्रतिशत बढ़ा, जबकि लंबे समय तक चलने वाले कंज्यूमर गुड्स का उत्पादन 7.2 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पहले 22 जून को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी डेटा में बताया गया कि भारत की आठ मुख्य इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्रीज के संयुक्त सूचकांक की विकास दर मई में सालाना आधार पर 0.5 प्रतिशत रही है। इसमें सीमेंट, स्टील और इलेक्ट्रिसिटी क्षेत्र में जबरदस्त तेजी देखी गई है।

मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई।

मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर की शुरुआत सोमवार को सपाट हुई। इस दौरान सेंसेक्स 45 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 77,055 अंक और निफ्टी 5 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,061 पर था। शुरुआती कारोबार में खरीदारी फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र में देखी जा रही थी। सूचकांकों में निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर टॉप गेनर थे। निफ्टी फिन सर्विस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी पीएसयू बैंक में भी हरे निशान में कारोबार हो रहा था। दूसरी तरफ, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी ऑटो लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में इटरनल, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचयूएल, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट गेनर्स थे। कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, इन्फोसिस, टीसीएस, एमएंडएम, बीईएल, भारती एयरटेल और एलएंडटी लूजर्स थे। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे, जबकि शंघाई, हांगकांग और बैंकॉक में तेजी थी। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को लाल निशान में बंद हुए थे। इस दौरान मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और नैस्डैक 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ था। भारत के साथ एशियाई बाजारों के मिलाजुला कारोबार करने की वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू होना है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब दोनों देश एक-दूसरे पर हमले रोकने पर सहमत हो गए हैं। दोनों पक्ष मंगलवार को कतर में बैठक कर सकते हैं। मध्य पूर्व में तनाव फिर बढ़ने से कच्चे तेल में मजबूती देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 70.07 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73.30 डॉलर प्रति बैरल पर था।

भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 2029 तक 4.2 लाख करोड़ रुपए तक के निवेश आने की संभावना रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में वर्ष 2029 तक 4.2 लाख करोड़ रुपए तक का निवेश आने की संभावना है।

सोमवार को जारी बिकवर्क रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस अनुमान में वित्त वर्ष 2026 तक घोषित और लागू किए जा रहे प्रोजेक्ट्स की लगभग 3.7 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वर्ष 2029 तक शुरू होने वाली नई परियोजनाओं में करीब 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिकॉर्ड यात्री संख्या और एयरपोर्ट शुल्क (टैरिफ) में बढ़ोतरी के कारण वित्त वर्ष 2026 में एयरपोर्ट सेक्टर की परिचालन आय (ऑपरेटिंग रेवेन्यू) में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

वहीं वित्त वर्ष 2027 में भी घरेलू हवाई यात्रा में लगातार बढ़ोतरी और एयरपोर्ट नेटवर्क के विस्तार के चलते राजस्व में अच्छी बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के दौरान एयरपोर्ट सेक्टर में बड़े पैमाने पर क्षमता विस्तार किया गया। क्षेत्रीय एयरपोर्टों का विकास और टर्मिनलों के आधुनिकीकरण का काम तेज हुआ, ताकि घरेलू हवाई यात्रा में लगातार बढ़ रही मांग को पूरा किया जा सके। बिकवर्क रेटिंग्स के सीनियर डायरेक्टर (रेटिंग्स) नीरज राठी ने कहा कि घरेलू हवाई यात्रा में मजबूत मांग, टियर-2 शहरों में एयरपोर्ट नेटवर्क के विस्तार और नवी मुंबई तथा जेवर जैसे नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट शुरू होने से हवाई यात्री यातायात में 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

उनके अनुसार, इन कारणों से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा में आई सुस्ती का असर काफी हद तक संतुलित हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा की वृद्धि फिलहाल धीमी पड़ गई है, जिसका मुख्य कारण उड़ानों पर प्रतिबंध, ईंधन की बढ़ती कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी तनाव है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री संख्या में 38 से 40 प्रतिशत हिस्सेदारी केवल पश्चिम एशिया की है। ऐसे में इस क्षेत्र में जारी अस्थिरता का सीधा असर भारतीय विमानन उद्योग पर पड़ रहा है।

नीरज राठी ने कहा कि इन चुनौतियों के कारण वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में वृद्धि सीमित रह सकती है। हालांकि, दूसरी छमाही में एयरलाइंस के शीतकालीन यात्रा सीजन के लिए नई उड़ानें शुरू करने और नए एयरपोर्ट पूरी क्षमता से संचालन शुरू करने के बाद यात्री संख्या और मांग में तेज सुधार देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर का क्रेडिट आउटलुक स्थिर बना हुआ है।

मारुति सुजुकी ने एआई और ऑपरेशनल दक्षता बढ़ाने के लिए अपने साथ पांच स्टार्टअप्स को जोड़ा

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि उसने पांच स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है। ये स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सस्टेनेबिलिटी-आधारित समाधान विकसित करेंगे, जिनका उद्देश्य कंपनी की परिचालन दक्षता (ऑपरेशनल एफिशिएंसी), ग्राहकों के अनुभव और बिजनेस प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना है। चयनित स्टार्टअप्स में मिनीमाइन्स, ईजवर्क एआई, सर्वम एआई, सिफ्टली और कोडमेट एआई शामिल हैं। ये सभी मारुति सुजुकी इन्क्यूबेशन प्रोग्राम (एमएसआईपी) के पांचवें बैच के विजेता हैं, जिसका संचालन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) बेंगलुरु के स्टार्टअप इन्क्यूबेटर एनएसआरसीईएल के साथ साझेदारी में किया जाता है। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी लंबे समय से स्टार्टअप्स के साथ मिलकर वास्तविक कारोबारी चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, ÷हमें पांच और स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। इनमें से मिनीमाइन्स हमारी एंड-ऑफ-लाइफ बैटरियों को सुरक्षित तरीके से रीसायकल करने में मदद करेगा, जबकि बाकी चार स्टार्टअप्स ग्राहक जुड़ाव (कस्टमर एंगेजमेंट) बढ़ाने और हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक कुशल बनाने में सहयोग करेंगे।÷

बीपीसीएल ने टीटीएसआईपीएल में 85 करोड़ रुपए में खरीदी 40 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सोमवार को ऐलान किया कि वह टिकी टार एंड शेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टीटीएसआईपीएल) में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का 85 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करेगी। इसके जरिए कंपनी की कोशिश वैल्यू-एडेड बिटुमिन (बीएडी) बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। पीएसयू कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस स्ट्रेटजिक इन्वेस्टमेंट का मकसद भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बीपीसीएल के विस्तार को तेज करना है, जहां सड़क और एयरपोर्ट के निर्माण के साथ-साथ खास बिटुमेन प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी ने आगे कहा कि आम शर्तों के पूरा होने पर, इस अधिग्रहण के 90 दिनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। बीपीसीएल ने कहा कि यह अधिग्रहण उसे टीटीएसआईपीएल के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और मार्केट में मौजूदगी का फायदा उठाकर वैल्यू-एडेड बिटुमेन सेगमेंट में मौकों का लाभ उठाने में मदद करेगा। बीपीसीएल ने बताया कि मुंबई में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के साथ रजिस्टर्ड टीटीएसआईपीएल की अधिकृत शेयर पूंजी 37 करोड़ रुपए और पेड-अप पूंजी लगभग 36 करोड़ रुपए है।

इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में बीपीसीएल ने 3,191 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। इस दौरान आय लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपए पर स्थिर रहा, जबकि ईबीआईटीडीए 10,061 करोड़ रुपए रहा। बीपीसीएल के अनुसार, मई 2026 में दिल्ली में पेट्रोल की बिक्री 27,800 मीट्रिक टन से अधिक रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 27,100 मीट्रिक टन से अधिक थी। इस तरह इसमें लगभग 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस महीने डीजल की बिक्री में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई। यह मई 2025 के 16,100 मीट्रिक टन से अधिक से बढ़कर मई 2026 में 16,500 मीट्रिक टन से अधिक हो गई है, जो लगभग तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।

हॉर्मुज संकट के दौरान निर्बाध ईंधन की आपूर्ति, भारत के ऊर्जा क्षेत्र की ताकत को दिखाता है एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली।

करीब चार महीनों तक हॉर्मुज स्ट्रेट बंद रहने के दौरान भारत में ईंधन की आपूर्ति यथावत रहना और ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ना, देश के ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती को दिखाता है, जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश, विविध स्रोतों से आपूर्ति और सरकारी निर्णयों में समन्वय से समर्थन प्राप्त है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से सोमवार को दी गई।समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) वर्तिका शुक्ला ने कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट के चलते पैदा हुई चुनौतियों ने भारत के ऊर्जा सेक्टर की ताकत को दिखाया है।

इस दौरान भारत की आपूर्ति स्थिर रही और आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों का खुदरा कीमतों पर प्रभाव न्यूनतम रहा। इसकी वजह सरकार की ओर से समय पर आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण और एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर में पर्याप्त निवेश था।हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर एम.के.सुराना ने कहा कि जब पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ और हॉर्मुज स्ट्रेट से शिपिंग में रुकावट आई, तो कई जानकारों को उम्मीद थी कि भारत को ईंधन की भारी कमी का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि वह आयातित कच्चे तेल पर बहुत अधिक निर्भर है।उन्होंने कहा, ÷जब टकराव शुरू हुआ और हॉर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया, तो ज्यादातर जानकारों को लगा था कि 85 प्रतिशत आयातित कच्चे तेल पर निर्भर भारत की आपूर्ति ठप हो जाएगी और देश में पेट्रोल की कमी हो जाएगी। ÷सुराना ने आईएएनएस को बताया, ÷एलपीजी भी नहीं मिल पाती। भारी कमी हो जाती और बड़े पैमाने पर कामकाज बंद हो जाता।

भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए किया पार हरदीप पुरी

नई दिल्ली, 29 जून (आईएएनएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए पार किया है, साथ ही कुकिंग गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए तेजी से रिफाइनरियों में बदलाव किए। इन उपायों ने देश को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से निपटने में मदद की। चार महीने तक हॉर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सरकार ने बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को इस व्यवधान के असर से बचाने के लिए कई आपातकालीन उपाय किए। उन्होंने कहा, ÷जब दुनिया ऊर्जा के सबसे बुरे संकटों में से एक और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं का सामना कर रही थी, तब पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा उपभोक्ताओं को किसी भी नकारात्मक असर से प्रभावी ढंग से बचाया।÷ मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात के स्रोतों में विविधता लाकर, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके और कई देशों से एलपीजी की वैकल्पिक सप्लाई सुनिश्चित करके घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई की कमी से बचाया। उन्होंने कहा कि सरकार के कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि ग्लोबल एनर्जी संकट के बावजूद कुकिंग गैस और ईंधन की सप्लाई स्थिर बनी रही। संकट के दौरान उठाए गए कदमों में मार्च में ईंधन पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती भी शामिल थी। उन्होंने कहा, ÷घरों तक पहुंचने वाली कुकिंग गैस की पूरी सुरक्षा की गई और कालाबाजारी करने वालों द्वारा इस कीमती सप्लाई की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया।÷ पुरी ने बताया कि जिन रिफाइनरियों में पहले कभी कुकिंग गैस का उत्पादन नहीं हुआ था, उनमें उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ ही दिनों में बदलाव किए गए। नतीजतन, एलपीजी का उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) प्रतिदिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रतिदिन हो गया। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे देशों के साथ एलपीजी सप्लाई के नए इंतजाम किए, साथ ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त खेप हासिल कीं।

पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने तेजी से उठाए कदम नवदीप सूरी

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के पूर्व राजदूत नवदीप सूरी ने सोमवार को कहा कि हालांकि 28 फरवरी को हॉर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होरमुज) के बंद होने की स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए सबसे खराब परिस्थितियों में से एक थी, लेकिन भारत सरकार ने तेजी से कदम उठाकर इस संकट का प्रभावी ढंग से सामना किया और देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखी। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में सूरी ने कहा, ÷मुझे लगता है कि इस दौरान सरकार ने काफी सक्रिय ऊर्जा कूटनीति का प्रदर्शन किया।÷ उन्होंने कहा कि सरकार ने यूएई, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों के साथ जो विशेष संबंध बनाए हैं, वे इस संकट के समय बेहद काम आए। उन्होंने बताया कि 15 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा और युद्ध के दौरान पेट्रोलियम मंत्री की कतर यात्रा इसका उदाहरण हैं। सूरी ने कहा कि इन मजबूत संबंधों की वजह से भारत को एलपीजी और कच्चे तेल जैसी ऊर्जा आपूर्ति लगातार मिलती रही। पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि इस दौरान भारत की कूटनीति की एक और बड़ी सफलता यह रही कि उसने खाड़ी देशों के अलावा रूस, फिर अमेरिका और साथ ही वेनेजुएला, नाइजीरिया, गैबॉन और गुयाना जैसे अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए आपूर्तिकर्ता देशों से भी तेल आयात के स्रोत बढ़ाए। उन्होंने कहा, ÷इन सभी प्रयासों की वजह से, जब कई दूसरे देश गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे थे, तब भारत काफी हद तक इस संकट से बचने में सफल रहा।÷ सूरी ने आगे यह भी कहा कि सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की कीमतें भी नियंत्रित रखने में सफलता हासिल की। जब 28 फरवरी के बाद युद्ध शुरू होने पर वैश्विक तेल कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, तब सरकार और तेल कंपनियों ने इसकी बढ़ी हुई लागत का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया। उन्होंने आईएएनएस से कहा, ÷सरकार ने टैक्स में कटौती की और तेल कंपनियों ने अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा छोड़ा, जिससे आम लोगों पर कीमतों का बोझ नहीं पड़ा।

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

उमेश चतुर्वेदी

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है।

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

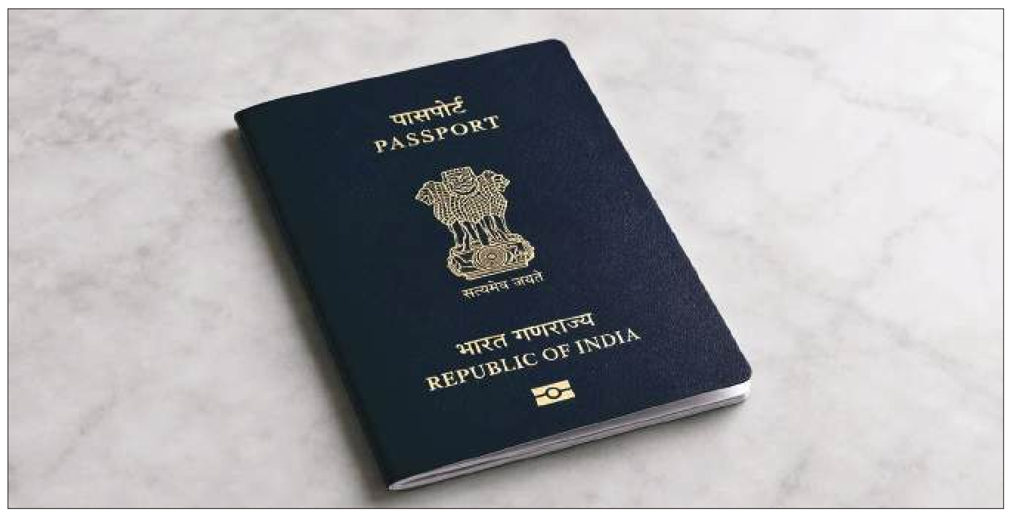

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

संपादकीय

सियासी नेतृत्व का पिछड़ापन

कांगड़ा के राजनीतिक नेतृत्व के पिछड़ेपन के लिए यहां के नेताओं का भोलापन, पहचान का संकट, आपसी मेलभाव तथा स्वीकार्यता की कमी मानी जा सकती है। कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य पस्त किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए। वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, मंत्रिमंडलीय बैठकें, विधानसभा का शीतकालीन सत्र और धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी का दर्जा दिया, तो प्रेम कुमार धूमल ने सचिवालय से खेल राजधानी के रुतबे से मुख्यालय को नवाजा। जयराम ने राज्य के चिंतन मनन में धर्मशाला में इन्वेस्टर मीट, जी-ट्वंटी सम्मेलन के अलावा कई राष्ट्रीय पर्व और पहचान के इवेंट यहां आयोजित किए। वीरभद्र सिंह की रिवायतों से प्रभावित सुखविंद्र सुक्खू ने धर्मशाला तक कई विभागों, निगमों और बोर्डों के मुख्यालय पहुंचाए, तो संपूर्ण कांगड़ा घाटी को पर्यटन राजधानी घोषित कर-के, गगल एयरपोर्ट विस्तार को यकीनी बनाया।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति। आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूंढ रहे हैं।

सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, मोदी के नाम

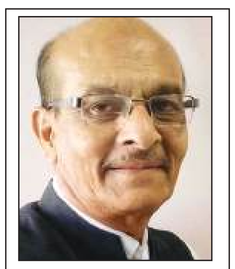

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री वहां के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। इसके साथ ही पीएम मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें अभी तक 34 देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा और इस सम्मान को लेकर विवादों का पिटारा भी भारत में खुलता हुआ नजर आ रहा है। सेशेल्स टैक्स हेवन देश है। इस देश की आबादी मात्र 1.1 लाख है। यह अफ्रीका का सबसे छोटा टापू है। इसका कुल क्षेत्रफल 459 वर्ग किलोमीटर है। इसकी गिनती समृद्ध देश के रूप में होती है। इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टैक्स हैवन देश के रूप में है। यह देश मत्स्य पालन, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं के लिए सारी दुनिया के देशों में पहचाना जाता है। यहां पर मुश्किल से 7 से 8000 भारतीय रहते हैं। इसमें से कुछ वर्षों में लगभग 2000 भारतीयों ने यहां की नागरिकता ली है। शेष भारतीय यहां पर जन्मजात रह रहे हैं। पनामा पेपर लीक में भी इस देश का नाम आया था। उस समय भी इसमें भारतीय नागरिकों के नाम थे। जिन्होंने अपना काला धन वहां जमा किया था। 2014 में जब केंद्र की सरकार बदली, उसके बाद यह माना जा रहा था, सरकार काला धन वापस लाने के लिए विशेष प्रयास करेगी। मोदी सरकार ने पनामा पेपर लीक मामले में जिन लोगों के नाम शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कालाधन बड़ा चुनावी मुद्दा था। इस समय नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में जमा कालाधन वापिस लाने का वायदा किया था। यह भी कहा था, हर परिवार को 15 लाख रूपया यों ही मिल जाएंगे। सेशेल्स जैसे देश से भारतीयों का जमा कालाधन वापस लाने का कोई प्रयास मोदी सरकार ने नहीं किया। उल्टे विगत वर्षों में जिस तरह से टैक्स हेवन देशों का पैसा भारत के शेयर बाजार एवं कारोबार में निवेश किया गया है, उसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मामले में विनोद अडानी का नाम भी सामने आया था। सेबी और सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में बंद कर के रखा है।

इतने छोटे से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जाना, लगभग तीन दिन तक रुकना, भारत में चर्चा का विषय बन गया है। भारत सरकार का कहना है, सेशेल्स हिंद महासागर का हिस्सा है। समुद्र का एक छोटा द्वीप होते हुए भी भारत के लिए सामरिक और समुद्री व्यापार के लिए उसका बड़ा महत्व है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से सेशल्स को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दे रही है। पनामा पेपर लीक मामले तथा शेयर बाजार में निवेश को लेकर कई आरोप सामने आ चुके हैं। भारत सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है। भारत में मोदी सरकार के लिए कई चुनौतियां सामने हैं। अयोध्या के राम मंदिर दान एवं चढ़ावे का मामला इस समय चरम पर है। कुछ ही दिनों बाद मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन शुरू हो गए हैं। विपक्ष बहुत आक्रामक है, मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होना है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स जाना विवादों में आ गया है। उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान दिया गया है, उसमें स्पेलिंग मिस्टेक और पहली बार नया सम्मान दिए जाने के कारण राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। एक छोटे से टैक्स हेवन देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी के लिए आगे चलकर कहीं कोई कठिनाई उत्पन्न ना कर दे, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई भी काम करें, उन्हें किसी भी स्तर पर कोई नुकसान हो, यह संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने वालों की संख्या कम नहीं है। इस तरह के विरोध होते ही रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस तरह के विरोध पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। सेशेल्स यात्रा को लेकर जो विवाद उत्पन्न किया जा रहा है, इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी तरह के नुकसान के रूप में होगा, यह संभव ही नहीं है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है नकली दवाओं का कारोबार

मनोज कुमार अग्रवाल

आज कल देश के हर हिस्से में बड़र पैमाने पर नकली गैर मानक दवाओं के निर्माण और विपणन का धंधा चल रहा है आपको बता दें कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निमार्ता होने के कारण इसे विश्व की फामेर्सी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जैनेरिक दवाएं बनती हैं परंतु इनमें मिलावट का धंधा तेजी पकड़ रहा है। प्राण रक्षक दवाएं भी मिलावटी एवं नकली बनने लगी हैं।थोड़ा सा अधिक कमाई करने के चक्कर में बहुत से दवा निमार्ता देश मे गैर मानकीकृत स्तर

की दवा का निर्माण और निर्यात कर रहे हैं।

नकली दवाओं का अवैध कारोबार एक गंभीर वैश्विक संकट है जो मरीजों की जान जोखिम में डालता है और पूरी स्वास्थ्य प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसी दवाएं जिनमें असली साल्ट या सक्रिय सामग्री नहीं होती या गलत मात्रा में होती हैं, वे नकली दवाओं के अंतर्गत आती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक दवा बाजार का लगभग 10% हिस्सा नकली दवाओं से प्रभावित है। इसमें जीवन रक्षक दवाएं (कैंसर, लिवर रोग), एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और जीवनशैली से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। ड्रग सिंडिकेट्स अवैध फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग करके असली जैसी दिखने वाली पैकेजिंग तैयार करते हैं।ये दवाएं पारंपरिक थोक बाजारों के साथ-साथ अनधिकृत ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से भी बेची जा रही हैं। एंटीबायोटिक या गंभीर बीमारियों की दवाओं में मुख्य सामग्री न होने से मरीज ठीक नहीं हो पाता। कुछ मामलों में इनमें चूहे मारने का जहर, पेंट थिनर, चाक मिट्टी या भारी मात्रा में फेंटानिल मिला दिया जाता है। दूषित रसायनों के कारण किडनी, लिवर फेल होना या अचानक मौत होने का अत्यधिक खतरा रहता है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय के दौरान घटिया व नकली दवाओं के सेवन से भारत तथा विश्व के चंद देशों में मौतों के कारण भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने और दवाओं की गुणवत्ता जांचने तथा उनके असली या नकली होने का पता लगाने के लिए दवाएं बनाने वाली इकाइयों की जांच शुरू कर रखी है।इसी श्रृंखला में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने मई, 2026 के लिए जारी मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।

सी.डी.एस.सी.ओ. के अनुसार केंद्रीय औषधि प्रयोग शालाओं ने 46 दवा नमूनों को नॉट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन.एस. क्यू.) घोषित किया जबकि विभिन्न राज्यों

की औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता मानकों पर विफल पाया। मई, 2026 की रिपोर्ट में असम से किसी अनधिकृत निमार्ता द्वारा बनाई गई एक स्प्यूरियस (नकली) दवा का मामला भी सामने आया जिसने किसी दूसरी कम्पनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया।

इसी प्रकार केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला मुम्बई द्वारा हृदय रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एडेनोसिन इंजैक्शन नकली पाए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने यह इंजैक्शन बनाने वाली कम्पनी का लाइसैंस रद्द कर दिया है।

राजस्थान में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सीटोसिन इंजैक्शन सप्लाई कारसेवाली कानी का लाइसेंस रहकर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को जारी आदेश के अनुसार अस्पतालों में सप्लाई किए गए टोसिन (आक्सीटोसिन) इंजैक्शन जांच में नकली पाए गए और प्रयोगशाला में परीक्षण में इन इंजैक्शनों में आक्सीटोसिन की मात्रा शून्य पाई गई।जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म ने अमृतसर स्थित एक लैबोरेटरी से (जिसका लाइसैंस अब रद्द किया जा चुका है) इसकी कुल 9300 डोज खरीदी थीं जबकि फर्म ने रिकार्ड में 10050 डोज बिकी दिखाई थी। ऐसे में यह जांच भी की जा रही है कि अतिरिक्त 750 इंजैक्शन कहां से आए !

राजस्थान में प्रसूताओं की मौत का मामला अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने इन मौतों के संबंध में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारत सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत सरकार को यह बताने को भी कहा है कि ये इंजैक्शन भारत के अलावा अन्य देशों में भी सप्लाई किए गए थे या नहीं और यदि ऐसा हुआ है तो किन देशों में सप्लाई हुए हैं ताकि समय रहते रोकथाम और निगरानी की कार्रवाई की जा सके।

इसी प्रकार की घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगियों की सुरक्षा तथा दवाओं की विश्वसनीयता यकीनी बनाने के लिए अब नकली और घटिया दवाओं के हानिकारक जाल को तोड़ने के लिए वैक्सीन, एंटी कैंसर और नार्कोटिक्स दवाओं पर क्यू.आर. कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की मौत नकली दवाओं के कारण न हो।क्यू.आर. कोड में दवाई का अनूठा पहचान कोड, जैनेरिक और ब्रांड नाम, कम्पनी का नाम पता, बैच नंबर आदि सभी जरूरी जानकारियां दर्ज होंगी और बार कोड के खुलते ही दवाई के असली या नकली होने का पता चल जाएगा।

कैंसर जैसी बीमारी से रोगियों को बचाने के लिए क्यू. आर. कोड का नियम लागू करना सही है परंतु यह

आदेश केवल कुछ चुनिंदा रोगों की दवाओं के लिए नहीं बल्कि सभी दवाओं पर लागू करना चाहिए ताकि नकली दवाएं किसी की मौत का कारण न बनें। इसके साथ ही ऐसे कृत्यों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करके उन्हें उचित दंड दिया जाए।

केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर अनिवार्य क्यूआर कोड लागू किया है, जिसे स्कैन करके दवा की प्रामाणिकता जांची जा सकती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और ड्रग्स विभाग की टीमें लगातार अवैध सिंडिकेट्स पर छापेमारी कर करोड़ों का नकली कच्चा माल जब्त कर रही हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत नकली दवाएं बनाने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर सजा और गैर-जमानती धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ता को दवाएं हमेशा लाइसेंस प्राप्त और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या प्रमाणित फार्मेसियों से ही खरीदें। दवा के पत्तों पर स्पेलिंग की गलतियां, धुंधली छपाई, और सील टूटी होने जैसी विसंगतियों पर ध्यान दें। पैकेजिंग पर मौजूद क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके बैच नंबर और निमार्ता की जानकारी को सत्यापित करें।हर खरीद पर कैश मेमो या पक्का बिल जरूर लें, जिस पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट स्पष्ट लिखी हो। यदि दवा लेने पर कोई असर न हो या पैकेजिंग संदिग्ध लगे, तो तुरंत अपने डॉक्टर को बताएं और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास शिकायत दर्ज कराएं। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में तेलंगाना के युवा की संदिग्ध मौत, बर्थडे पार्टी में गया था ; परिवार ने शव भारत लाने की अपील की

लंदन, एजेंसी। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के 25 साल के श्रीनाथ रेड्डी की ब्रिटेन में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह करीब 14 महीने पहले मास्टर्स की पढ़ाई के लिए लंदन गए थे और लीसेस्टर की डी मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, 22 जून की रात श्रीनाथ ने घर पर बात की थी और सब कुछ सामान्य था। इसके बाद वह एक बर्थडे पार्टी में गए थे। अगले दिन 23 जून की सुबह उनके रूममेट ने उन्हें मृत पाया। रूममेट ने दोस्तों को बताया कि श्रीनाथ ने कथित तौर पर आत्महत्या की है। हालांकि, मौत की वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। श्रीनाथ के पिता मधुसूदन रेड्डी ने केंद्र और तेलंगाना सरकार से बेटे का शव जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है। वहीं, ब्रिटेन की ओर से अब तक मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों का गांव पर हमला, 15 की मौत

अबूजा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया के एक कृषि समुदाय पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। यह हमला शुक्रवार को हिंसा प्रभावित जमफारा राज्य के तलाता माफारा इलाके में हुआ। इस क्षेत्र में पहले भी कई बार हिंसा हो चुकी है। अब तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद अब्दुलअजीज यारी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में इस हमले को 'आतंकी हमला' बताया। इलाके के स्थानीय प्रशासन के प्रमुख याहया यारी शुक्रवार शाम पीड़ितों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। वायरल वीडियो में उन्होंने भावुक होकर राष्ट्रपति बोला टीनुबू और क्षेत्र से आने वाले उप रक्षा मंत्री से हस्तक्षेप कर हत्याओं का सिलसिला रोकने की अपील की।

यूरोप : बोस्निया और हर्जेगोविना में देशभर में गर्मी का अलर्ट, जंगलों में आग जारी

सारायेवो, एजेंसी। बोस्निया और हर्जेगोविना ने शनिवार को पूरे देश में ऑरेंज हीट अलर्ट जारी किया। अगले कुछ दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, गर्म और शुष्क मौसम के कारण लगी कई आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मी लगातार काम कर रहे हैं। देश के जल एवं मौसम विज्ञान संस्थान ने बताया कि ऑरेंज अलर्ट 27 जून से 30 जून तक प्रभावी रहेगा। हर दिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक सबसे ज्यादा खतरा रहने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। संस्थान ने लोगों, खासकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों से लंबे समय तक बाहर न रहने, पर्याप्त पानी पीने और स्वास्थ्य व आपातकालीन अधिकारियों की सलाह का पालन करने की अपील की है।

अगले साल के शुरू में भारत का दौरा करेंगे ट्रंप : रूबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल के शुरू में भारत का दौरा कर सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यह जानकारी दी। साथ ही बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा तैयारियों के सिलसिले में वह खुद इसी साल भारत दौरा कर सकते हैं। रूबियो ने एक इंटरव्यू में कहा, हम कोशिश कर रहे हैं कि अगले साल की शुरुआत में किसी समय राष्ट्रपति ट्रंप भारत का दौरा करें। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। भारत पिछले कई महीनों से ट्रंप के भारत दौरे के लिए जोर दे रहा है। बहुत संभव है कि यह दौरा जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली एक साझा बैठक का हिस्सा हो। पिछले एक साल में भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। रिश्तों को सुधारने के मकसद से रूबियो ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था। लेकिन वाणिज्यिक जहाज अमेरिकी नौसेना के हमलों में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने से दोनों देशों के रिश्तों में फिर से कड़वाहट आ गई है।

अर्जेंटीना में सियासी भूचाल : भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच राष्ट्रपति के सहयोगी का इस्तीफा, सरकार को लगा झटका

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के कैबिनेट चीफ और करीबी सहयोगी मैनुअल एडोर्नी ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा एक ऐसे भ्रष्टाचार मामले के बाद आया है जिसने लिबर्टेरियन सरकार को हिलाकर रख दिया है और राजनीतिक व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने के उनके प्रमुख चुनावी वादे को भी कमजोर कर दिया है। एडोर्नी का इस्तीफा राष्ट्रपति माइली के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे उनके सबसे भरोसेमंद और पुराने सहयोगियों में शामिल रहे हैं।

वेनेजुएला में फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप:अब तक 1430 मौतें, 3300 लोग घायल; 72 घंटे बाद 68 हजार लोग अब भी लापता

कराकस, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में रविवार को फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूरो-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक भूकंप का केंद्र अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई में था। यह भूकंप 24 जून को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद शनिवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया था। वेनेजुएला में अब तक 1430 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 3300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के 72 घंटे बाद करीब 68,900 लोग अब भी लापता हैं और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भूकंप के बाद शुरू के 48 से 72 घंटे ही सबसे जरूरी होते है। इस समय लोगों को बचाने की उम्मीद ज्यादा रहती है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

रविवार सुबह फिर कांपी धरती : वेनेजुएला के लोग अभी बुधवार की तबाही से उबरे भी नहीं थे कि रविवार सुबह फिर से तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई है। इसका केंद्र एल लिमोन शहर से लगभग 30 किमी उत्तर-पूर्व में था। इससे पहले शनिवार को भी 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने लोगों को घरों से बाहर भागने पर मजबूर कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में और भी आफ्टरशॉक्स आ सकते हैं, जिससे कमजोर हो चुकी इमारतें गिर सकती हैं।

मलबे में अपनों की तलाश : तबाही का सबसे खौफनाक मंजर 'ला-गुएरा' इलाके में दिख रहा है, जहां सैकड़ों इमारतें जमींदोज हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो दिल दहला देने वाले हैं, जिनमें एक बुजुर्ग मां अपने हाथ से मलबा हटाकर अपने बेटे को तलाश रही है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं और अस्पतालों में घायलों के पैर रखने की जगह नहीं है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि भारी मशीनरी और सरकारी मदद की कमी के कारण बचाव कार्य में देरी हो रही है।

मदद को आगे आए कई देश : संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, इस आपदा से वेनेजुएला को करीब 6.7 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय मदद के लिए आगे आया है। शनिवार को करीब 1,600 विदेशी बचावकर्मी वेनेजुएला पहुंचे और जल्द ही 10 अन्य देशों की टीमें भी इस मिशन में शामिल होने वाली हैं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में 14,000 सैन्य और पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

क्या 10,000 पार होगी मृतकों की संख्या : अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को डरा दिया है। स्त्रस के मुताबिक, जिस तरह की तबाही हुई है, उसे देखते हुए मृतकों की संख्या 10,000 के पार जा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह पिछले एक सदी में लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदियों में से एक होगी। देश में भ्रष्टाचार की खबरों ने भी इस आपदा के प्रभाव को और अधिक भयावह बना दिया है, जिससे राहत कार्यों में पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

वेनेजुएला के लिए भारत ने चलाया 'ऑपरेशन अमिस्ताद : भारत ने शुक्रवार को वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। 'अमिस्ताद' एक स्पेनिश शब्द है जिसका मतलब 'दोस्ती' होता है। वेनेजुएला की आधिकारिक भाषा स्पेनिश ही है। इस ऑपरेशन का मकसद भूकंप प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द मदद पहुंचाना और घायलों का इलाज कराना है।

भारतीय वायुसेना के दो सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों के जरिए करीब 35 टन राहत सामग्री भेजी गई है। इसमें जरूरी दवाइयां, मेडिकल इक्विपमेंट और राहत सामग्री शामिल हैं, जिनसे कम समय में अस्थायी इलाज सुविधाएं तैयार की जा सकती हैं। भारत ने 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल यूनिट की 41 सदस्यीय मेडिकल टीम भी वेनेजुएला भेजी है। इसमें डॉक्टर, नर्स और मेडिकल एक्सपर्ट शामिल हैं। यह टीम वहां घायलों का इलाज करेगी और जरूरत पड़ने पर अस्थायी अस्पताल भी बनाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को तुरंत इलाज मिल सके।

पाकिस्तान के कराची में पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर टेरर अटैक, 4 जवान समेत 10 की मौत

कराची, एजेंसी। कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में शनिवार को पाकिस्तान के सिंध रेंजर्स के लोकल हेडक्वार्टर पर हुए हमले में चार पैरामिलिट्री के जवान और छह आतंकवादी मारे गए. एक आतंकी को जिंदा पकड़ लिया गया. सिंध पुलिस चीफ ने डॉन को बताया. सिंध के इंस्पेक्टर जनरल जावेद आलम ओधो ने कहा कि आतंकवादियों ने अपनी गाड़ी से मेन गेट को टक्कर मारी थी और शुरू में वे यह कन्फर्म नहीं कर सके कि कोई ब्लास्ट भी हुआ था या नहीं. डॉन के मुताबिक ओधो ने आगे कहा कि एक 'सफाई अभियान' चल रहा था और इलाके को स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेररिस्ट फोर्स और रेंजर्स के जवानों ने सील कर दिया था. पुलिस सर्जन सुम्मैया सैयद ने डॉन को बताया कि एक घायल पैरामिलिट्री ट्रूपर को पैर में गोली लगने के बाद हॉस्पिटल लाया गया. डॉन के मुताबिक इससे पहले इलाके में भारी फायरिंग और धमाके की खबर मिलने के बाद पुलिस वाले घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया था. रेस्क्यू 1122 सिंध ने कहा कि उसे गुलिस्तान-ए-जौहर ब्लॉक 5 के पास धमाके की खबर मिली थी और उसने तुरंत अपने सेंट्रल कमांड और कंट्रोल सेंटर से टीमों को मौके पर भेज दिया. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जमात-उल-अहरार से जुड़े एक ग्रुप ने, जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का एक अलग हथियारबंद ग्रुप ने शनिवार देर रात हमले की जिम्मेदारी ली. इसे पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है. ग्रुप ने कहा कि हमले में नौ हमलावर शामिल थे. अल जजीरा के मुताबिक यह तब हुआ है जब पाकिस्तान के सिक्योरिटी फोर्स को पूरे देश में निशाना बनाया जा रहा है. इससे पहले 7 फरवरी को पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने इस्लामाबाद के बाहरी इलाके तरलाई कलां इलाके में एक शिया मस्जिद में सुसाइड बॉम्बिंग की रिपोर्ट के बाद अमेरिकी नागरिकों के लिए सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया था. रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि शुक्रवार की नमाज के दौरान इस्लामाबाद में एक इमामबाड़ा में हुए सुसाइड बॉम्बिंग में कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 घायल हुए।

लेबनान के राष्ट्रपति औन ने ट्रंप से फोन पर की बात, इजरायल के साथ फ्रेमवर्क एग्रीमेंट लागू करने का किया वादा

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने शनिवार देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान राष्ट्रपति औन ने वादा किया कि लेबनान और इजरायल के बीच अमेरिका की मध्यस्थता वाले फ्रेमवर्क समझौते को लागू करने में लेबनान सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। यह बात लेबनानी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कही गई।

औन ने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका समझौते के उल्लंघन को रोकने में मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि डील के तहत किए गए सभी वादे पूरे हों, खासकर इजरायल पर दक्षिणी लेबनान में अपने कब्जे वाले इलाकों से हटने का दबाव डालकर, ताकि लेबनानी सेना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बॉर्डर तक तैनात किया जा सके। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप ने लेबनान और उसके लोगों के लिए वाशिंगटन के समर्थन को फिर से दोहराया और डील को लागू करने और देश में सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने की दिशा में काम करने का वादा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वॉशिंगटन लेबनान की संप्रभुता, आजादी और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करेगा, साथ ही देश के पूरे इलाके में अपनी आर्म्ड फोर्स के जरिए स्टेट अथॉरिटी के एक्सटेंशन का भी समर्थन करेगा। फोन के आखिर में, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही वाशिंगटन में औन से मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में हस्ताक्षर किए गए इस समझौते में दोनों देशों के बीच एक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। अमेरिका की मीडिएशन और समर्थन से लेबनान की संप्रभु सरकार और बेशक इजरायली सरकार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता, पक्की शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क बनाएगा। ' इस फ्रेमवर्क का मकसद लेबनान की संप्रभुता को वापस लाना, हिज्बुल्लाह के सैन्य ढांचे को खत्म करना और सुरक्षा के खतरे खत्म होने के बाद इजरायली सेना को अपनी सीमाओं पर लौटने में मदद करना है।

कुवैत से बहरीन तक तबाही! ईरान का अमेरिकी बेस पर भीषण हमला, 8 सैन्य ठिकानों को मिसाइलों से किया राख

बहरीन , एजेंसी। ईरान की रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने रविवार को यह दावा किया कि उसने कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिका के आठ प्रमुख सैन्य ठिकानों पर भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा उसकी पांच तटीय चौकियों पर किए गए हमलों का 'निर्णायक जवाब' है। इन हमलों के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में महायुद्ध की आहट तेज हो गई है।

रात के अंधेरे में हुआ भीषण हमला : यह बड़ा सैन्य ऑपरेशन रविवार रात करीब 2:00 बजे से 3:00 बजे के बीच अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में ईरान की नौसेना और एयरोस्पेस फोर्स ने संयुक्त रूप से हमला किया। ईरान ने विशेष रूप से कुवैत में स्थित अली अल सलेम एयरबेस और बहरीन में मौजूद अमेरिका के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को अपना मुख्य निशाना बनाया। बैलिस्टिक मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन के जरिए किए गए इन हमलों में ठिकानों को भारी क्षति पहुंचने का दावा किया गया है।

ईरान ने इस हमले को जवाबी कार्रवाई बताया है। उसका कहना है कि अमेरिकी सेना ने पहले ईरान की सीमा में मौजूद 5 तटीय चौकियों पर हमला किया था। अमेरिका ने इन हमलों के लिए एक 'संदिग्ध जहाज' को रोकने की कार्रवाई का बहाना बनाया था। ईरान का आरोप है कि अमेरिका लगातार उस सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है जिसकी घोषणा खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की थी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अब तक अमेरिकी आक्रामकता के जवाब में 100 से अधिक बार जवाबी कार्रवाई की है।

IRGC ने साफ चेतावनी दी है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली सभी शिपिंग और सुरक्षा की जिम्मेदारी अब केवल ईरान की है। यह कदम पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए एक हालिया समझौते के तहत उठाया गया है, जो ईरान और अमेरिका के बीच हुआ था। ईरान ने कड़े शब्दों में कहा है कि अगर कोई भी जहाज नियमों का उल्लंघन करेगा, तो उससे भविष्य में और भी कठोरता से निपटा जाएगा। यह विवाद शुक्रवार को उस समय शुरू हुआ था जब ईरान की नौसेना ने एक व्यापारिक जहाज पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की थी।

ट्रंप ने दिया अल्टीमेटम : ईरानी हमले से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि 'सीजफायर तोड़ा तो ईरान का अस्तित्व खत्म हो जाएगा'। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया है कि उन्होंने एक तेल टैंकर पर हुए हमले के जवाब में ईरान के भीतर कुछ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरानी मीडिया के अनुसार, हॉर्मोज़गान प्रांत के सिरिक इलाके में एक टेलीकॉम टावर पर धमाका हुआ है और केशम द्वीप पर भी संदिग्ध विस्फोटों की खबरें हैं।

इजरायल-लेबनान फ्रेमवर्क एग्रीमेंट से शांति समझौते का रास्ता होगा साफ : पीएम नेतन्याहू

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता से शुक्रवार को इजरायल और लेबनान के बीच हस्ताक्षर किया गया फ्रेमवर्क समझौता, संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच शांति समझौते तक पहुंचने का रास्ता बनाता है। शनिवार को येरुशलम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम नेतन्याहू ने कहा कि 'यह समझौता इजरायल और लेबनान को मजबूत करता है और ईरान और हिज्बुल्लाह को कमजोर करता है। यह आने वाली चीजों का संकेत है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पीएम नेतन्याहू ने आगे कहा कि समझौते के तहत, अमेरिका और लेबनान इजरायल के दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा जोन बनाए रखने के अधिकार को मान्यता देते हैं, जब तक यह इजरायल की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि इजरायली सेना तब तक सुरक्षा जोन पर कब्जा बनाए रखेगी जब तक हिज्बुल्लाह और दूसरे आतंकी संगठन हथियार नहीं छोड़ देते। नेतन्याहू ने कहा कि फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में सुरक्षा जोन की उत्तरी सीमा के पास दो इलाके शामिल हैं, जिनकी सलाह इजरायली सेना ने दी है, जहां हिज्बुल्लाह को खत्म करने और इलाके को लेबनानी सेना के कंट्रोल में देने के लिए एक पायलट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल ने 9,000 से ज्यादा हिज्बुल्लाह मिलिटेंट्स को मार गिराया और समूह के 150,000 मिसाइलों और रॉकेट के स्टॉक का लगभग 90 फीसदी नष्ट कर दिया है। शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में साइन किए गए इस एग्रीमेंट में दोनों देशों के बीच एक नाजुक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। इस दौरान अमेरिकी विदेश सचिव रुबियो ने कहा, 'आज का दिन अच्छा है क्योंकि हमें यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि लेबनान की संप्रभु सरकार और इजरायल सरकार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता हुआ, जो पक्की शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क बनाना शुरू करता है। इस फ्रेमवर्क का मकसद लेबनान की संप्रभुता को वापस लाना, हिज्बुल्लाह के मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म करना और सुरक्षा के खतरे खत्म होने के बाद इजरायली सेना को अपनी सीमाओं पर लौटने में मदद करना है।

कांगो में इबोला ने मचाई तबाही; संक्रमितों की संख्या 1200 पार, नहीं थम रहा मौतों का सिलसिला

किंशासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो एक बार फिर जानलेवा इबोला वायरस की गिरफ्त में है। ताजा आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, देश में इबोला संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है और यह आंकड़ा अब 1,200 के पार पहुंच गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक कुल 1,203 लोग इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ चुके हैं, जिनमें से 321 मरीजों ने अपनी जान गंवा दी है। यह स्थिति अफ्रीका के इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति काफी चिंताजनक है। वर्तमान में 419 मरीज या तो आइसोलेशन में हैं या विभिन्न अस्पतालों में जीवन और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। राहत की बात केवल इतनी है कि अब तक 148 मरीज इस बीमारी को मात देकर पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने 265 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है, जिनमें से 77 लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे वास्तविक मृत्यु दर और अधिक होने की आशंका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने इस संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का काम युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मरीज ठीक होकर घर लौट रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगाह किया कि इस महामारी के खिलाफ जंग अभी बहुत लंबी है। इलाके में जारी सशस्त्र संघर्ष और असुरक्षा की वजह से राहत और बचाव कार्यों की गति काफी धीमी हो गई है। इबोला के खिलाफ इस अभियान में केवल वायरस ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी दीवार बनकर खड़ी हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्थानीय समुदायों में भरोसे की कमी के कारण लोग पोस्ट-मॉर्टम परीक्षणों का विरोध कर रहे हैं। मौजूदा केंद्र लगभग पूरी तरह भर चुके हैं। इसके अलावा, दवाओं की कमी, संक्रमण रोकथाम सामग्री का अभाव और लगभग 20 नए आइसोलेशन केंद्रों की तत्काल आवश्यकता जैसे मुद्दे अभियान को कमजोर कर रहे हैं।

4 दिन में तीसरी बार भूकंप से हिला जापान, इवाते में 6.1 की तीव्रता से कांपी धरती; दहशत में लोग

टोक्यो, एजेंसी। जापान में कुदरत का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार सुबह एक बार फिर देश का उत्तरी हिस्सा शक्तिशाली भूकंप के झटकों से दहल उठा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई है। पिछले महज चार दिनों के भीतर जापान में आया यह तीसरा बड़ा और शक्तिशाली भूकंप है, जिसने वैज्ञानिकों और सरकार की चिंताओं को चरम पर पहुंचा दिया है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस ताजा भूकंप के बाद फिलहाल कोई सुनामी अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

रविवार सुबह इवाते प्रांत में आया : भूकंप जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, रविवार को आए इस भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत का तटीय इलाका था। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5:21 बजे जब लोग गहरी नींद में थे, तभी धरती तेज झटकों के साथ कांपने लगी। भूकंप का केंद्र जमीन से 40 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। रिपोर्टों के अनुसार, आमोरी प्रांत के हाचिनोहे शहर में भूकंप की तीव्रता काफी अधिक महसूस की गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस घटना में किसी के हताहत होने या जान-माल के बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

4 दिन में 3 बड़े भूकंपों से दहशत : जापान में पिछले 96 घंटों के दौरान भूकंपों का जो सिलसिला शुरू हुआ है, उसने 2011 की भयावह यादें ताजा कर दी हैं। गुरुवार (25 जून) को उत्तरी जापान के इवाते प्रांत में 7.2 तीव्रता का महाविनाशकारी भूकंप आया था। शुक्रवार (26 जून) की रात को टोक्यो और माउंट फूजी के पास यामानाशी प्रांत में 5.6 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। रविवार (28 जून) सुबह एक बार फिर इवाते प्रांत में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया।

शुक्रवार के भूकंप ने मचाई थी तबाही : भले ही रविवार के भूकंप में नुकसान की खबर कम है, लेकिन शुक्रवार रात आए भूकंप ने जापान के कई शहरों को प्रभावित किया था। यामानाशी और कनागावा प्रांतों में कम से कम 6 लोग घायल हुए थे। कनागावा के नाकाई शहर में भारी भूस्खलन हुआ, जबकि फुजियोशिदा में कंक्रीट की दीवारें ढह गई थीं। इस आपदा के कारण करीब 2860 घरों की बिजली गुल हो गई थी और बुलेट ट्रेन सहित कई रेल सेवाओं को घंटों रोकना पड़ा था।

भूकंप के साथ समुद्री तूफान का खतरा : जापान के लिए मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हो रही हैं। मौसम विभाग के प्रमुख अयाताका एबिता ने चेतावनी दी है कि अगले दो-तीन दिनों में एक और बड़े भूकंप की 10% से 20% आशंका बनी हुई है। इसके साथ ही, जापान के मुख्य द्वीप होंशू की तरफ दो ट्रॉपिकल तूफान तेजी से बढ़ रहे हैं। भारी बारिश और खराब मौसम के कारण भूकंप से प्रभावित कमजोर इलाकों में बड़े पैमाने पर लैंडस्लाइड का खतरा पैदा हो गया है।

आफ्टरशॉक्स आने का सिलसिला अभी जारी : प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीएम कार्यालय में क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता मानव जीवन को बचाना है।

प्रशासन ने लोगों को क्षतिग्रस्त इमारतों और पहाड़ों के पास वाली सड़कों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है क्योंकि आफ्टरशॉक्स आने का सिलसिला अभी जारी रह सकता है।

नई दिल्ली। आयुव्रेद और प्राकृतिक चिकित्सा में चमत्कारी औषधि के ''खिताब' से नवाजी गई हल्दी वैज्ञानिकों की भी पसंद बन गई है और उन्होंने अपने शोध में कैंसर, दिल की बीमारी, डिमेंशिया, गठिया एवं सोरायसिस समेत कई बीमारियों की रोकथाम में भारतीय मसालों की इस ''सरताज' को कारगर पाया है।

कैंसर व दिल की बीमारी में भी कारगर : राष्ट्रपति के निजी चिकित्सक पद्मश्री प्रोफसर (डॉ.) मोहसिन वली ने बृस्पतिवार को कहा कि हल्दी का लोहा अब वैज्ञानिक भी मान रहे हैं। रंग में ही नहीं गुणों में भी ''सोना' हल्दी को सर्दी-जुकाम से लेकर कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों से लड़ने में सक्षम पाया गया है।

हल्दी ''प्लाक' नहीं जमने देती : हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. मोहसिन वली ने कहा वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि हल्दी का मुख्य घटक ''करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है बल्कि वह हमारे दिल का सबसे अच्छा दोस्त भी है। करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर ''प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है। क्लॉट बनने से हृद्याघात का गंभीर खतरा हो जाता है। इसके अलावा प्लाक नसों को संकरा बना देता है जिससे खून का प्रवाह बाधित होने लगाता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करे: हल्दी का उचित मात्रा में सेवन करने से हल्दी का यह पीला घटक खराब कोलेस्ट्रॉल को 56 फीसदी तक घटाकर कोलेस्ट्रॉल ऑक्सिडेशन को कम करता है। यह हमारे खून के सीरम ट्राइग्लिसराइड्स स्तर को भी 27 फीसद तक कम करता है। कुल मिलकर यह टोटल कोलेस्ट्रॉल को भी 33.8 फीसद कम करके दिल को मजबूती से धड़कने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें एंटी-इन्फ्लैमटोरी और एंटी-ऑक्सिडेंट गुण भी हैं।

कैंसर और करक्यूमिन का 36 का आंकड़ा है : करक्यूमिन तेजी से बढ़ते कैंसर की कोशिकाओं पर लगाम लगाता है। हल्दी परविदेशों में भी लगातार शोध हो रहे हैं। ब्रिटेन के ''कॉर्क कैंसर रिसर्च सेंटर' में किए गए परीक्षण में करक्यूमिन का प्रयोग में गले की कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में बेहद कारगर पाया गया। डॉ. शैरन मैक्केना और उनकी टीम के अनुसार करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया।

सोरायसिस में कारगर : अमेरिका और ईरान में भी हल्दी पर नए शोध हुए हैं जिसमें करक्यूमिन को सोरायसिस की बीमारी में कारगर पाया गया है। इस संबंध में ''अमेरिकन एकेडमी ऑफ डरमाटोलोजी' और ईरान की फार्मास्यूटीकल रिसर्च पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित हुआ है।

प्रतिदिन हल्दी खाएं : खाने में पांच ग्राम हल्दी रोज आवश्यक है। दूध में उबालकर लेने से इसका बेहतर नतीजा मिलता है। कच्ची हल्दी का रस त्वचा पर लगाने और उसका सेवन करने से सोरायसिस की बीमारी में भी बहुत लाभ मिलता है। यह ऊर्जा देने के साथ खून को साफ रखती है।

गठिया में कारगर : हर बीमारी की शुरुआत इन्फ्लैमेशन से ही होती है और कई तरह के ''धारधार हथियारों से लैस' हल्दी ऐसे दुश्मनों को तो पहले ही पटकनी दे देती है। यह हमारे शरीर से फ्री रेडिकल्स को निकाल बाहर करती है। फ्री रैडिकल्स शरीर के जोड़ों पर सूजन पैदा करते हैं जिससे हमें असहनीय दर्द होता है और कालांतर में जोड़ों को बेहद नुकसान भी पहुंचता है। यह गठिया की बीमारी में भी कारगर है।

दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूढ़ें : भोपाल में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति पीयूष द्विवेदी बताया कि हमने अपने पिछले शोध में हल्दी से दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूढ़ें हैं जो बिना किसी दुष्प्रभाव के कैंसर की कोशिकाओं को तेजी से मारने में सक्षम होगें। सीटीआर-17 और सीटीआर-20 मॉलिक्यूल विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में कारगर साबित हो सकते हैं। हल्दी एंटीसेप्टिक और हीलिंग प्रोपट्रीज पर 12 से अधिक सालों के शोध के बाद इन दो मॉलिक्यूल की खोज हो पाई है। शोध एडवांस स्टेज में है और पूरा होने पर कैंसर के खिलाफ बेहद कारगर हथियार साबित हो सकता है।

अवसाद पीड़ित अधिकतर लोगों का नहीं हो पाता है बेहतर इलाज

विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है, गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है

गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है

लंदन। दुनिया भर में अवसाद से ग्रस्त लगभग लगभग 35 करोड़ लोगों को न्यूनतम उपचार भी प्राप्त नहीं हो पाता है। ''विश्व स्वास्य संगठन' द्वारा 21 देशों के 50,000 लोगों पर करवाए गए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अच्छी स्वास्य सुविधाएं वाले विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है। गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है। अध्ययन के अनुसार गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है। शोध की अगुवाई कर रहे ''किंग्स कॉलेज',लंदन के प्रोफेसर ग्राहम थोरनीक्रोफ्ट ने बताया, अवसाद से ग्रस्त अधिकतर लोगों का इलाज बहुत कम हो पाता है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से आह्वान किया कि मानसिक स्वास्य सेवा में बढ़ोतरी के लिए संसाधन और उपाय बढ़ाने चाहिए ताकि अवसाद से ग्रस्त सभी लोगों का बेहतर इलाज हो सके। ''विश्व स्वास्य संगठन' के अनुसार दुनिया भर में सभी उम्र के लगभग 35 करोड़ लोग अवसाद से ग्रस्त हैं जिससे दुनिया भर में कार्य हीनता की स्थिति बढ़ रही है। अध्ययन में सामने आया है कि हालांकि इस बात को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ रही है कि अवसाद का इलाज हो सकता है और मनोवैज्ञानिक उपचारों और ध्यान लगाकर इसका उपचार किया जा सकता है। यह शोध बृहस्पतिवार को ''ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकिएट्री' में प्रकाशित हुआ है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

लॉफिंग ज़ोन

राकेश (सुनील से)- यार, तुम्हारी बीवी को जब गुस्सा आता था तो वह काटना शुरूकर देती थी. अब काटती है या नहीं?

सुनील (राकेश)- नहीं.

राकेश (सुनील)- क्यों क्या उसे अब गुस्सा नहीं आता?

सुनील (राकेश)- ऐसी बात नहीं है. गुस्सा तो आता है, पर अब दांत नहीं रहे.

☺ ☺ ☺

भाषणकर्ता - धीरज रखना बहुत बड़ा गुण है. इससे बडे-बडे काम हो सकते हैं.....

एक श्रोता - इससे छलनी में पानी नहीं भरा जा सकता.

भाषणकर्ता - क्यों नही भरा जा सकता? सिर्फ पानी के जम जाने तक हमें धीरज रखाना होगा.

☺ ☺ ☺

एक नाई बहुत तेज धार वाले उस्तरे से शेव कर रहा था. उसने ग्राहक से पूछा- आप कितने भाई है?

ग्राहक - तुम्हारे उस्तरे से बच गये तो चार होंगे, वरना तीन ही समझो!

☺ ☺ ☺

मालिक (नए चपरासी से)- तुम्हें मैनेजर ने काम समझा दिया है न?

चपरासी (मालिक से)- जी हां, उन्होंने समझा दिया है कि जब आप दफ्तर में आएं तब मैं उन्हें जगा दिया करुं.

काकुरो पहेली - 736

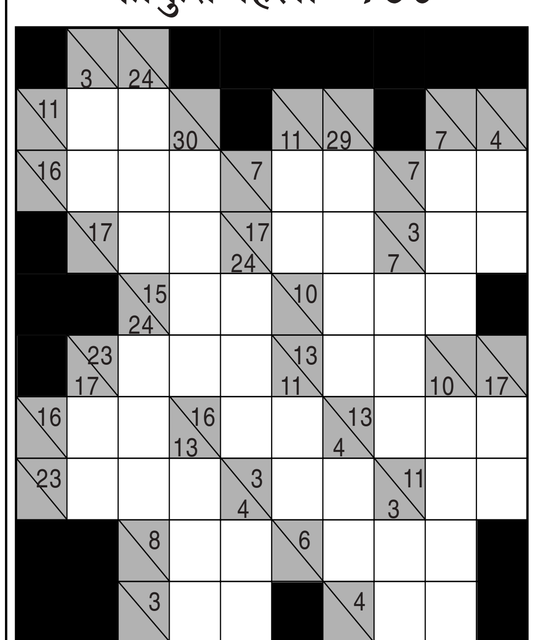

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

11/7	1	2	3	5
1	1+2+3+4+5+6=21			
2	1+2+3+4+5+7=22			
4	3+5+6+7+8+9=38			
	4+5+6+7+8+9=39			

काकुरो - 735 का हल

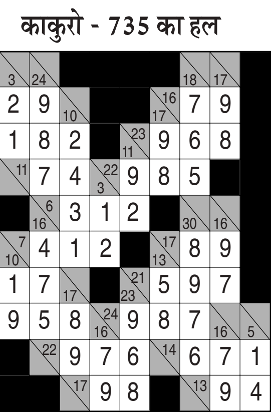

फिल्म वर्ग पहेली- 736

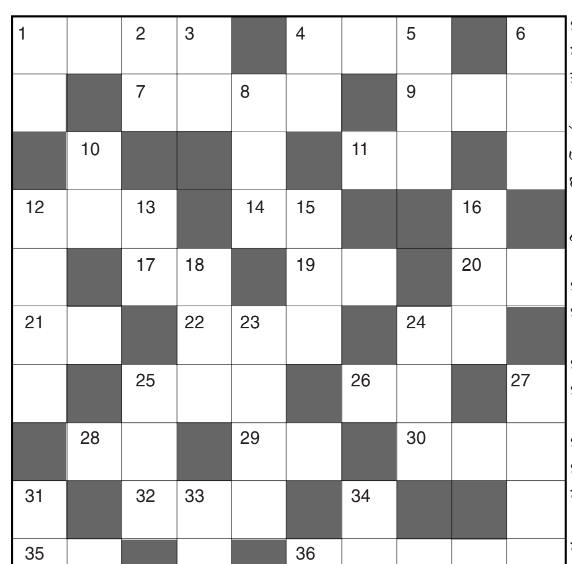

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 735

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रो	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -736

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -735 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 736

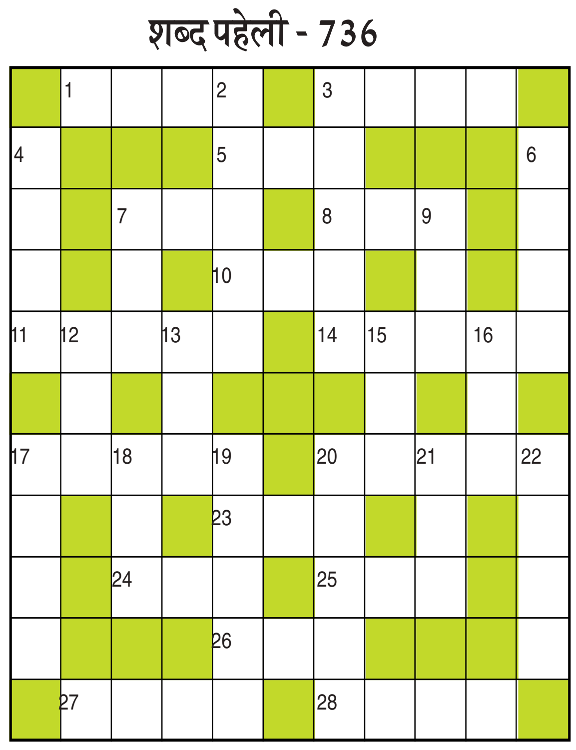

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 735 का हल

क	ल	र	व				मु	का	ब	ला
मी			त	म	त	मा	ना			ज
श	व		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क		न	म	क		ख	रा	ब
	दा	म	न		जा		न	फा		
	न		ख	त		म	न		म	
		सा	रा		आ		द	म	न	
अ	ना	र		र	स	म		त	ह	री
मा	ता		ल	क		सौ	त		र	त
न			च	म	क	दा	र			स
त	क	दी	र				ल	ल	का	र

चंदननगर का जलभरा, जनाई का मनोहरा और बलागढ़ की डिंगी नाव को मिला जीआई टैग

एजेंसी

हुगली। पश्चिम बंगाल की तीन ऐतिहासिक और पारंपरिक धरोहरों– चंदननगर का जलभरा संदेश, जनाई का मनोहरा और बलागढ़ की डिंगी नाव को भारत सरकार की ओर से जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि को बंगाल की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक मिठाई उद्योग और हस्तशिल्प के लिए एक महत्वपूर्ण सम्मान माना जा रहा है। चंदननगर का प्रसिद्ध जलभरा संदेश सबसे पहले वर्ष 1818 में सूर्यकुमार मोदक ने तैयार किया था। कहा जाता है कि इसे पहली बार जमाई षष्ठी के अवसर पर दामाद के साथ मजाक करने के उद्देश्य से बनाया गया था। इस मिठाई के भीतर तरल गुड़ या गुलाब जल भरा होता है, जिसे काटते ही मीठा रस बाहर निकल आता है। जीआई टैग मिलने से मोदक परिवार की इस ऐतिहासिक विरासत और बंगाल की मिठाई परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। हुगली जिले के जनाई का मनोहरा भी अपनी अनूठी बनावट और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। इसे छेना और चीनी से तैयार कर इलायची की सुगंध दी जाती है तथा बाद में गर्म चीनी की चाशनी में डुबोकर इसके ऊपर सख्त चीनी की परत चढ़ाई जाती है। बाहर से कुरकुरा और अंदर से मुलायम यह मिठाई लंबे समय तक सुरक्षित रहती है। जीआई टैग मिलने से अब इसके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचने की संभावनाएं और बढ़ गई हैं।

दिल्ली के दवा खरीद घोटाले में पूर्व डीजीएचएस समेत 2 गिरफ्तार, करोड़ों की गड़बड़ी के आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में दवा, सर्जिकल सामग्री और मेडिकल उपकरणों की खरीद में कथित रूप से करोड़ों के घोटाले की जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डॉ. वत्सला अग्रवाल और सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के तत्कालीन डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स नीरज चोपड़ा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को शनिवार को राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां एसीबी ने पूछताछ के लिए एक दिन की पुलिस रिमांड मांगी। एसीबी के अनुसार, मामले की शुरुआत निदेशालय सतर्कता (विजिलेंस) से मिली शिकायत के बाद हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी के जरिए दवाओं, सर्जिकल कंज्यूमेबल्स, मेडिकल उपकरणों और अन्य चिकित्सा सामग्री की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। आरोप है कि कुछ अधिकारियों ने निजी कंपनियों के साथ मिलीभगत कर टेंडर की शर्तों और तकनीकी मानकों में हेरफेर किया, ताकि चुनिंदा कंपनियों को फायदा पहुंचाया जा सके। इससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। जांच के दायरे में पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, बेडशीट व लिनेन, सी-आर्म रेडियोलॉजिकल उपकरण, एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन, ओआरएस, सर्जिकल सामग्री, दवाइयां और अन्य मेडिकल सामान की खरीद शामिल है।

तिनसुकिया में आतंकी साजिश नाकाम, उल्फा (आई) से जुड़े दो और सहयोगी समेत चार गिरफ्तार

तिनसुकिया (असम)। असम पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। तिनसुकिया जिला पुलिस ने बताया कि इस मामले में अब तक कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक कुमार ने मीडिया को बताया कि 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के सहयोग से लेखापानी थाना क्षेत्र के जागुन में चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान के दौरान उल्फा (आई) के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया था। उनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) तथा स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में हुई है। दोनों वर्ष 2018 में संगठन में शामिल हुए थे और कई आतंकी घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। एसपी के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे तिनसुकिया शहर में नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड हमला करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर इस संभावित हमले को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस साजिश को विफल करने में सफल रहे हैं। जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखी गई है।

सूरत में 'मेगा वृक्षारोपण अभियान' के तहत 25 हजार पौधों का रोपण, सीआर पाटिल ने किया शुभारंभ

सूरत। गुजरात के सूरत में 'मेगा वृक्षारोपण अभियान' के तहत रविवार को केंद्रीय जल शक्तिमंत्री सीआर पाटिल ने 25 हजार पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस मेगा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत सूरत महानगर पालिका के साउथ-ए जोन स्थित टी.पी.एस. नं. 54 (भेस्तान), एफ.पी. नं. 67 में विकसित किए जा रहे 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑक्सीजन पार्क' में केंद्रीय मंत्री पाटिल ने वृक्षारोपण कर अभियान की स्मृति पट्टिका का भी अनावरण किया। सुबह 8 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में नीम, पीपल, बोरसली, शहतूत, अमरूद, आंवला, सीताफल, सहजन सहित 40 से अधिक स्थानीय प्रजातियों के 25,000 पौधों का रोपण किया गया। साथ ही नागरिकों को 5,000 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों को वृक्षारोपण एवं पौधों के संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अभियान में नेचर क्लब सूरत, ग्रीन आर्मी चैरिटेबल ट्रस्ट, सूरत वन फाउंडेशन सहित कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों और पुलिसकर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया।

जन आंदोलन बने नशा मुक्त भारत : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

बेंगलुरु। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बेंगलूरु में एक कार्यक्रम में कहा कि नशे की समस्या केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि शिक्षा, उत्पादकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय विकास के लिए भी गंभीर चुनौती है। उन्होंने आह्वान किया कि शैक्षणिक संस्थान, परिवार, स्वास्थ्यकर्मी, कानून प्रवर्तन एजेंसियां और नागरिक समाज मिलकर नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए कार्य करें तथा 'नो टू ड्रग्स' को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का स्वरूप दें। उपराष्ट्रपति बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरजीयूएचएस) के 31वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित 'नशा मुक्त भारत कॉन्क्लेव' में शामिल हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन आरजीयूएचएस ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और दिशा बोध फाउंडेशन के सहयोग से किया था।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई व्यक्ति स्तर से शुरू होकर समाजव्यापी अभियान में बदलनी चाहिए। नशा मुक्त भारत का अर्थ केवल मादक पदार्थों की अनुपस्थिति नहीं है बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, सही निर्णय लेने की क्षमता, सहयोगी परिवारों और मजबूत समुदायों का निर्माण भी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने मन पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए क्योंकि जब नशा मन पर नियंत्रण कर लेता है तो व्यक्ति अपने जीवन पर नियंत्रण खो देता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नशे की लत के कारण बर्बाद होने वाला प्रत्येक युवा जीवन देश की क्षमता और भविष्य की क्षति है। उन्होंने छात्रों, विशेष रूप से भावी चिकित्सकों, नर्सों, फार्मासिस्टों, मनोवैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों से जागरूकता के दूत बनने का आह्वान किया। युवाओं को नशा उन्मूलन के लिए रोकथाम, उपचार, अनुसंधान और साक्ष्य आधारित नीतियों के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने नशा चिकित्सा, मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहार विज्ञान और सामुदायिक हस्तक्षेपों पर अधिक शोध की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि नीतियों का आधार वैज्ञानिक प्रमाण होने चाहिए और अनुसंधान के निष्कर्षों को नीति निर्माण में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी, परामर्श सेवाओं और सहकर्मी सहायता नेटवर्क के प्रभावी उपयोग की भी वकालत की।

टीम स्पाइडर्स ने फतह किया हिमाचल प्रदेश का हम्पटा पास, 4,270 मीटर की ऊंचाई पर परचम

एजेंसी

पश्चिम बर्दवान। साहस, अनुशासन और टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन करते हुए हीरापुर स्थित एडवेंचर क्लब 'टीम स्पाइडर्स' ने हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हम्पटा पास ट्रैक को सफलतापूर्वक पूरा कर एक नई उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। 23 से 28 जून तक चले इस पांच दिवसीय अभियान के दौरान टीम ने समुद्र तल से लगभग 4270 मीटर (14 हजार 10 फीट) की ऊंचाई तक पहुंचकर समिट फतह किया। हम्पटा पास तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। कठिन मौसम, ऊंचाई, बर्फीले रास्तों और चुनौतीपूर्ण ट्रैकिंग परिस्थितियों के बीच टीम के सदस्यों ने धैर्य और मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए लक्ष्य हासिल किया। समिट के दौरान टीम के सदस्य अपने अभियान के बैनर और तिरंगे के साथ नजर आए और इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। टीम के अनुसार, हम्पटा पास ट्रेक केवल एक साहसिक यात्रा नहीं बल्कि मानसिक मजबूती, शारीरिक तैयारी और आत्मविश्वास की असली परीक्षा है। अभियान के दौरान हर सदस्य ने एक-दूसरे का सहयोग करते हुए टीम भावना का परिचय दिया और कठिन रास्तों को पार किया। इस अभियान में शामिल सदस्यों में सोमनाथ मंडल, सुप्रिया संतकारी, सुबीर संतकारी, दीप अगस्ती, सुदीप धीबर, अभिजीत गराई, विपद तारण दास, सोमनाथ दास तथा देबराज भंडारी शामिल रहे। टीम स्पाइडर्स की इस उपलब्धि को स्थानीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है।

अभिनेता अनुपम खेर ने बंगाल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य से की मुलाकात

एजेंसी

कोलकाता। मशहूर फिल्म अभिनेता, निर्देशक एवं निर्माता अनुपम खेर इन दिनों पश्चिम बंगाल दौरे पर हैं। सूत्रों के अनुसार, वह राज्य में फिल्म निर्देशन और प्रोडक्शन से जुड़े कार्यों के सिलसिले में पहुंचे हैं। अपने दौरे के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुलाकातें कीं। रविवार सुबह उन्होंने कालीघाट मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इसके बाद शाम को उन्होंने शमिक भट्टाचार्य से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान अनुपम खेर ने विधानसभा चुनाव के समय दिए गए शमिक भट्टाचार्य के एक चर्चित बयान का जिक्र किया। उन्होंने मुस्कुराते हुए पूछा कि चुनाव के दौरान आपने कहा था कि 'अनुपम खेर के सिर पर बाल आ सकते हैं, लेकिन दूसरी सरकार नहीं आ सकती' – यह बयान काफी वायरल हुआ था। इस पर शमिक भट्टाचार्य ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि चुनावी माहौल में राजनीतिक भाषणों को लोगों तक अलग तरीके से पहुंचाने के लिए कभी-कभी इस तरह की बातें कही जाती हैं। उन्होंने कहा कि है, लेकिन चुनावी भाषणों का उद्देश्य लोगों का ध्यान आकर्षित करना होता है। बातचीत के दौरान दोनों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला।

अनुपम खेर पश्चिम बंगाल में बेहद लोकप्रिय हैं और राज्य का बच्चा-बच्चा उन्हें पहचानता है। शमिक भट्टाचार्य ने मजाकिया अंदाज में आगे कहा कि राजनीति में कुछ भी संभव मुलाकात के अंत में अनुपम खेर ने शमिक भट्टाचार्य को धन्यवाद दिया और राज्य के विकास एवं बेहतर कार्यों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव का सूरत में भव्य स्वागत

एजेंसी

सूरत। बिहार विकास परिषद एवं अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में डुमस रोड स्थित अग्र एक्जोटिका इम्पीरियल हॉल में नागालैंड के महामहिम राज्यपाल एवं बिहार के वरिष्ठ नेता नंदकिशोर यादव के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बिहार विकास परिषद के अध्यक्ष धर्मेश सिंह, सचिव नीरंजन अग्रवाल सहित परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर महामहिम राज्यपाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टाटनवाला, सचिव बृजमोहन अग्रवाल एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा स्मृति चिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर राज्यपाल नंदकिशोर यादव ने उपस्थित लोगों से आत्मीय संवाद किया। कार्यक्रम में उनके सामाजिक, राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए समाज के गणमान्य नागरिक, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा बिहार और अग्रवाल समाज के सदस्य

वक्ताओं ने उन्हें जनसेवा के लिए समर्पित व्यक्तित्व बताया। समारोह सौहार्दपूर्ण और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं सदस्यों के लिए सुस्वादु भोजन की व्यवस्था की गई।

स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का राष्ट्रीय दर्शन : कश्मीरी लाल

एजेंसी

देहरादून। स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संघटक कश्मीरी लाल ने कहा है कि स्वदेशी केवल आर्थिक अवधारणा नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन का मूल दर्शन है। उन्होंने कहा कि देश को आर्थिक, बौद्धिक और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्थानीय संसाधनों, कौशल, उद्योग और उद्यमिता को बढ़ावा देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उत्तराखंड प्रांत के दो दिवसीय 'प्रांत विचार वर्ग' संपन्न हुआ। इस अवसर पर कश्मीरी लाल ने कहा कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के वर्तमान दौर में भारत को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आत्मनिर्भर बनना होगा। स्वदेशी का अर्थ दुनिया से अलग-थलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमता, संसाधनों और नवाचार के आधार पर एक सशक्त तथा आत्मविश्वासी राष्ट्र का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि बदलते समय की चुनौतियों के अनुरूप 'युगानुकूल स्वदेशी' की अवधारणा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना आवश्यक है, ताकि भारत का विकास मॉडल उसकी अपनी परिस्थितियों, परंपराओं और आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित हो सके। कश्मीरी लाल ने कहा कि स्वदेशी आंदोलन केवल स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग तक सीमित नहीं है,

बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाली जनचेतना का व्यापक अभियान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और घर-घर तक स्वदेशी का संदेश पहुंचाने तथा स्थानीय उत्पादों के उपयोग, कुटीर एवं लघु उद्योगों के संवर्धन और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। युवाओं को उद्यमिता, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़कर देश की आर्थिक शक्ति को मजबूत किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबन केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और रोजगारोन्मुख गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का विचार केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्वाभिमान, सामाजिक समरसता और सतत विकास की आधारशिला है। इसके व्यापक प्रसार से भारत वैश्विक स्तर पर आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान और अधिक मजबूत कर सकता है। दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में स्वदेशी की विकास यात्रा, उद्यमिता विकास, स्वावलंबन केंद्रों की कार्यप्रणाली, स्वदेशी मेलों के आयोजन, संगठन विस्तार, पूर्णकालिक कार्यकर्ता निर्माण, टीम वर्क, संगठन की कार्यपद्धति तथा विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और सरकारी संस्थाओं के साथ समन्वय जैसे विषयों पर 14 सत्र आयोजित किए गए। प्रांत सह संयोजक गौरव कुमार ने कहा कि संगठन समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला, युवा और वरिष्ठ नागरिक आयामों को और अधिक सक्रिय बनाएगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी विचार के व्यापक प्रसार के लिए सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जाएगा।

सूरत में पावर बैंक ब्लास्ट, यूट्यूबर का घर जलकर राख

एजेंसी

सूरत। सोशल मीडिया पर 'लिटिल ग्लव्स' के नाम से मशहूर कंटेंट क्रिएटर और यूट्यूबर शिवानी कपिला के सूरत के जहांगीरपुरा स्थित घर में पावर बैंक ब्लास्ट होने से भीषण आग लग गई। इस हादसे में उनके यूट्यूब के प्रतिष्ठित डायमंड, गोल्डन और सिल्वर प्ले बटन, महंगे सामान और लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। शिवानी ने अपने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में बताया कि घटना के समय वह अपनी सास को तेज बुखार के कारण अस्पताल लेकर गई थीं। घर पर उनके पिता मौजूद थे। इसी दौरान बेडरूम में चार्जिंग पर लगे एक वायरलेस पावर बैंक में अचानक विस्फोट हो गया, जिससे पूरे कमरे में आग फैल गई। उन्होंने बताया कि जब उन्हें आग लगने की सूचना मिली तो पहले लगा कि मामूली घटना होगी, लेकिन घर पहुंचकर देखा कि पूरा कमरा जल चुका था। आग इतनी भीषण थी कि कमरे में लगा एयर कंडीशनर तक पिघल गया। उनके महंगे कपड़े, बैग, एक्सेसरीज़, अलमारी, बेटी आध्या की बचपन की यादें और यूट्यूब से मिले डायमंड, गोल्डन और सिल्वर प्ले बटन भी आग की भेंट चढ़ गए।

पालतू डॉग 'कोको' का चमत्कारिक बचाव

हादसे के समय शिवानी का पालतू डॉग 'कोको' भी उसी कमरे में बंद था। कमरे में एसी चलने के कारण उसे वहीं रखा गया था। आग लगने के बाद शिवानी के पिता और उनके मैनेजर राजीव ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया और धुएं के बीच से कोको को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कोको को केवल हल्की चोट और कुछ बाल झुलसने के अलावा कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ।

वीडियो में भावुक होकर शिवानी ने कहा कि उन्होंने एक मध्यमवर्गीय परिवार से निकलकर अपनी मेहनत और वर्षों की कमाई से अपने सपनों का घर बनाया था, लेकिन एक पावर बैंक ब्लास्ट ने उनकी पूरी दुनिया उजाड़ दी। उन्होंने कहा, एक-एक तिनका जोड़कर बनाया मेरा सपना मेरी आंखों के सामने राख हो गया।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एआई-सक्षम 'रूरल इंटरनल ऑडिट पोर्टल' किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रौद्योगिकी आधारित सुशासन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए एआई-सक्षम 'रूरल इंटरनल ऑडिट पोर्टल' लॉन्च किया है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां पूसा परिसर में आयोजित 'राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन' में इस पोर्टल का शुभारंभ किया। यह देश का पहला एकीकृत डिजिटल मंच है, जो जोखिम आधारित (रिस्क-बेस्ड) और अनुपालन आधारित (कम्प्लायंस) दोनों प्रकार के आंतरिक ऑडिट के संपूर्ण प्रबंधन को एक ही प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराएगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बताया कि पारंपरिक ऑडिट व्यवस्था को आधुनिक बनाने और उभरती डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाने के उद्देश्य से इस पोर्टल का विकास किया गया है। मुख्य नियंत्रक लेखा (सीसीए) कार्यालय की परिकल्पना और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के सहयोग से विकसित यह पोर्टल मंत्रालय की डिजिटल गवर्नेंस यात्रा में महत्वपूर्ण

उपलब्धि माना जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, रूरल इंटरनल ऑडिट पोर्टल ने आंतरिक ऑडिट की कागज आधारित और बिखरी हुई प्रक्रिया को समाप्त कर उसे डेटा आधारित, पारदर्शी और तकनीक समर्थ प्रणाली में बदल दिया है। इसमें ऑडिट योजना, क्रियान्वयन, रिपोर्टिंग, अनुपालन प्रबंधन, निगरानी और विश्लेषण जैसी सभी प्रक्रियाओं को एकीकृत किया गया है। इससे ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की निगरानी अधिक प्रभावी और जवाबदेह बन सकेगी। मंत्रालय ने बताया कि इस पोर्टल की अवधारणा पारंपरिक ऑडिट प्रक्रियाओं में मौजूद चुनौतियों को दूर करने के लिए विकसित की गई थी। पहले ऑडिट रिकॉर्ड अलग-अलग स्थानों पर बिखरे रहते थे, पत्राचार मैनुअल होता था, रिपोर्टिंग में देरी होती थी और पुराने ऑडिट रिकॉर्ड का विश्लेषण करना कठिन होता था। केंद्रीकृत डाटा भंडार के अभाव में बार-बार सामने आने वाली अनियमितताओं और जोखिमों की पहचान भी चुनौतीपूर्ण थी। इन समस्याओं के समाधान के लिए मंत्रालय ने ऑडिटरों, कार्यक्रम प्रभागों, क्षेत्रीय अधिकारियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श कर एक समग्र डिजिटल मंच विकसित किया।

इसका पायलट प्रोजेक्ट एक अप्रैल 2025 को उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में शुरू किया गया था। पायलट परियोजना की सफलता के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से विस्तारित किया गया और अक्टूबर 2025 से इसके सभी प्रमुख मॉड्यूल पूरी तरह संचालित होने लगे। मंत्रालय के अनुसार, यह पोर्टल अब ऑडिट योजना तैयार करने, अनुमोदन, ऑडिट टिप्पणियां दर्ज करने, कार्रवाई प्रतिवेदन (एटीआर), पैरा निस्तारण और अभिलेख संरक्षण तक पूरे ऑडिट चक्र का प्रबंधन करने में सक्षम हो चुका है।

दुनिया को समग्र दृष्टिकोण देना भारत की जिम्मेदारी : डॉ मोहन भागवत

एजेंसी

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा हैकि आज विश्व जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनका समाधान भारत की समग्र एवं समन्वित दृष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि विश्व की विभिन्न विचारधाराएं अपने-अपने अनुभवों पर आधारित हैं और उनका अपना महत्व है, लेकिन वे आंशिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं। ऐसे में संपूर्ण समाधान के लिए दुनिया को भारत के विचार को सुनना ही होगा।

डॉ भागवत बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग अंतरराष्ट्रीय केंद्र में भारतीय शिक्षण मंडल (बीएसएम) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन : भारतीय ज्ञान प्रणाली का समावेशन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन का मूल सिद्धांत 'अनेकता' है, जो सभी दृष्टिकोणों का सम्मान करता है।

सत्य किसी एक विचार तक सीमित नहीं है। वाद-विवाद के बजाय शास्त्रार्थ और विचार-विमर्श के माध्यम से सभी विचारों के सार को ग्रहण करना भारतीय परंपरा की विशेषता है। डॉ भागवत ने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल का कार्य केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय मूल्यों, संस्कृति और मानव-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने का एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार या आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध संस्था नहीं है। शिक्षा जैसे कार्य राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठकर स्वतंत्र रूप से किए जाने चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी समाजहित के कार्य राजनीति से अलग रहकर किए गए थे। इस अवसर पर डॉ मोहन भागवत ने भारतीय शिक्षण मंडल की नई वेबसाइट का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय शिक्षा की अवधारणा और विचारों को शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा आम नागरिकों तक डिजिटल माध्यम से व्यापक रूप से पहुंचाने में मदद मिलेगी।समापन समारोह में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद जोशी, अखिल भारतीय महासचिव डॉ. भरतशरण सिंह सहित देशभर से आए लगभग 380 शिक्षाविद्, प्राध्यापक, शोधकर्ता एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सिंधिया ने मप्र के गुना को दी तीन सड़क परियोजनाओं की सौगात, किया लोकार्पण

एजेंसी

गुना। केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्व क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश के गुना जिले में क्षेत्रवासियों को 11.64 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित तीन सड़क परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने बूढ़े बालाजी से हनुमान टेकरी पहुंच मार्ग (व्हाइट टॉपिंग) 1.88 किलोमीटर (लागत 3.87 करोड़ रुपये), ग्राम बरखेड़ाहाट विद्युत फीडर से दुरदुरू तक 4.30 किलोमीटर लंबे मार्ग (लागत 5.52 करोड़ रुपये) तथा महूगढ़ा फाटक से बमौरी बुजुर्ग तक 2.20 किलोमीटर लंबे मार्ग (लागत 2.25 करोड़ रुपये) का लोकार्पण किया। इन तीनों कार्यों पर कुल 11.64 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है। कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन के साथ हुई। इन सड़क परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को वर्षभर सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। विद्यार्थियों को स्कूल एवं महाविद्यालय तक पहुंचने में आसानी होगी, किसानों को अपनी कृषि उपज मंडियों तक कम समय में पहुंचाने का लाभ मिलेगा तथा आसपास के गांवों के नागरिकों की जिला एवं तहसील मुख्यालय, अस्पतालों एवं शासकीय कार्यालयों तक पहुंच और अधिक सुगम होगी।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि टेकरी सरकार केवल गुना जिले का ही नहीं, बल्कि पूरे ग्वालियर-चंबल संभाग की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यह प्रदेश और देशभर के श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र के रूप में और विकसित होगा। उन्होंने कहा कि वे प्रतिवर्ष टेकरी सरकार के दर्शन के लिए आते रहे हैं और भगवान हनुमान से क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हैं।उन्होंने कहा कि पिछले 22 वर्षों में टेकरी सरकार के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था निरंतर बढ़ी है। जहां पहले दो से तीन हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, वहीं अब हनुमान जयंती के अवसर पर 5 लाख श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। उन्होंने इसे देश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रमाण बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिली है। काशी विश्वनाथ, महाकाल लोक, केदारनाथ, बद्रीनाथ और सोमनाथ जैसे तीर्थस्थलों के पुनर्विकास ने देश की आध्यात्मिक शक्ति को विश्व पटल पर स्थापित किया है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 88 हितग्राहियों के स्वामित्व पट्टे स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 14 हितग्राहियों को कार्यक्रम में पट्टों का वितरण किया गया।

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता

- साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया, टॉप-16 में पहुंची, इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

कनाडा के कोच जेसी ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

डेविस की वापसी से बढ़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्वियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

साउथ अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्रिकेट क्वालिफिकेशन सिस्टम को मिली मंजूरी

लाजेन (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। आईओसी के एग्जीक्यूटिव बोर्ड (ईबी) की मंजरी के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम अब जारी कर दिया गया है तथा सर्फ़िगं क्वालिफिकेशन सिस्टम में भी अपडेट किया गया हैं।

128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जहां पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 प्रारुप में 6-6 टीमें स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। जो प्रशंसक इस रोमांच का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे अगस्त में होने वाले अगले लॉस एंजिल्स 2028 टिकट सेल के लिए आधिकारिक रू-28 वेबसाइट पर साइन अप कर सकते हैं जिन लोगों ने अभी तक साइन अप नहीं किया है उनके लिए रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई 2026 तक खुला रहेगा।

दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने शानदार वापसी करते हुए जीती विमेंस पीजीए चैंपियनशिप

मिनेसोटा (अमेरिका) (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने 10- स्ट्रोक के भारी अंतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए केपीएमजी विमेंस पीजीए चैंपियनशिप अपना पहला मेजर खिताब जीता। हेजलटाइन नेशनल गोल्फ क्लब में रविवार को एलपीजीए की 2023 'रूकी ऑफ द ईयर' रयू ने पहले राउंड के बाद 10 शॉट्स से पिछड़ने के बावजूद जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 1964 में कैरोल मान के बनाए टूर के इतिहास में सबसे बड़ी वापसी के रिकॉर्ड की बराबरी की और 13-अंडर 275 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। उन्होंने अपनी ही देश की यूं इना को दो स्ट्रोक्स से हराया। इस जीत के साथ वह पिछले कम से कम 60 वर्षों में किसी मेजर में पहले राउंड के बाद 10 से अधिक शॉट्स के नुकसान से उबरकर खिताब जीतने वाली पहली गोल्फर बन गई है। आखिरी तीन राउंड में रयू का स्कोर 14-अंडर रहा, जो मिनेसोटा के हेजलटीन नेशनल गोल्फ़ क्लब में बाकी खिलाड़ियों से कम से कम छह शॉट्स बेहतर था। 25 साल की रयू, पिछले 12 सालों में यह टूर्नामेंट जीतने वाली दक्षिण कोरिया की छठी गोल्फर हैं। रयू के शानदार प्रदर्शन ने नेल्ली कोडर को सीजन की शुरुआत में लगातार तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने से रोक दिया। आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा, और वह विजेता से सात स्ट्रोक्स पीछे रहीं। कनाडा की ब्रुक हेंडरसन और नीदरलैंड की डेवी वेबर 10-अंडर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

एशिया जूनियर चैंपियनशिप

हांगकांग से हारकर भारत का सफर थमा, क्वार्टर फाइनल में निराशा

यत्सुशिरो (एजेंसी)। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। जापान के यत्सुशिरो में खेले गए मुकाबले में हांगकांग ने भारत को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अगले दो मुकाबलों में बढ़त कायम नहीं रख सका। देव रूपारेलिया, तन्वी पत्री और अन्य युवा खिलाड़ियों ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में हांगकांग की टीम ज्यादा मजबूत साबित हुई।

क्वार्टर फाइनल में भारत को मिली हार - सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया, जबकि हांगकांग ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली।

देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री ने दिलाई शानदार शुरुआत -भारत की ओर से पहले मुकाबले में देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 55-44 से अपने नाम कर मुकाबले में शानदार शुरुआत की। हालांकि दूसरे गेम में हांगकांग के कैन यी हेई ने रूपारेलिया पर दबाव बनाया और 11-8 से जीत दर्ज की। इसके बाद आईपी सुम याउ ने भी बढ़त हासिल करते हुए स्कोर 22-16 कर दिया। निर्णायक गेम में रूपारेलिया ने वापसी करते हुए चान को 11-9 से हराया, लेकिन आईपी सुम याउ ने 22-21 की मामूली बढ़त बनाए रखकर हांगकांग को मुकाबले में बनाए रखा।

दूसरे मुकाबले में कड़ी टक्कर के बावजूद मिली हार - अगले मैच में भारत के ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया का सामना चियुंग साइ शिंग और विंग चि चू से हुआ। मुकाबला काफी रोमांचक रहा और एक समय स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए टीम को 33-32 की बढ़त दिलाई, लेकिन हांगकांग की जोड़ी ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में मोड़ लिया।

आखिरी मुकाबले में नहीं बचा सके भारत की उम्मीदें

निर्णायक मुकाबले में भारत की तन्वी रेड्डी और बरूनी पर्शवाल से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्हें चू और यी किेयू यू की जोड़ी के खिलाफ 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया और हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दम, लेकिन अधूरा रह गया सपना

भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में कई शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन क्वार्टर फाइनल में टीम निर्णायक मौकों का फायदा नहीं उठा सकी। इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत जरूर दिए।

यूएसओपन 2026

किदांबी श्रीकांत का खिताब जीतने का सपना टूटा, फाइनल में सु ली यांग से हार

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत एक बार फिर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीतने से चूक गए। अमेरिका के फुलर्टन में खेले गए यूएस ओपन 2026 के फाइनल में उन्होंने शानदार संघर्ष किया, लेकिन चीनी ताइपे के युवा खिलाड़ी सु ली यांग ने उन्हें तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

यूएस ओपन 2026 के फाइनल में श्रीकांत को मिली हार - पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के 24 वर्षीय सु ली यांग के खिलाफ 21-15, 16-21, 21-9 से हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे नौ मिनट तक चले इस मुकाबले में श्रीकांत ने दमदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह लय बरकरार नहीं रख सके। इस हार के साथ उनका बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब का इंतजार और लंबा हो गया।

तीसरे गेम में युवा खिलाड़ी ने पलट दी बाजी - निर्णायक गेम में शुरुआत में श्रीकांत मुकाबले में बने रहे और स्कोर 9-7 तक पहुंचा। इसके बाद सु ली यांग ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच पर पूरी पकड़ बना ली। लंबे मुकाबले का असर श्रीकांत की फिटनेस पर भी दिखाई दिया और अंततः उन्हें 21-9 से गेम गंवाकर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद खिताब फिर दूर - भले ही श्रीकांत ट्रॉफी जीतने में सफल नहीं रहे, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उम्मीद जगाने वाला रहा। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने कई मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और यह दिखाया कि वह अब भी बड़े मंच पर चुनौती पेश करने की क्षमता रखते हैं।

पहले गेम में सु ली यांग का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत से ही सु ली यांग ने आक्रामक खेल दिखाया और जल्दी ही 10-5 की बढ़त बना ली। हालांकि श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने दिखाई शानदार वापसी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 15-13 तक बेहद करीबी रहा, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने अपना अनुभव दिखाते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और 20-13 की बढ़त बना ली। उन्होंने चौथे गेम प्वाइंट पर गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया।

हरियाणा के योगेश कोहली को बड़ी जिम्मेदारी

ऑस्ट्रिया कप के लिए भारतीय सीनियर टेनिस टीम के कप्तान बने

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार के वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली को वर्ष 2026 आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर ऑस्ट्रिया कप सीनियर के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है. यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक इटली के रोम में आयोजित होगी. इस टूर्नामेंट में योगेश कोहली भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक दशक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शनः योगेश कोहली पिछले करीब 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं. वर्ष 2016 से वह लगातार आईटीएफ मास्टर्स टेनिस सर्किट में शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं. उनकी निरंतर सफलता और बेहतरीन खेल के दम पर एकल वर्ग में उनकी विश्व रैंकिंग 34वीं है, जो भारतीय सीनियर टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

करियर में जीते 19 अंतरराष्ट्रीय खिताबः योगेश कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक एकल वर्ग में 6 और युगल वर्ग में 13 अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए हैं. उनकी लगातार शानदार उपलब्धियों ने उन्हें भारतीय सीनियर टेनिस के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 2025 रहा सबसे यादगार सालः योगेश कोहली के लिए वर्ष 2025 बेहद खास रहा. उन्होंने एक ही साल में एकल और युगल वर्ग को मिलाकर रिकॉर्ड 10 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर नया कीर्तिमान बनाया. इस शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत को पदक दिलाने का लक्ष्यः भारतीय टीम के कप्तान बनाए जाने पर योगेश कोहली ने खुशी जताई. उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों, सहयोगियों और समर्थकों को दिया. उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना और भारतीय टीम की कप्तानी करना उनके लिए गर्व की बात है ।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा

- जब डिफेंडिंग चैंपियन को ग्रुप स्टेज से ही लौटना पड़ा घर
- न्यूजीलैंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड का खराब सफर आखिरकार खत्म हो गया, क्योंकि 'द ओवल' में इंग्लैंड से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए. इस हार के साथ ही यह टूर्नामेंट के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया हो. टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के कारण डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया. 'द ओवल' में अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में इंग्लैंड से नौ विकेट से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए.

वर्ल्ड कप के इतिहास में दुर्लभ घटना - न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली दूसरी टीम बन गई है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से बाहर हुए. 'ब्लैककैप्स' (न्यूजीलैंड टीम) से पहले, 2016 का टूर्नामेंट जीतने के बाद वेस्टइंडीज 2018 के एडिशन में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी. गौरतलब है कि 10 एडिशन में से ऐसा सिर्फ दो बार हुआ है।

डैनी वायट-हॉज ने लगाई फिफ्टी -इंग्लैंड की डैनी वायट-हॉज ने मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड टीम को टूर्नामेंट से बाहर करने में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था. सोफिया डंकली ने भी अहम योगदान दिया और 38 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए. दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 128 रनों की साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 164 रनों के लक्ष्य को 17.2 ओवर में चेज करके न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हरा दिया। इससे पहले मैच में, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 163/6 पर रोक दिया, जिसमें मेली केर (42) बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं. डैनी गिब्सन ने दो विकेट लिए, जबकि लॉरेन बेल और फ्रेया केम्प ने एक-एक विकेट लिया।

महिला टी20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल - इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ग्रुप 2 से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, और बाकी दो सेमीफाइनलिस्ट का फैसला आज होगा. बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत मैचों के नतीजों के आधार पर जगहें तय होंगी. ग्रुप स्टेज का आखिरी दिन तीन टीमों के लिए बहुत अहम साबित हुआ है, क्योंकि इससे 'लास्ट फोर' (अंतिम चार) में उनकी जगह तय होगी।

आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से दी मात

पहली बार सीरीज जीतकर रचा इतिहास

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से हराकर दो मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम कर ली है. बेलफास्ट में खेले गए दूसरे मैच में मेजबान टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए. जिसमें हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 47 गेंद में 56 रनों की पारी खेली. वहीं भारत की तरफ से अपना पहला टी20 मैच खेल रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके. उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया. इसके अलावा अर्शदीप और दुबे को 2-2 विकेट मिले, जबकि हर्षित राणा एक विकेट लेने में सफल रहे।

154 रनों के जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी. जिसकी वजह से उन्हें एक रनों से हार का सामना करना पड़ा. मैच में भारतीय बल्लेबाजी ने एक बार फिर सबको निराश किया ।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

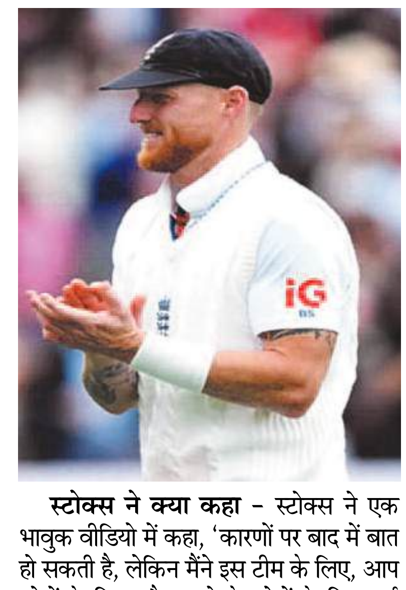

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है. इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है. इंग्लैंड टीम ने टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बीच में यह जानकारी दी. इसके साथ ही स्टोक्स के 15 साल के करियर पर विराम लग जायेगा जिसमें वह 2019 वनडे विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत के नायक रहे. वह टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली इंग्लैंड टीम के भी अहम सदस्य थे और उसी साल टेस्ट कप्तान बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद नाइट क्लब घटना के बाद अनुशासनात्मक कारणों से 35 साल के इस ऑलराउंडर को दूसरे टेस्ट से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड क्रिकेट ने क्या कहा - इंग्लैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड के अब तक के सबसे महान कप्तानों में से एक, बेन स्टोक्स ने इस टेस्ट मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है. बेन, आप इस टीम के लिए सबसे प्रेरणादायक कप्तान, लीडर और लेजेंड रहे हैं, जिसकी टीम कभी उम्मीद कर सकती थी. हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और आपके रिटायरमेंट के लिए आपको शुभकामनाएं देते हैं।'

स्टोक्स ने क्या कहा - स्टोक्स ने एक भावुक वीडियो में कहा, 'कारणों पर बाद में बात हो सकती है, लेकिन मैंने इस टीम के लिए, आप लोगों के लिए और पहले के लोगों के लिए कई बार अपना सब कुछ झोंका है, और मुझे एक बार और ऐसा करना है. मैं बस यही चाहता हूं. हमें बहुत मेहनत करनी है, और मैं बस यही चाहता हूं कि नतीजे की परवाह किए बिना, मैं उस मैदान से यह जानते हुए बाहर निकलूं कि इस ग्रुप ने पिछले दो दिनों में अपना सब कुछ दिया है. मैं बस यही चाहता हूं कि हर कोई न केवल मेरे लिए, स्वार्थी होकर, बल्कि इस टीम के लिए भी अपना सब कुछ दे ।

क्या जूनियर एनटीआर की फिल्म में विलेन बनेंगे शाहिद?

शाहिद कपूर के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। शाहिद ने अपनी सुपरहिट वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन को लेकर कई अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। शाहिद ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ लाइव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'फर्जी 2' को लेकर कई अहम जानकारी दी। शाहिद ने बताया कि 'फर्जी' के दूसरे सीजन का काम लगभग पूरा हो चुका है और यह सीरीज अगले साल रिलीज हो सकती है। इस साल मार्च में शाहिद ने शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने निर्देशक जोड़ी 'राज और डीके' के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा, 'यह लोग फिर से सक्रिय हो गए हैं।' मेकर्स ने भी सोशल मीडिया पर नोटों के ढेर की तस्वीर शेयर कर 'दूसरे राउंड' की पुष्टि की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहिद कपूर जल्द ही साउथ सिनेमा में कदम रख सकते हैं। चर्चा है कि वे जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'ड्रैगन' में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रशांत नील कर रहे हैं। पहले इस रोल के लिए साउथ स्टार टोविनो थॉमस से बात चल रही थी, लेकिन उनके हटने के बाद अब मेकर्स शाहिद कपूर से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर

टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में है। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।''

एकता कपूर ने कहा, ''पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए। इस बार शो का डिजाइन और प्रस्तुति दोनों में बड़ा बदलाव किया गया है। अगर पुराने फॉर्मेट को ही बनाए रखा जाता, तो नए सीजन की ताजगी और नया अनुभव दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता।'' गौरतलब है कि पहले सीजन में कंगना रनौत ने शो को होस्ट किया था, जबकि अभिनेता करण कुंद्रा को जेलर की भूमिका में देखा गया था। इस सीजन के विजेता कमीडियन मुनव्वर फारुकी बने थे। शो का कॉन्सेप्ट जेल-स्टाइल सेटअप पर आधारित था, जहां कंटेस्टेंट्स को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होते थे। नए सीजन की बात करें, तो इस बार शो में 14 कंटेस्टेंट्स होंगे, जिनके साथ दो जेलर भी शामिल किए जाएंगे। शो की अवधि भी तय कर दी गई है और यह लगभग 6 हफ्तों तक चलेगा। नियमों के अनुसार, कंटेस्टेंट्स को इस बार भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होंगे और उसी के आधार पर उन्हें इन-शो करेंसी और सुविधाएं मिलेंगी। नए सीजन के लिए कई नए नामों की भी घोषणा की गई है। इस बार अभिनेता राम कपूर, अभिनेत्री शिवांगी जोशी और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी पामेला सेरेना जैसे चेहरे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा इस बार शो में जेलर की भूमिका रितेश देशमुख और फराह खान निभाएंगे। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

'बिलेनियर' में विजय माल्या से प्रेरित होगा अर्जुन रामपाल का किरदार

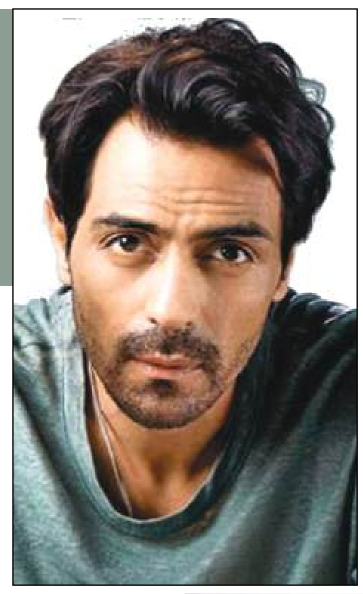

अभिनेता अर्जुन रामपाल वेब सीरीज 'बिलेनियर' को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज की घोषणा के बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें उनका किरदार कारोबारी विजय माल्या या ललित मोदी से प्रेरित हो सकता है। अब सीरीज की मेकर प्रभलीन संधू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। प्रभलीन संधू ने बताया कि वह 'बिलेनियर' का निर्माण कर रही हैं, जबकि इसका निर्देशन हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल मिलकर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्जुन रामपाल का किरदार कुछ हद तक विजय माल्या से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह उनके जीवन पर बेस्ड नहीं है। प्रभलीन ने अर्जुन रामपाल के साथ काम करने को लेकर खुशी भी जताई।

उन्होंने कहा कि हालिया सफलता के बाद उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और पूरी टीम उनके साथ काम करके उत्साहित है। फिल्म का निर्माण ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। इसकी पटकथा अनुभव चोपड़ा और शांतनु सागर ने लिखी है।

वेदांग रैना की नई फिल्म में प्रगति श्रीवास्तव की एंट्री

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी खुशाली कुमार की 'दुल्हनिया ले आएगी'

अभिनेत्री खुशाली कुमार की आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमारी सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं। इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगड़ियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दुल्हनिया ले आएगी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

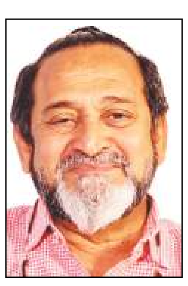

इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं। हालांकि, फिल्म के टाइटल और शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह एक पारिवारिक ड्रामा होगी। इसमें रिश्तों, त्योहारों, शादी के जश्न और अचानक पैदा होने वाली मजेदार परिस्थितियों को दिखाया जाएगा। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन के साथ-साथ इमोशनल पल भी होंगे।

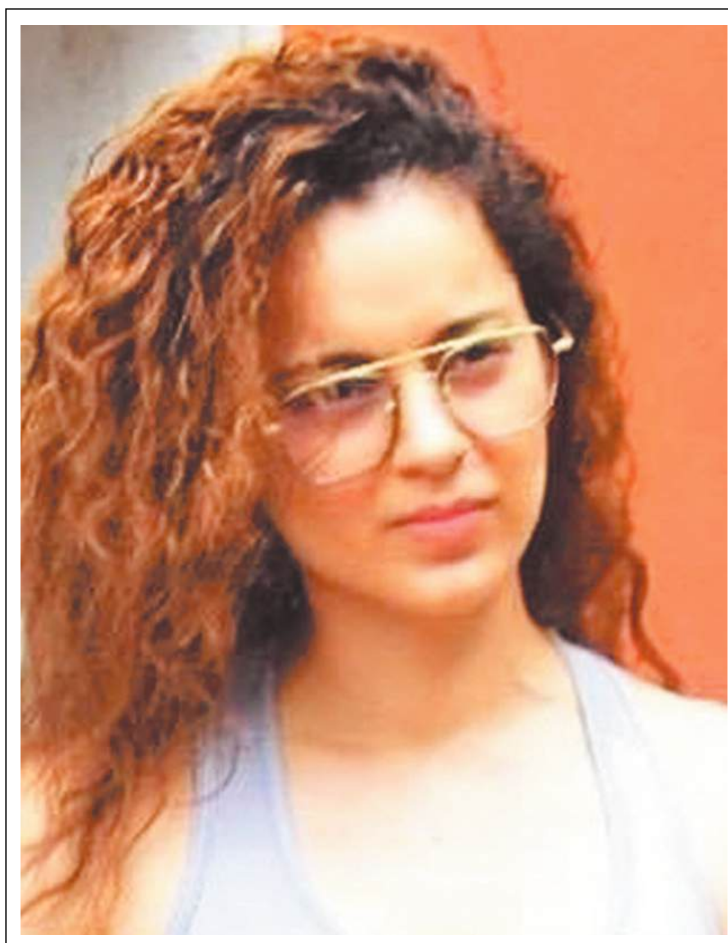

कल्चर बुलिंग का ही रूप है बॉलिवुड बैन

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुकी कंगना करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजरीं, मगर एक अभिनेत्री और राजनेता के रूप में उन्होंने हमेशा लोगों का प्यार पाया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता से। यहां वे हमेशा की तरह कई मुद्दों पर खुलकर बातें करती हैं।

ऐसा साथी चाहती हूं, जो मुझे उपलब्धि की तरह देखे

सोशल मीडिया पर कंगना रनौत के मंगलसूत्र वाले लुक के बाद उनकी शादी को लेकर खूब अटकलें लगी थीं, हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि वह उनकी फिल्म का हिस्सा था। जब हमने उनसे शादी और जीवनसाथी को लेकर सवाल किया, तो वे ठहाका लगाते हुए बोलीं, 'मुझे पता था कि यह सवाल जरूर आएगा। आपने तीन-चार साल पहले भी मुझसे पूछा था कि वह कौन-सा धुरंधर होगा जिससे मैं शादी करूंगी। वैसे 'धुरंधर' शब्द मैंने पहली बार आपसे ही सुना था।' शादी को लेकर कंगना का नजरिया बेहद स्पष्ट है। वह कहती हैं, 'मेरा विवाह संस्था में गहरा विश्वास है, लेकिन मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी एक टाइमिंग होती है।'

इंसान चीजें पीछे छोड़ देता है

कंगना ने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तब मेरी मां पूछती थीं कि आखिर मैं करियर के पीछे इतनी क्यों भाग रही हूं। मेरे लिए यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता का सवाल नहीं था। मुझे लगता था कि मेरी ग्रोथ ऐसी होगी कि शायद किसी के साथ एडजस्ट करना मुश्किल हो जाए। लेकिन अब मुझे लगता है कि जो भी मेरी जिंदगी में आए, वह मुझ पर गर्व करे। उम्र के एक मुकाम पर पहुंचकर इंसान बहुत-सी चीजों को पीछे छोड़ देता है और फिर अपने सुकून और कंफर्ट को महत्व देने लगता है। आज मैं ऐसा जीवनसाथी चाहती हूं, जो मेरे कंफर्ट जोन को समझे और मुझे एक उपलब्धि की तरह देखे।'

बॉलिवुड बैन कल्चर बुलिंग का ही रूप है

हाल ही में रणवीर सिंह को मिले नॉन-कॉपरेटिव नोटिस के मुद्दे पर उनका समर्थन करने वाली कंगना रनौत ने बॉलिवुड के 'बैन कल्चर' पर भी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में गुटबाजी पहले भी थी, लेकिन अब यह खुलकर सामने आने लगी है। कई कलाकार इस पर बात कर चुके हैं। ऐश्वर्या राय ने भी कहा था कि एक समय उनकी पांच साल की डायरी अचानक खाली हो गई थी। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां कलाकारों ने अपने साथ हुए ग्रुपिज्म और बहिष्कार का जिक्र किया है।' कंगना ने आगे कहा, 'ग्रुपिज्म हर जगह होता है, लेकिन जब यह किसी के करियर को प्रभावित करने लगे तो यह बुलिंग का रूप ले लेता है। जिस तरह स्कूलों में बुलिंग के खिलाफ नियम होते हैं, उसी तरह इंडस्ट्री में भी ऐसी प्रवृत्तियों पर रोक लगनी चाहिए।'

महिलाओं को सेक्सुअलिटी के दायरे में देखा जाता है

वह आगे कहती हैं, 'सबसे हैरानी की बात यह है कि महिलाओं को लगातार उनकी सेक्सुअलिटी के दायरे में ही देखा जाता है। उनकी उम्र का भी लिहाज नहीं किया जाता। 60 या 70 साल की महिला के खिलाफ भी अपमानजनक और यौन संकेतों वाले मीम्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह सिर्फ हमारे देश में नहीं, बल्कि उन देशों में भी होता है जिन्हें हम अधिक खुले और प्रगतिशील समाज मानते हैं।' महिलाओं के पहनावे और व्यक्तित्व को लेकर बनने वाली धारणाओं पर भी कंगना सवाल उठाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर कोई महिला अच्छा दिखना चाहती है, सजती-संवरती है, तो उसके बारे में तरह-तरह की बातें बनाई जाती हैं। लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ पुरुषों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही है। मैंने यह सोच लगभग हर समाज में देखी है। किसी के सजने-संवरने या आत्मविश्वास के साथ खुद को प्रस्तुत करने को उसके चरित्र से जोड़ना बेहद गलत है। दुर्भाग्य से ऐसा आज भी होता है और इसमें बदलाव आना चाहिए।'

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैंकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

पैरेंट्स डायरी

हर कीमत पर बच्चे की मदद को तैयार रहें। उसकी शारीरिक-भावनात्मक स्थिति पर नजर रखें और प्रोफेशनल की मदद लेने को भी तैयार रहें। ताकि बच्चा अवसाद से न घिरे।

उसे भावनात्मक लगाव और सहयोग दें। उसकी बातें सुनें, आलोचना न करें और उनसे लगातार संवाद बनाएं रखें।

उसे अधिकाधिक सूचनाएं दें। लाइब्रेरी की सदस्यता दिलाएं, स्पोर्ट्स क्लब जॉइन कराएं, दोस्तों से मिलने-जुलने को प्रेरित करें, इंटरनेट पर दिलचस्प जानकारियां लेने को कहें, सामाजिक संस्था से जोड़ें।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।

उचित मार्गदर्शन, प्यार, विश्वास और धैर्य के साथ बेझिझक बातचीत करते हुए बच्चे के मन की बात जानना बेहद जरूरी है ताकि वह हर बात को बिना किसी डर के आपके समक्ष रख दे। शारीरिक हालत को देखते हुए तुरंत बच्चे की मनस्थिति समझने का प्रयास शुरू कर दें।

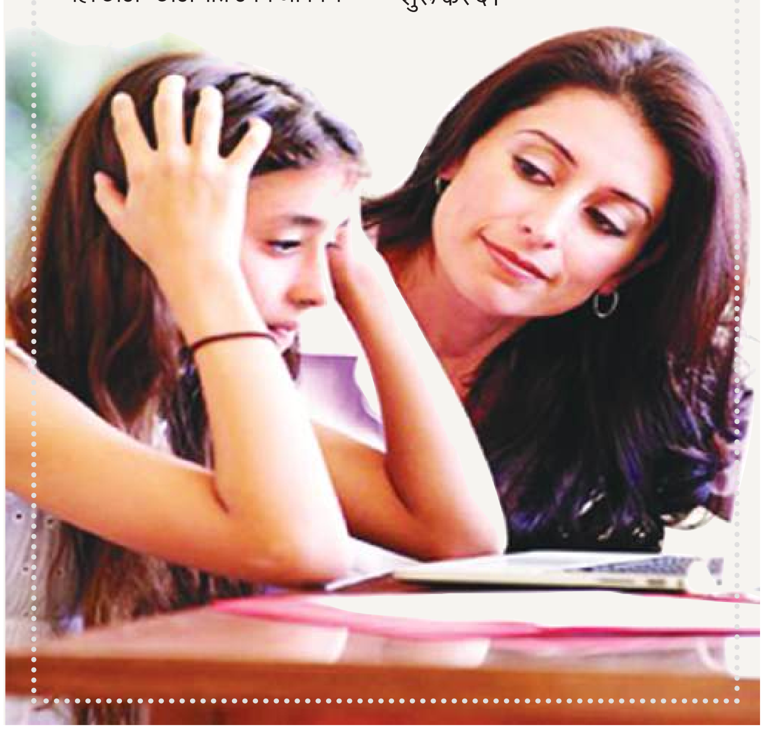

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी किसी भी स्त्री के जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आती है लेकिन यह अपने साथ कई जटिलताएं भी लाती हैं। अगर गर्भ में जुड़वां बच्चे हों तो स्थिति और भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी होता है कि गर्भावस्था के दौरान खानपान का ध्यान रखा जाए, नियमित जांच कराई जाए और डॉक्टर के सुझाव पूरी तरह माने जाएं, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और खुश रहें।

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-

ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

हर एक के लिए फुर्सत के मायने अलग-अलग होते हैं। जैसे कुछ लोगों के लिए फुर्सत या छुट्टी का मतलब है बस घर में बैठे-बैठे कुछ करते रहना। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ।

छुट्टियों का लें भरपूर आनंद

कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढ़ना, बहुत दिनों से अधूरी पड़ी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली-बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड़ में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना।. ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

फुर्सत यानी कुछ और

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है। लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं-'अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है।

सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं।

तय हो योजना

आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।